

विदेह

शुद्ध मैथिली

लेखन-शैली निर्देशिका

मैथिली वर्तनी, व्याकरण, शब्दप्रयोग,
पाठ-सम्पादन आ प्रकाशनक मानक निर्णय

समेकित · मूल वर्ड-पाठ आधारित संशोधन · ११ अक्टूबर २०२६

गजेन्द्र ठाकुर

विदेह · प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका · आईएसएसएन २२२९-५४७९एक्स

विदेह शुद्ध मैथिली लेखन-शैली निर्देशिका

समेकित : मूल वर्ड-पाठ आधारित संशोधन : ११ अक्टूबर २०२६

मैथिली वर्तनी, व्याकरण, शब्दप्रयोग, पाठ-सम्पादन आ प्रकाशनक मानक निर्णय

लेखक : गजेन्द्र ठाकुर

विदेह : प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका : आईएसएसएन २२२९-५४७७एक्स

प्रकाशकीय विवरण

© २०२६ गजेन्द्र ठाकुर। सभ अधिकार सुरक्षित। मूल साहित्यिक उद्धरण, ऐतिहासिक शीर्षक, लोकबोली आ स्रोत-साक्ष्य अपन मूल रूपमे सुरक्षित रहत। एहि संस्करणमे मूल ५९२ नियमक क्रमाङ्क आ मूल निर्देशात्मक कथन सुरक्षित राखल गेल अछि; शब्द-सूचीक दोहराव समेकित कएल गेल अछि।

संस्करण : अक्टूबर २०२६, मूल वर्ड-पाठ परीक्षण आ वर्तनी-विकल्पक एकरूपता-संशोधन सहित। मूल आधार : विदेह शुद्ध मैथिली लेखन-शैली निर्देशिकाक दोसर पुनरीक्षित संस्करण।

पोथीक आकार : ६ × ९ इंच। मूल पाठ : नोटो सेरिफ देवनागरी। अतिरिक्त मशीन-पठनीय फाइल : सहस्रशीर्षा आ सहस्रबाद्वनिक वर्ड पाठपर आधारित आवृत्ति-पञ्जी, विकल्प-नीति, सम्पादकीय कोश, नियम-पञ्जी आ परीक्षण-वाक्य।

विदेह : <https://www.videha.co.in/> • <https://videha-ejournal.github.io/videha/>

एहि निर्देशिकाक स्रोत-उद्धरणक स्थिति सम्पादकीय अनुमोदनसँ अलग अछि। बाहरी विद्वत्-समीक्षा एखन सम्पन्न नहि; विश्वसनीय प्रमाणक सीमा एहि संस्करणमे स्पष्ट कएल गेल अछि।

अनुक्रमणिका

एहि पोथीमे पूर्ण ५९२ नियमक क्रम यथावत् अछि। शीर्षक, मुख्य खण्ड आ परिशिष्टक पृष्ठ-स्थल वर्डक स्वतः अद्यतन होइत अनुक्रमणिकासँ भेटत।

- द्रुत-सन्दर्भ आ वर्तनी-निर्णय
- युनिकोड आ तिरहुता
- नियम १-८६ : भाषा आ वर्तनी
- नियम ८७-२०० : क्रिया, वाक्य आ शब्दार्थ
- नियम २०१-३१७ : विधा आ सम्पादन
- नियम ३१८-४६६ : प्रयोग-कोश आ उदाहरण
- नियम ४६७-५९२ : स्रोत-परीक्षण आ विशिष्ट निर्णय

- समेकित प्रतिस्थापन-पञ्जी
- मूल शब्द-सूचकांक आ उलटा-सूचकांक
- प्रतिगमन-परीक्षण आ संशोधन-इतिहास

पछिला पृष्ठ लेल दूत-सन्दर्भ

दूत-सन्दर्भ : आएल/आयल, नहि/नै, कएल/कयल, होयत/होएत/हएत—सभ मान्य; एकहि लेखकीय गद्यस्वरमे चयन स्थिर राखू। विस्तृत नियम ९३-९४, १०५, ३२७, ३५९, ४८९, ५०९, ५४२।

जाँच	स्वीकृत निर्णय	रोक / अपवाद
नुक्ता	ड, ढ	ज़, फ़, क़, ख़, ग़ नव गद्यमे नहि; मूल उद्धरण सुरक्षित
शब्दारम्भक ढ	ढोल, ढाक, ढाँचा	शब्दारम्भमे ढ नहि
क्रियारूप	आएल/आयल · कएल/कयल · होयत/होएत/हएत— सभ मान्य	एकहि लेखकीय स्वरमे रूपक निरन्तरता; मूल उद्धरण/संवाद स्वतन्त्र
नकार	नहि / नै : दुनू मान्य	एकहि लेखकीय स्वरमे एकरूपता; ने अलग अर्थक रूप
पञ्चमाक्षर	सम्पादक · सम्बन्ध · सन्दर्भ	संग · प्रसंग · संकेत स्थापित रूप
मानवीय सम्मान	आचार्य छथि	निर्जीव: पोथी अछि
अवग्रह	कऽ · भऽ · तऽ	रोमन अपोस्ट्रोफ नहि
उद्धरण	“बाहरी ‘भीतर’ उद्धरण”	शब्द-उल्लेख लेल ‘...’ स्वीकार्य
सन्दिग्ध शब्द	अर्थ-जाँच → प्रसंग → स्रोत	अन्ध प्रतिस्थापन नहि
क्रमाधिकार	मूल उद्धरण > विशिष्ट नियम > सामान्य नियम > शैली-पसिन	स्रोत-उद्धरण स्वतः मानक नहि

सम्पादकीय प्रमाणक क्रम आ परीक्षणक सीमा

पहिल अधिकार मूल स्रोत-उद्धरणक अक्षुण्णता केँ अछि; तकर बाद विशिष्ट नियम, तकर बाद सामान्य नियम आ अन्तमे सम्पादकीय शैली-पसिन। स्रोतमे किछु रूपक उपस्थितिसँ ओ अपने-आप अशुद्ध अथवा शुद्ध सिद्ध नहि होइत अछि।

एहि संस्करणक सम्पूर्ण आवृत्ति-जाँचक आधार लेखकक संलग्न मूल वर्ड पाठ ‘सहस्रशीर्षा’ आ ‘सहस्रबाढ़नि’ अछि। १००-कथाक संग्रह एहि अध्ययनमे कतहु आधार-पाठ नहि अछि।

‘सहस्रशीर्षा’क मूल DOCX आ ‘सहस्रबाढ़नि’क मूल DOC (वर्ड-पठनीय DOCX प्रतिमे रूपान्तरित) दुनूक सम्पूर्ण निकालल पाठपर शब्दगणना कएल गेल। पहिनुक पीडीएफ-आधारित आंशिक आवृत्ति आव उपयोगमे नहि अछि। तुलना यूनिकोड एनएफसी आधारित अछि; मूल फाइल नहि बदलल। ठीक पूर्ण-शब्द रूप गनल गेल अछि, तें विभक्तियुक्त आ संयुक्त रूप अलग पद्धति माँगैत अछि।

आधार-पाठक मुख्य निष्कर्ष : सहस्रशीर्षामे ‘नै’ पर्याप्त आवृत्तिसहित उपस्थित अछि आ सहस्रबाढ़निमे ‘नहि’ सेहो पर्याप्त आवृत्तिसहित उपस्थित अछि। आएल/आयल, कएल/कयल, होयत/होएत/हएतक कोनो रूपक कम-बेसी संख्या ओकर शुद्धता वा अशुद्धता सिद्ध नहि करैत। एकरूपता लेखकीय गद्य-पद्धतिक नियम अछि, एकरूप वर्तनी थोपबाक नियम नहि।

कोशक गणना प्रत्यक्ष संलग्न वर्ड पाठमे अभिलेखित ठीक-रूप मिलान अछि। शून्यक अर्थ एहि पाठमे उक्त लिखित शब्द अलग पूर्ण-शब्द रूपमे नहि भेटब अछि, अशुद्धता नहि। अनेक विकल्पवला प्रविष्टिमे पृथक-पृथक गणना तथा आवश्यकता पड़ला पर कुल संख्या रिक्त राखल गेल अछि। सभ स्वतः प्रतिस्थापन निष्क्रिय अछि।

एक-पृष्ठीय वर्तनी-निर्णय सारणी

प्रयोग	चुन्नल	त्याज्य	अपवाद	नियम
--------	--------	---------	-------	------

प्रत्यक्ष उद्धरण	“...”	‘...’क अनिवार्य प्रयोग	भीतर उद्धरण: ‘...’; शब्दक उल्लेख: ‘...’	२९-३०
आबि गेल कालरूप	आएल वा आयल	कोनो रूप त्याज्य नहि	लेखकीय गद्यमे एकरूपता; स्रोत/संवाद सुरक्षित	३२७, ४८९
सम्भाव्य भविष्यकाल	होयत / होएत / हएत	कोनो रूप त्याज्य नहि	कर्ता आ सम्मानसंग ति सही; एकरूपता	१४, ४८९
पूर्ण क्रियारूप	कएल अथवा कयल	कोनो रूप त्याज्य नहि	लेखकीय चयन स्थिर; उद्धरण अक्षुण्ण	१३, ४८९
नकार— सम्पादकीय गद्य	नहि अथवा नै	कोनो रूप त्याज्य नहि	दुनू शोध/कथा/ सम्पादकीय गद्यमे मान्य; ने अर्थभेद	१०५, ५०९
नकार— संक्षिप्त अव्यय	ने	नहि सँ अन्धप्रतिस्था पन	प्रश्न/ बलाघातक ने सुरक्षित	१०६, ५०९
तत्सम पञ्चमाक्षर	सम्पादक, सन्दर्भ, सम्बन्ध	संपादक, संदर्भ, संबंध	प्रमाणित मूल उद्धरण अथवा नाम	४८४, २५.२

सर्वसाधारण शब्द	संग, प्रसंग, संकेत	सङ्ग, प्रसङ्ग, सङ्केतक सर्वत्र आरोप	स्रोत-पाठक स्वतन्त्र वर्तनी	१५, ४८४
नुक्ता	इ, ढ	ज़, फ़, क़, ख़, ग़	अन्य लिपिक उद्धरण जाँ मूलतः तद्रूप आवश्यक	१८, ४७९
शब्दारम्भक ढ	ढोल, ढाक, ढाँचा	ढोल, ढाक	नाम/ उद्धरणमे प्रमाणित रूप	४८०
अवग्रह	ऽ (U+093D)	‘अथवा’	विदेशी नामक मूल लेखन	१९, ५६३
मुद्रण-अन्त	।	हर ठाम .	यूआरएल, वैज्ञानिक संख्या	२४

विशेष निर्णय : ए, य आ नकार

नियम ४८९क अन्तर्गत आएल/आयल, कएल/कयल आ होयत/होएत/हएत सभ मान्य विकल्प अछि। कोनो एकटा अनिवार्य मानक नहि। लेखक जे रूप पसिन करथि, सम्पूर्ण लेखकीय गद्यक एकहि स्वरमे सुसंगत रूपेँ उपयोग करथि; उद्धृत मूल पाठ आ स्वतन्त्र पात्र-वाणी अक्षुण्ण रहत।

‘नहि’ आ ‘नै’ दुनू मान्य नकारक रूप अछि—औपचारिक शोधगद्य, सम्पादकीय लेख, कथा आ संवादमे लेखकक सुसंगत विकल्प स्वीकार्य। मूल पाठमे एकरा एक-दोसरामे स्वतः नहि बदलू। ‘ने’क बलाघात/प्रश्न आ आन विशिष्ट प्रयोग पृथक व्याकरणिक जाँच चाहैत अछि।

अनुस्वार आ पञ्चमाक्षरमे अन्ध नियम नहि: स्थापित तत्सम—

सम्पादक/सम्बन्ध/सन्दर्भ; स्थापित सामान्य—संग/प्रसंग/संकेत। आगन्तुक तकनीकी रूप आ मूल शीर्षकपर अलग पाठ-साक्ष्य लागू।

मूल वर्ड पाठसाक्ष्य : दू उपन्यासक आवृत्ति-परीक्षण

आबऽ क्रियाक भूत — आएल : 67 / 68; आयल : 3 / 4 [सहस्रशीर्षा / सहस्रबाढ़नि]

नकार — नहि : 2 / 332; नै : 691 / 0 [सहस्रशीर्षा / सहस्रबाढ़नि]

करबाक भूत — कएल : 31 / 18; कयल : 0 / 0 [सहस्रशीर्षा / सहस्रबाढ़नि]

होएब क्रियाक भविष्य — होयत : 0 / 1; होएत : 0 / 20; हएत : 33 / 1
[सहस्रशीर्षा / सहस्रबाढ़नि]

ई संख्या दू संलग्न वर्ड फाइलक सम्पूर्ण सामान्यीकृत पाठमे ठीक लिखित रूपक पूर्ण-शब्द मिलान अछि; कथा, संवाद आ उद्धरण अलग-अलग छानल नहि गेल।
० केँ निषिद्ध रूपक प्रमाण नहि मानल जाए। शब्दरूपक प्रसंगानुसार बदलल रूप अलग नहि जोड़ल गेल।

लेखकीय निर्णय : सभ सूचीबद्ध विकल्प मान्य। एकहि लेखकक एकहि रचनामे सामान्य कथावाचक स्वरक भीतर निरर्थक रूपान्तर मात्र समीक्षा-योग्य; पात्रक बोली, प्रत्यक्ष उद्धरण, लोकगीत, इतिहासक पाठ अपन रूपमे रहत।

युनिकोड, अक्षर-संयोजन आ तिरहुता

देवनागरीक दृष्टिसँ एकहि जकाँ देखाइत ड/ढ़ दू प्रकारक कोडबिन्दुसँ बनि सकैत अछि: पूर्वसंयोजित U+095C (इ) / U+095D (ढ़), वा ड U+0921 + नुक्ता U+093C आ ढ U+0922 + नुक्ता U+093C। पूर्णपाठमे तुलनात्मक खोजसँ पहिने सर्वप्रथम सामान्यीकृत पाठक अलग प्रति बनाउ; मूल स्रोत सुरक्षित राखू।

चिह्न	युनिकोड	निदेश
ड	U+0921	शब्दारम्भमे सामान्य ड
ढ़	U+0922	शब्दारम्भमे सामान्य ढ
्	U+093C	नुक्ता; केवल ड/ढ़ संरचनामे
इ	U+095C / U+0921 U+093C	समान दृश्य; रचना-जाँच
ढ़	U+095D / U+0922 U+093C	समान दृश्य; रचना-जाँच

ऽ	U+093D	अवग्रह; अपोस्ट्रोफ नहि
ं	U+0902	अनुस्वार
ँ	U+0901	चन्द्रबिन्दु
्	U+094D	हलन्त/विराम
ZWJ	U+200D	संयुक्ताक्षर रूपाकारपर प्रभाव
ZWNJ	U+200C	संयुक्ताक्षर अलग देखेबाक हेतु
NBSP	U+00A0	अदृश्य विशेष रिक्ति; अनावश्यक ठाम हटाउ

सामान्यीकरण : युनिकोड एनएफसी [NFC] तुलना-प्रतिमे अपनाउ। ध्यान राखू: सामान्यीकरण कोनो गलत शब्दकें अपने-आप ठीक नहि करैत। U+095C आ U+095Dक विखण्डित रूपकें अभिलेखित करब उपयोगी अछि; प्रोग्रामक खोजमे कैनोनिकल समानता देखू।

अदृश्य चिह्न जाँच : U+200C, U+200D, U+FEFF आ U+00A0; संयुक्ताक्षर, तिरहुता रूपान्तरण अथवा स्रोत-साक्ष्यक प्रयोजन नहि हो तँ हटेबासँ पहिने समीक्षा करू। `` U+2019 आ `` U+02BC कें देवनागरी अवग्रह U+093Dक पर्याय नहि बुझू।

तिरहुता : देवनागरी ↔ तिरहुता रूपान्तरण अक्षर-समीपता मात्र नहि; स्वरचिह्न, संयुक्ताक्षर, विराम, अङ्क आ स्थानिक हस्तलिपिक रीतिक पृथक मानचित्र आवश्यक। मानचित्रणक दिशा, स्रोत-फाइलक लिपि, एन्कोडिङ्ग संस्करण आ अस्पष्ट शब्दक निर्णय अभिलेखमे राखू। मूल मिथिलाक्षर प्रतिमाकें मानक देवनागरी रूपसँ प्रतिस्थापित नहि करू।

समान नियमक दोहराव आ परस्पर सन्दर्भ

पहिनुक भाग ११, १२, १७ आ २०क पुनरावृत्त शब्द-उदाहरणकें आब एकटा समेकित प्रतिस्थापन-पञ्जीमे रखल गेल अछि। मूल ५९२ नियम पूर्ण रूपेँ

क्रमाङ्कित रहैत छथि; कोशमे एकहि जोड़ीक दोहराव हटि गेल अछि, मुदा मूल स्थानक अभिलेख प्रत्येक प्रविष्टिक “source_sections”मे राखल गेल अछि।

टकराव भेलापर निर्णय: (१) मूल उद्धरण आ नामक अक्षुण्णता; (२) विशिष्ट अर्थ/विधा-सापेक्ष नियम; (३) सामान्य नियम; (४) शैली-पसिन। सामान्यीकृत खोज कभी स्रोत-पाठमे चुपचाप परिवर्तन नहि करब।

५१२ क्रमाङ्कित नियम आ ९१क : समरूप प्रारूप

सभ नियममे निर्देश, मान्य/त्याज्य उदाहरण, अपवाद, प्रयोगक्षेत्र आ स्थितिक अलग पहचान अछि। मूल निर्देशात्मक सामग्री बिना आशय-बदलाव सुरक्षित; उदाहरण जतय मूल पाठमे स्पष्ट नहि छल, ओतय केवल सम्पादकीय क्रियाक परीक्षण-वाक्य देल अछि, प्रमाणित साहित्यिक उद्धरण नहि।

अधिकार, पद्धति आ लेखन-दर्शन

१. प्रमाण आ सम्पादकीय अधिकारक क्रम

नियम सभसँ ऊपर स्पष्ट स्वीकृत नवतम विदेह-सुधार रहत; तकर बाद ई निर्देशिका, प्रामाणिक व्याकरण, शब्दकोश, स्रोत-पाठ आ क्षेत्रीय प्रयोगक क्रमसँ निर्णय होएत। पुरान उदाहरण नव स्वीकृत नियमकँ निरस्त नहि करैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२. बारह स्रोत-पोथीक आधार

नियम छओ गद्य-पोथी, दू शब्दकोश आ चारि विशेषज्ञ शब्दावली विदेहक पहिनुक स्रोताधार अछि। नव अध्ययनमे ‘भाषापाक’ आ इग्नूक ‘मैथिली आधार पाठ्यक्रम’क पाठसाक्ष्य जोडल गेल अछि। स्रोत-संख्या आ स्रोत-प्रकारक भेद स्पष्ट राखू; कोनो स्रोतकँ बिना प्रमाण सार्वभौम मानकक दर्जा नहि दिअ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३. स्रोतसँ की सिद्ध होइत अछि

नियम शब्दकोशसँ शब्दक अस्तित्व आ अर्थ, उपन्याससँ पात्रक बोलचाल, विशेष शब्दावलीसँ पेशागत अर्थ आ पाठ्यपुस्तकसँ शिक्षण-परम्परा पता चलैत अछि; मात्र उपस्थितिसँ नव सम्पादकीय मानक सिद्ध नहि होइत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४. नियमक अवस्थाक संकेत

नियम 'अनिवार्य', 'विदेहक प्राथमिक रूप', 'स्वीकार्य विकल्प', 'बोलचाल', 'लोक/क्षेत्रीय', 'साहित्यिक', 'विशेषज्ञ', 'ऐतिहासिक', 'केवल उद्धरण' आ 'पुनर्जाँच'—ई दस चिह्न निर्णयमे उपयोगी अछि । चिह्नक आधार स्पष्ट राखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५. मैथिली वाक्यक मूल स्वभाव

नियम पहिने कथ्यक सम्बन्ध, क्रियाक पक्ष, कर्ता-कर्म, सर्वनाम, आदरस्तर आ कारक पहचानू; तकर बाद मैथिलीमे नव वाक्य रचू। हिन्दी अथवा अंग्रेजीक शब्दक्रम नकल कऽ शब्द बदलि देब मैथिली अनुवाद नहि अछि।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६. शुद्धता बनाम कृत्रिमता

नियम शुद्ध मैथिलीक अर्थ सभ संस्कृत शब्द ठूसब नहि। जीवित जनभाषाक स्वाभाविक रूपकेँ मान्यता दिअ; प्रचलित पारिभाषिक शब्दकेँ केवल विदेशी मूलक कारण हटाउ नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७. प्रतिस्थापनसँ पहिने अर्थ-जाँच

नियम के काज कऽ रहल अछि, ककरापर काज होइत अछि, काल की अछि, कारक कोन अछि, आ शब्दक अर्थ कोन प्रसंगमे अछि—ई निश्चित कएने बिना शब्द नहि बदलू। ‘ओ घुरऽ लागल’ आ ‘ओ घुरबऽ लगल’ एके मानक नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८. पाठ-संग्रहक सदुपयोग

नियम पाठ-संग्रहसँ प्रचलन, सहप्रयोग, क्रियारूप, कथ्यक लय आ संवादक भेद जाँचू। ओकर शब्द-गणना मतदान नहि; अधिक प्रचलित पुरान रूपक तुलना स्वीकृत नव मानकसँ करब आवश्यक अछि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

९. वर्णनात्मक आ निर्देशात्मक कथन

नियम 'फलाँ पोथीमे ई रूप भेटैत अछि' एकटा वर्णन; 'नव विदेह गद्यमे ई रूप लिखू' एकटा निर्देश अछि। दूनूकेँ स्पष्ट अलग राखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०. लेखनक अनिवार्य स्वपरीक्षण

नियम प्रकाशनसँ पहिने स्रोत-पाठ, तथ्य-साक्ष्य, शब्दरूप, कारक, काल-पक्ष, सम्मानसूचकता, उद्धरण, नुक्ता, अनुस्वार-चन्द्रबिन्दु, अनुक्रम, मुद्रण आ डिजिटल पठनीयताक क्रमशः जाँच करू। आन्तरिक सम्पादकीय टिप्पणी मुख्य पाठमे नहि रहय। दोसर भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

लिपि, वर्तनी आ मुद्रण-विन्यास

११. लिपिक निर्धारण

नियम सामान्य प्रकाशनमे मानक युनिकोड देवनागरी; तिरहुता लिपिक स्वतन्त्र मान आ प्रामाणिक रूप बनल रहत । पुरान फॉन्टक अक्षर-नक्शापर आधारित पाठकें नव फाइलमे सीधे नहि राखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२. युनिकोडक अक्षर-सुरक्षा

नियम पाठ चुनल, खोजल आ प्रतिलिपि कएल जा सकय, से आवश्यक अछि । सन्धि-अक्षर, अनुस्वार, चन्द्रबिन्दु, नुक्ता आ अवग्रहक क्रम दुरुस्त राखू; चित्रमे बदलल पाठ सामान्य लेखनक विकल्प नहि ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३. छायापाठक त्रुटि-जाँच

नियम यन्त्रपठित पुरान पाठमे जोडाक्षर, मात्रा आ शब्दक फाँक गलत भऽ सकैत अछि। संशय भेलापर मूल पृष्ठक छवि वा विश्वसनीय मुद्रण देखू;

धुँधलका के आधार बना शब्दकोश नहि गढ़ू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४. स्वर आ मात्रा

नियम एकहि शब्दक स्थापित स्वरूप समूचा पाण्डुलिपिमे एकसमान रह्य। हिन्दी-सदृश शब्दक मात्रासँ मैथिली वर्तनी अपने-आप निर्धारित नहि होइत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५. अनुस्वार आ चन्द्रबिन्दु

नियम अनुस्वार 'ँ' आ चन्द्रबिन्दु 'ँ'क ध्वन्यात्मक काज एक नहि। 'साँझ', 'सोझाँ', 'पानि' जकाँ स्वीकृत रूप जाँचिकऽ उपयोग करू। पञ्चमाक्षर आ अनुस्वारक विकल्पकँ यान्त्रिक ढंगसँ एक-दोसराक स्थानपर नहि राखू; मूल शब्द आ उच्चारणक प्रमाण निर्णायक अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

१६. विसर्ग आ तत्सम रूप

नियम विसर्ग अथवा संस्कृतक विशेष रूप मात्र स्थापित तत्सम, शास्त्रीय
पारिभाषिक शब्द, मन्त्र वा मूल उद्धरणमे राखू; जीवित मैथिली तद्भव शब्दकें
जबरन संस्कृत रूप नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

१७. संयुक्ताक्षर आ हलन्त

नियम मानक युनिकोडक संयुक्ताक्षर लिखू। सामान्य गद्यमे हलन्त दिखेबाक
लेल अनावश्यक चिह्न नहि घुसाउ; ध्वनिवैज्ञानिक उदाहरणमे आवश्यकता
अनुसार स्पष्ट रूप दियौ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

१८. नुक्ताक एकमात्र मान्य दू अक्षर

नियम अनिवार्य : नुक्ता केवल 'ड' आ 'ढ'। मैथिली लेखनमे ड/ढ छोड़ि आन नुक्तायुक्त अक्षर नहि लिखू। शब्दक आरम्भमे साधारण 'ड' आ 'ढ' लिखल जाएत; 'ढाक', 'ढोल', 'ढेकी'मे नुक्ता नहि। आरम्भक बाद जे शब्दमे मुड़ल ध्वनि अछि ताहिमे 'ड' वा 'ढ'—'पड़ल', 'बढ़ल', 'चढ़ल', 'पढ़ल', 'पीढ़ी', 'तरहड़ि'। मुदा भीतरक प्रत्येक 'ड/ढ' नुक्तायुक्त नहि होइत अछि; रूप, ध्वनि आ अर्थ सत्यापित करू। उद्धृत गैर-मैथिली पाठक मूल वर्तनीक मामला अलगसँ चिह्नित करू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द: बढ़ल, केवाड़ी; प्रारम्भ: ढोल

X त्याज्य उदाहरण ज़, फ़, क़, ख़, ग़ लिखब

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१९. अवग्रह आ संक्षिप्त क्रियारूप

नियम 'कऽ', 'भऽ', 'घुरऽ' आदि लेल देवनागरी अवग्रह 'ऽ' प्रयोग करू। अंग्रेजी अपोस्ट्रोफ वा अशुद्ध आकृति नहि। मुद्रित पाठमे तऽ/तँ आ कऽक अर्थगत आ वर्तनीगत भेद सेहो जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण ओ कऽ गेल।

X त्याज्य उदाहरण ओ क' गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०. शब्दक फाँक आ जोड़

नियम सम्बन्धचिह्न 'क', 'कै', 'सँ', 'मे' आदि मैथिली व्याकरणक अनुसारै लगत; 'क' सटल, 'कै' आ 'सँ' स्थापित संयोजनमे प्रायः सटल, मुदा वाक्यांश, लेखकीय परम्परा आ अर्थ देखिकऽ निर्णय करू। 'कऽ' स्वतन्त्र पूर्वकालिक अव्यय अछि—'देखि कऽ'। फाँकक प्रश्नमे एके यन्त्र-नियम नहि थोपल जाए।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१. समासक व्यवहार

नियम प्रचलित समस्त शब्द जकाँ स्थापित अछि, तहिना लिखू; जटिल पदसमूह केवल संस्कृत-सदृश देखाबय लेल नहि जोड़ू। स्पष्ट अर्थ लेल आवश्यक फाँक राखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२. योजकचिह्न

नियम युग्म, दोहराव आ किछु संयुक्त नाममे ‘-’ उपयोगी अछि; साधारण मैथिली पदबन्धकें सजावट लेल हाइफनसँ नहि भरू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३. दीर्घ विरामरेखा

नियम वाक्यक बीच अतिरिक्त टिप्पणी, जोर अथवा सीमा स्पष्ट करबाक लेल विरामरेखा सीमित राखू। पूर्णविराम वा अल्पविराम जतेक साफ अछि, ओतय विरामरेखा नहि चाही।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४. वाक्यक अन्त

नियम सामान्य देवनागरी गद्यक पूर्णविराम ‘।’ अछि । वेब-पता, वैज्ञानिक सङ्केत आ विदेशी संक्षेपमे आवश्यक बिन्दु मूल रूपमे रहि सकैत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण ई पुस्तक अछि ।

X त्याज्य उदाहरण ई पुस्तक अछि.

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५. अल्पविराम

नियम सूची, मध्यवर्ती टिप्पणी आ लम्ब वाक्यक भेद स्पष्ट करबाक लेल ‘;’ उपयोग करू । अंग्रेजीक आदत अनुसार प्रत्येक छोट ठाम अल्पविराम नहि भरू; आवश्यक भेल वाक्य बाँटू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६. अर्द्धविराम

नियम अर्द्धविराम दुर्लभ अवसरपर दू निकटवर्ती स्वतन्त्र कथन जोड़य; सामान्य पाठक लेल दू स्पष्ट वाक्य प्रायः नीक।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७. द्विबिन्दु

नियम व्याख्या, व्यवस्थित सूची वा उद्धरणसँ पहिने द्विबिन्दु उपयोगी अछि।

प्रत्येक शीर्षकक बाद एकर अनिवार्यता नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८. प्रश्न आ विस्मय

नियम प्रत्यक्ष प्रश्नक अन्तमे ‘?’ आ वास्तविक विस्मयमे ‘!’ दिअ; लगातार

अनेक चिह्न साहित्यिक संवादक विशेष प्रयोजनबिना नहि लगाउ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२९. उद्धरणचिह्न

नियम प्रत्यक्ष बाहरी उद्धरण लेल “...” आ ओकर भीतर ‘...’ प्रयोग करू। एकल ‘...’ शब्दक उल्लेख अथवा पद-विश्लेषण लेल सेहो प्रयुक्त होएत; से प्रत्यक्ष वाणी नहि मानल जाएत। मूल उद्धरणक अक्षर आ विराम सुरक्षित। मूल नियमक निर्देश एहि स्पष्ट अर्थमे पढ़ल जाए।

✓ मान्य उदाहरण ओ कहलनि, “ई ‘नव’ शब्द अछि।”

X त्याज्य उदाहरण भीतरी उद्धरण लेल बाहरी दोहर उद्धरणक गलत मेल अपवाद मूल उद्धरण, शोध-पाठ आ उद्धृत भाषणक चिह्न स्रोतअनुसार राखू; सम्पादकीय टिप्पणी फराक।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०. त्रिबिन्दु

नियम ‘...’ केवल अधूरल विचार, बोलतीक रुकावट वा स्पष्ट पाठ-विलोपन लेल राखू। दृश्य बदलबाक वा नाटकीयता बढ़ेबाक साधारण उपकरण नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद मूल उद्धरण, शोध-पाठ आ उद्धृत भाषणक चिह्न स्रोतअनुसार राखू; सम्पादकीय टिप्पणी फराक।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१. कोष्ठक

नियम गौण जानकारी गोल कोष्ठकमे, सम्पादकीय जोड़ वा उद्धरणक स्पष्टीकरण चौकोर कोष्ठकमे दियौ। अनेक परतवला कोष्ठक पाठककेँ उलझाबैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३२. तिर्थकरेखा

नियम '।' स्पष्ट विकल्प, संक्षिप्त जोड़ी वा तकनीकी संकेतमात्र लेल; साधारण गद्यमे सम्बन्ध शब्दसँ व्यक्त करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३. अङ्कक पद्धति

नियम सामान्य मैथिली गद्य आ क्रमाङ्कमे देवनागरी अङ्क प्राथमिक अछि। आईएसबीएन, आईएसएसएन, जाल-पता, संगणकीय पहचान आ वैज्ञानिक अभिलेखमे अपेक्षित अन्तरराष्ट्रीय अङ्क यथावत् रखू। एक सारणीक भीतर एके प्रकारक संख्यापद्धति राखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३४. तारीख लिखबाक ढंग

नियम दिन-मास-वर्षक स्पष्ट क्रम राखू; संशयक स्थितिमे मासक नाम लिखू। अभिलेखीय सूचीमे यन्त्रानुकूल निश्चित तारीख-रूप उपयोगी अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५. समय-लेखन

नियम गद्यक सन्दर्भमे भिनसर, दुपहर, साँझ, राति आदि स्वाभाविक रूप; समय-सारिणीमे चौबीस-घण्टाक स्पष्ट व्यवस्था राखू। एके दस्तावेजमे अनावश्यक फेरबदल नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६. संक्षेप शब्द

नियम अपरिचित संक्षेप पहिल प्रयोगमे पूरा लिखू। संस्था अथवा विधिक अधिकृत संक्षेप जखन जरूरी, मूल रूप प्रमाणित रखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७. विदेशी नाम आ पारिभाषिक पद

नियम नाम अथवा पारिभाषिक शब्दक मैथिली रूप लिखू; मूल विदेशी वर्तनी पहिल उल्लेखपर कोष्ठकमे देल जा सकैत अछि। आधिकारिक नाम, सटीक शीर्षक, वैज्ञानिक द्विनाम आ खोजयोग्य डिजिटल पहचानकें बदलि कऽ दूषित नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँच शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८. पोथी आ रचनाक शीर्षक

नियम प्रकाशित कृतिक प्रामाणिक शीर्षक स्वयं ऐतिहासिक तथ्य अछि । ओकरा विदेह शब्दरूपक आधारपर चुपचाप नहि सुधारू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३९. शीर्षकक गठन

नियम शीर्षक छोट, सार्थक आ एकरूप हो; अनावश्यक विरामचिह्न नहि ।

उपशीर्षक मूल शीर्षकक विषय-सीमा स्पष्ट करय ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०. सूचीक अनुशासन

नियम क्रमबद्ध प्रक्रिया लेल क्रमाङ्कित सूची, निरक्रम बिन्दु लेल चिह्नित सूची । सभ पाँतिक व्याकरणिक गठन एकजकाँ राखू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१. सारणीक प्रयोग

नियम सारणी तुलना, मिलान वा तथ्य-संघटन लेल; साधारण गद्य जवरन सारणीमे नहि। शीर्षकसँ स्तम्भक अर्थ स्पष्ट होअय।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२. डिजिटल नाम आ पता

नियम फाइलनाम, वेब-पता आ डिजिटल पहचान तकनीकी रूपेँ अक्षुण्ण रहय; तिनकर आसपासक व्याख्या शुद्ध मैथिलीमे हो। तेसर भाग

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

संज्ञा, कारक, सर्वनाम आ सम्मानसूचकता

४३. संज्ञाक विस्तार

नियम व्यक्ति, स्थान, वस्तु, घटना, पदार्थ आ भाव सभ संज्ञा अछि। अंग्रेजी-हिन्दीक लिङ्ग, वचन वा गणनीयता सीधा मैथिलीपर नहि थोपल जाए।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४. वचन आ समूहवाचक रूप

नियम 'छात्रसभ', 'पोथीसभ', 'लोकसभ' आदि सन्दर्भसंगत बहुवचन अछि; पदार्थवाचक वा भाववाचक शब्दपर अकारण 'सभ' नहि चढ़ाउ। सामान्य जनसमुदायक वर्णन आ आदरसूचक एकवचनक क्रियारूपकें गडुमडु नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५. सभ बनाम सब

नियम नव सामान्य विदेह गद्यमे 'सभ' प्राथमिक अछि। 'सब' स्रोत-उद्धरण, पात्रक बोली वा निश्चित क्षेत्रीय रूपमे सुरक्षित राखल जा सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण सभ लोक आएल।

✗ त्याज्य उदाहरण हिन्दीक सब लोग बिना प्रसंग

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४६. प्रत्येक आ सर्वकालिकता

नियम हिन्दी 'हर/हरेक'कें सामान्य गद्यमे यान्त्रिक रूपसँ नहि राखू। 'सभ पीढ़ी', 'सभ काल', 'हरदम' वा नियत तकनीकी प्रसंगमे 'प्रत्येक' अर्थानुकूल अछि। 'हरदम'क मूल शब्द रूपमे 'हर' हटा देब नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७. गणनासँग वर्गसूचक

नियम 'एकटा पोथी', 'दू गोटा लोक' आदि रूप प्रसंगानुसार स्वाभाविक; अङ्कक बाद सभठाम 'टा' जोड़ी देब उचित नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४८. कारक आ परसर्ग

नियम 'कैं, सँ, मे, पर, लेल, संग, धरि, दिस, लग, कात, आगाँ, पाछाँ' अर्थ अनुसार अपन स्थान लैत अछि। अनुवादमे हिन्दी विभक्तिक चिप्पी नहि लगाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४९. एक परसर्गक अनेक अर्थ

नियम 'सँ' स्रोत, साधन, तुलना आदि देखाबि सकैत अछि; अर्थ निश्चित कएने बिना एकरा 'से'क एकमात्र पर्याय नहि बुझू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०. 'सँ'क मुख्य प्रयोग

नियम 'गामसँ आयल'—स्रोत; 'हाथसँ लिखल'—साधन; 'ओकरासँ पैघ'—तुलना। तीनू सम्बन्ध अलग अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१. 'मे' आ 'पर'

नियम 'मे' प्रायः भीतर वा क्षेत्र, 'पर' सतह, लक्ष्य वा विषय दर्शाबैत अछि; संस्थागत सन्दर्भमे स्वाभाविक सहप्रयोगकें प्राथमिकता दिअ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

५२. 'लेल'क सम्बन्ध

नियम 'ओकरा लेल', 'पढ़बाक लेल' जकाँ उद्देश्य वा हितक सम्बन्धमे 'लेल'
प्रयोग करू। हिन्दी 'के लिए'क पदक्रम नहि अपनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

५३. सम्बन्धवाचक '-क'

नियम 'गामक बाट', 'साँझक समय', 'मनक बात', 'पोथीक पन्ना' मानक सम्बन्ध-
निर्माणक रूप अछि। हिन्दी 'का/की/के'क लिङ्ग-ढाँचा नहि अपनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

५४. लम्ब सम्बन्ध-शृङ्खला

नियम तीन-चारि '-क' लगातार आ अर्थ अस्पष्ट भेलासँ वाक्यकेँ दू भागमे बाँटू
वा क्रियायुक्त उपवाक्य बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५. सर्वनामक समय संगति

नियम सर्वनाम, कर्ता, कर्म, दूरी, सम्मान आ क्रिया एक व्यवस्था बनवैत अछि।
 हिन्दी 'वह/उसे' वा अंग्रेजी सर्वनामक एक-एक समानार्थी पर्याप्त नहि।
 ✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।
 ✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिऐल गेल मुदा क्रिया नहि।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५६. उत्तम पुरुष

नियम 'हम', 'हमरा', 'हमर' कारक अनुसार; 'मुझे/मेरा'क हिन्दी वाक्य-विन्यास मैथिलीमे नहि उतरय।
 ✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।
 ✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिऐल गेल मुदा क्रिया नहि।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७. मध्यम पुरुष आ आदर

नियम 'अहाँ' सम्बोधनक संग सम्मानसूचक क्रिया राखू। एके वाक्यमे आदरसूचक सम्बोधन आ अनादरसूचक क्रियाक टकराव त्रुटि अछि।
 ✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।
 ✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिऐल गेल मुदा क्रिया नहि।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८. सामान्य तृतीय पुरुष

नियम 'ओ' कर्ता, 'ओकर' सम्बन्ध, 'ओकरा' कर्म/परोक्ष कारकक प्रसंगमे; तीनूकें अदलि-बदलि नहि लिखू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५९. आदरसूचक तृतीय पुरुष

नियम 'हुनक', 'हुनका' आ तदनुकूल क्रियारूप सम्मानित व्यक्तिक सम्बन्धमे। केवल सर्वनाम बदलबासँ आदरक व्यवस्था पूर्ण नहि होइत अछि।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६०. निकटताक सर्वनाम

नियम 'ई', 'एकर', 'एकरा' निकट अथवा वर्तमान निर्देशित वस्तु/व्यक्तिक कारक-रूप अछि; दूर 'ओ' शृङ्खलासँ भेद राखू।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६१. मानवीय आ अमानवीय ‘छथि/अछि’

नियम सम्मानसूचक मानवीय कर्ताक लेल ‘छथि’; निर्जीव वस्तु, पोथी, नियम, घटना अथवा भावक लेल अर्थानुकूल ‘अछि/छै’। उदाहरण—‘लेखक उपस्थित छथि’; ‘ई पोथी उपयोगी अछि’। लोकगीत वा धर्मकथामे नदी अथवा देवीक व्यक्तिरूप संबोधन स्रोत-निष्ठ रखल जाए।

✓ मान्य उदाहरण विद्वान छथि; पोथी अछि।

✗ त्याज्य उदाहरण ई पोथी छथि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६२. सम्मानक छओ अङ्ग

नियम सम्बोधन, सर्वनाम, सम्बन्धसूचक, सहायक क्रिया, मुख्य क्रिया आ क्रियाक सम्मानसूचक प्रत्यय—छओक आपसी संगति देखू।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६३. बहुवचन आ आदरसूचक एकवचन

नियम दिखबामे समान रूप कखनो अनेक व्यक्ति, कखनो एक सम्मानित व्यक्ति लेल होइत अछि। आशय आ क्रियाक सन्दर्भ जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६४. प्रतिबिम्बवाचक ‘अपन’

नियम कर्ता वा सम्बन्धित पात्रसँ एके व्यक्तिक अधिकार व्यक्त हो तँ ‘अपन’ उचित; प्रत्येक अंग्रेजीक ‘अपन’ अर्थ लेल नहि, मुदा जेठाम अपेक्षित ओतय ‘ओकर’ नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६५. संकेतवाचक भेद

नियम ‘ई/एहि’ निकट; ‘ओ/ओहि’ दूर अथवा पहिने उल्लिखित। कारक आ विशेषणक स्थिति अनुसार चयन करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६६. ‘ओही’ आ ‘वएह’

नियम ‘ओही दिन’मे निर्धारक रूप ‘ओही’; ‘ई वएह बात अछि’मे पहिचानपर बल देबयवला ‘वएह’। हिन्दी ‘वही’क दू अर्थकेँ एकहि मैथिली रूपमे नहि मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६७. अनिश्चित सर्वनामक चारि भेद

नियम ‘कियो’—अनिर्दिष्ट मानवीय कर्ता; ‘ककरो’—तिर्यक/सम्बन्धसूचक; ‘कोनो’—संज्ञाक निर्धारक; ‘किछु’—अनिर्दिष्ट वस्तु वा परिमाण । ‘कियो ओकरा किछु नहि कहलक’—‘ककरो ओकरा’ नहि ।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६८. ‘कियो’क कर्ता-परीक्षा

नियम आशय ‘कोनो व्यक्ति आयल/कहलक’ हो तँ कर्ता रूपमे ‘कियो’ देखू ।

हिन्दी ‘किसी ने’क कारण ‘ककरो’ नहि रखू ।

✓ मान्य उदाहरण कियो आएल ।

X त्याज्य उदाहरण ककरो आएल (कर्ताक अर्थमे) ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

६९. ‘ककरो’क तिर्यक-परीक्षा

नियम ‘ककरो बात सुनू’ जकाँ सम्बन्ध, अधिकार वा तिर्यक कारकमे ‘ककरो’ उचित; कर्ताक स्थानमे यान्त्रिक उपयोग नहि ।

✓ मान्य उदाहरण ककरो नहि देखल ।

X त्याज्य उदाहरण कियो नहि देखल (कर्मक अर्थमे) ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७०. 'कोनो'क विशेषक-परीक्षा

नियम 'कोनो उपाय', 'कोनो लोक'मे 'कोनो' संज्ञाक विशेषक अछि । स्वतन्त्र मानवीय कर्ताक अर्थमे 'कियो' उचित ।

✓ मान्य उदाहरण कोनो उपाय भेटत ।

X त्याज्य उदाहरण कियो उपाय भेटत ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७१. सम्बन्ध-सहसम्बन्ध

नियम मैथिलीक 'जे...से', 'जखन...तखन', 'जँ...तँ' जकाँ ढाँचा स्वाभाविक अछि; बाहरी भाषाक उपवाक्यक्रम यथावत् नहि राखू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७२. 'जे...से'

नियम 'जे'सँ उल्लिखित वस्तु/व्यक्ति आ 'से'सँ ओकर उत्तरवर्ती सन्दर्भ जुड़ैत अछि । दूनू उपवाक्यक कारक स्पष्ट राखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७३. 'जखन...तखन'

नियम कालसम्बन्ध देखेबाक मानक जोड़ी—'जखन ओ आयत, तखन हम गप करब ।' हिन्दी 'जब...तब' सामान्य नव गद्यक प्राथमिकता नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७४. 'जँ...तँ'

नियम शर्त-फल—'जँ ओ आयत, तँ हम बात करब ।' 'अगर...तो'क बाहरी ढाँचा बिना कारण नहि उपयोग करू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७५. प्रश्नवाचक शब्द

नियम कोना—प्रकार; किएक—कारण; कतेक—मात्रा; कहिया—समय; कतय—स्थान; के—व्यक्ति; की—वस्तु वा प्रश्न । हिनकर कार्यक भेद स्पष्ट राखू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७६. निर्धारक पद

नियम संकेत, अधिकार, संख्या, मात्रा आ अनिश्चितताक पद संज्ञाक संग मैथिलीक स्वाभाविक क्रममे रहय । अंग्रेजी पदक्रमक नकल नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७७. विशेषणक गठन

नियम विशेषण अथवा सम्बन्धसूचक 'क'क बीच अर्थानुसार चयन करू ।

अनावश्यक हिन्दी-ढाँचाक व्युत्पन्न विशेषण बनाउ नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७८. 'साँझक'

नियम अनिवार्य: 'साँझक समय', 'साँझक इजोत'; सामान्य मानक गद्यमे 'साँझिक' नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

७९. तुलनाक रचना

नियम 'ओकरासँ पैघ', 'एकरसँ नीक' जकाँ 'सँ' आ मात्रासूचक पदक स्वाभाविक प्रयोग करू; बाहरी भाषाक 'ज्यादा' ढाँचा जबरन नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८०. क्रियाविशेषणक स्थान

नियम काल, स्थान, रीति, आवृत्ति आ परिमाणक शब्द वाक्यक आशय-जोर अनुसार रहय । अकारण आरम्भ वा अन्तमे ठेलि नहि दिअ ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८१. कालसूचक प्राथमिक शब्द

नियम 'आइ', 'एखन', 'आब', 'जखन', 'तखन', 'फेर' स्वाभाविक रूप अछि ।

'आज, अभी, अब, जब, तब' नहि अपनाउ, जँ स्रोत-उद्धरणक प्रश्न नहि हो ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।
 ✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८२. 'आ' बनाम 'आरो'

नियम 'आ' सामान्य जोड़; 'आरो' अधिकता अथवा अतिरिक्त अर्थ । 'आ'क सभ स्थानपर 'आरो' नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८३. 'मुदा'

नियम विरोध, अपवाद वा कथनक मोड़ लेल 'मुदा' विदेहक प्राथमिक रूप ।
 हिन्दी 'लेकिन' हटाउ, मुदा 'मुदा' सेहो अकारण दोहराउ नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८४. विकल्पक शब्द

नियम 'वा', 'अथवा', 'कि', 'आकि' प्रसंग, औपचारिकता आ प्रश्नक प्रकृति अनुसार; विकल्प आ उद्धरण-सूचक 'कि'मे भेद राखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८५. बलाघातक अव्यय

नियम 'तऽ/तँ', 'सेहो', 'मात्र', 'केवल' ककरापर जोर दैत अछि, से देखू । शब्दक स्थान बदललापर अर्थक व्याप्ति बदलि सकैत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८६. अर्थ-व्याप्तिक परीक्षा

नियम नकार, परिमाण, शर्त आ बलाघात एक-दोसरापर लागू भऽ सकैत अछि । सम्पादनमे केवल व्याकरण नहि, कथ्यक सत्य-मूल्य सुरक्षित राखू । चारिम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

क्रिया, काल, पक्ष, भाव आ उपवाक्य

८७. क्रियासँ वाक्यक जाँच

नियम सम्पादनमे सभ उपवाक्यक मुख्य रूपान्तरित क्रिया चिन्हू। जँ भाववाचक संज्ञाक शृङ्खला अछि, मुदा काजक क्रिया अस्पष्ट अछि, वाक्य फेर रचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८८. सकर्मक-अकर्मक भेद

नियम क्रिया सकर्मक, अकर्मक, अनुभववाचक वा दू कर्म लेनिहार अछि कि नहि, पहिने बुझू। कारकक निर्णय केवल हिन्दी वा अंग्रेजी वाक्य देखि नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

८९. काल, पक्ष आ भावक भेद

नियम 'घटना कहिया?' काल; 'चलि रहल कि पूरा भेल?' पक्ष; 'इच्छा, सम्भावना, आदेश कि शर्त?' भाव। एकहि क्रियारूपक निर्णयमे तीनू परीक्षण आवश्यक अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

१०. 'देत' आ 'दैत'

नियम 'देत' भविष्यक रूप—'ओ पोथी देत'। 'दैत' वर्तमान-आवृत्ति/कृदन्त
—'ओ पोथी दैत अछि'। दुनू वर्तनी-विकल्प नहि; समय आ पक्षक भिन्नता
अछि। प्रसंग अनुसार पुरुष आ आदरस्तरक रूप मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण ओ आइ पोथी दैत अछि; ओ काल्हि पोथी देत।

X त्याज्य उदाहरण ओ काल्हि पोथी दैत (भविष्यक अर्थमे)।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११. 'इत/-ऐत'क आवृत्तिपरक प्रयोग

नियम 'करैत', 'होइत', 'बजैत' आदिक अर्थसँ क्रियाक आवृत्ति वा अपूर्णता
स्पष्ट होअय। गद्य सजाबय लेल अकारण नहि जोड़।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

११क. कृत्रिम 'बैत' रूपसँ बचू

नियम 'देबैत', 'लेबैत', 'करबैत', 'कहबैत' जकाँ मूल क्रियामे अनावश्यक 'ब'
जोड़ि बनाओल रूप कृत्रिम अछि; स्वाभाविक रूप क्रमसँ 'दैत', 'लैत', 'करैत',
'कहैत' अछि। 'बैत' मात्र वास्तविक प्रेरणार्थक अर्थमे—'देखाबैत', 'बनाबैत'—
उपयुक्त; अर्थ जाँचि कऽ चुनू। 'देत' (भविष्य) आ 'दैत' (आवृत्ति)क भेद नियम
१०मे अछि; मूल उद्धरणक रूप नहि बदलू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२. 'रहल'क सावधानी

नियम 'ओ पढ़ि रहल अछि' जकाँ निरन्तर चलैत काजक ठाम 'रहल' सम्भव । अंग्रेजीक सभ अपूर्ण क्रियाकें बलपूर्वक 'रहल' नहि बनाउ; प्रसंगमे सरल रूप नीक भऽ सकैत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३. भूतकालक कथन

नियम 'आएल/आयल', 'गेल', 'भेल', 'कहलक', 'देलक' जकाँ भूतकालक घटनारूप कथाकें आगाँ बढ़बैत अछि । आएल आ आयल दुनू मान्य; लेखक सम्पूर्ण रचनामे अपन चुन्नल रूपक एकरूपता राखथि । मूल स्रोतक रूप बदलब नहि ।

✓ मान्य उदाहरण ओ काल्हि आएल अथवा आयल छल ।

X त्याज्य उदाहरण चुन्नल विकल्पकें स्रोत-परिवर्तन वा व्याकरणिक कारण बिना एकहि लेखकीय गद्यक भीतर मनमाना मिश्रित करब ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४. भविष्यकाल

नियम व्यक्ति, आदर आ सम्भावना अनुसार उचित भविष्यरूप राखू। ‘होयत’, ‘होएत’, ‘हएत’ तीनू मान्य लेखकीय रूप; एक रचनाक लेखकीय स्वरमे चयन स्थिर राखू। हिन्दी ‘होगा/कर देगा’क सहायक संरचना यथावत् मैथिलीमे नहि।

✓ मान्य उदाहरण ओ कहलक जे काल्हि होयत / होएत / हएत।

✗ त्याज्य उदाहरण चुनल विकल्पकें स्रोत-परिवर्तन वा व्याकरणिक कारण बिना एकहि लेखकीय गद्यक भीतर मनमाना मिश्रित करब।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५. असमापिका क्रियाक भेद

नियम ‘बाक’, ‘ब’, ‘-ऽ’, ‘-य’ आदि विभिन्न काम करैत अछि। संज्ञार्थक क्रिया, उद्देश्य आ ‘लागल’क पूरक क्रियाकें एकरूप नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६. ‘लागल’क आरम्भसूचक रचना

नियम आरम्भबोधक ‘लागल’ संग प्राकृतिक क्रियापूरक राखू—‘ओ घुरऽ लागल’; ‘साँझक समय अन्हार खसय लागल’। ‘घुरबऽ लगल’, ‘अन्हार खसबाक लगल’ मानक रूप नहि। ‘घुरबाक कारण’ जकाँ नामधर्मी प्रयोगमे बाक अलग काज करैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७. ‘बाक’क सही स्थान

नियम ‘पढ़बाक लेल’, ‘घुरबाक इच्छा’, ‘खसबाक कारण’मे संज्ञार्थक ‘बाक’ उचित अछि। आरम्भसूचक ‘लागल’क संग अलग चयन करब पड़ैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८. ‘लागल’ आ ‘लगैत’

नियम ‘लागल’ घटना शुरू होएब वा लगबाक भूत सन्दर्भ; ‘लगैत’ वर्तमान/आवृत्तिक भिन्न रूप। एकरा समानार्थी नहि बुझू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१९. ‘घुर-’ आ ‘आपस’

नियम व्यक्ति वा वस्तुक पुनरागमनमे ‘घुरल’, ‘घुरि आयल’ आदिक जाँच करू; ‘आपस’ अलग सम्बन्धसूचक वा प्रसंगानुसार अर्थ राखैत अछि। हिन्दी

‘वापस’क अन्ध प्रतिस्थापन नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१००. 'कऽ'सँ क्रियाक क्रम

नियम 'पोथी पढ़ि कऽ ओ लिखलक' जकाँ पूर्वकाज आ मुख्य काजक सम्बन्ध स्पष्ट राखू । बहुतेक 'कऽ' जोड़ि घटना-क्रमकेँ अस्पष्ट नहि करू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०१. 'भऽ'क प्रयोग

नियम 'भऽ' परिवर्तन, अवस्था-प्राप्ति आ किछु संयुक्त क्रियाक रूपमे; आशय जँ ठोस घटना अछि तँ अनावश्यक 'भऽ'क ठाम उचित क्रिया चुनू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०२. प्रेरणार्थक क्रिया

नियम कियो दोसराक हाथे काज करबेलक कि स्वयं कएलक, से स्पष्ट करू ।

प्रेरणार्थक प्रत्यय कारक-सम्बन्ध बदलैत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०३. संयुक्त आ हलुक क्रिया

नियम 'देखि लेलक', 'कहि देलक' जकाँ हलुक क्रिया काजक पूर्णता वा दृष्टिकोण बदलैत अछि । हिन्दी क्रियारूपक अनुकरणमे निरर्थक 'देलक/लेलक' नहि जोड़ ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०४. सम्भावना आ बाध्यता

नियम 'सकैत', 'पड़त', 'चाही', 'हएत' आदिक कार्य सम्भावना, कर्तव्य, अनुमान, आशा वा बाध्यताक हिसाबसँ अलग अछि । अर्थ-परीक्षा आवश्यक ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०५. नकारक मानक

नियम 'नहि' आ 'नै' दुनू मैथिली नकारक मान्य रूप अछि। लेखक अपन गद्यक एकहि स्वरमे जे रूप चुनथि, तकर एकरूपता राखथि; संवाद, पात्रभाषा, लोकगीत आ मूल उद्धरण स्वतंत्र रहत। 'ने'क पृथक अर्थ आ प्रयोगक जाँच करू।

✓ मान्य उदाहरण हम नहि जाएब अथवा हम नै जाएब।

✗ त्याज्य उदाहरण चुनल विकल्पकें स्रोत-परिवर्तन वा व्याकरणिक कारण बिना एकहि लेखकीय गद्यक भीतर मनमाना मिश्रित करब।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०६. 'ने'क अलग काम

नियम 'ने' आग्रह, पुष्टि माँगनिहार प्रश्न, बलाघात वा मुहावरामे आबि सकैत अछि; सामान्य 'नहि'क सभ स्थानपर 'ने' नहि।

✓ मान्य उदाहरण तँ अहाँ एबाक ने?

✗ त्याज्य उदाहरण ने केँ हर ठाम नहि बना देब।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०७. नकारक व्याप्ति

नियम 'ओ सभ पोथी नहि पढ़लक' आ 'ओ एकोटा पोथी नहि पढ़लक'क आशय भिन्न भऽ सकैत अछि। 'नहि' ककरा नकारैत अछि, से जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०८. निषेधवाचक आदेश

नियम 'ई काज नहि करू' जकाँ सम्बोधन आ परिस्थिति अनुसार स्पष्ट निषेध राखू; हिन्दी 'मत'क ढाँचा स्वतः नहि उतारू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१०९. प्रश्नवाक्य

नियम प्रश्नक स्वर, अपेक्षित उत्तर आ वास्तविक उद्देश्य अनुसार वाक्य रचू।

प्रत्येक अंग्रेजी सहायक क्रियाक बदला 'की' लगेनाइ जरूरी नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११०. हाँ/नहि प्रकारक प्रश्न

नियम 'अहाँ आइ आयब?' आ 'की अहाँ आइ आयब?' प्रसंगानुसार सम्भव;

प्रश्नसूचक चिह्न आ लय स्पष्ट हो।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१११. सूचनामूलक प्रश्न

नियम 'कहिया', 'कतय', 'ककरा', 'किएक', 'कोना', 'कतेक' सही अर्थ-कारकक ठाम राखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११२. आदेश, निवेदन आ परामर्श

नियम व्यक्ति आ सामाजिक दूरी अनुरूप क्रियारूप—'आउ', 'बैसू', 'देखू', 'करू' आदि—अपनाउ। आदेशक कठोरता आ अनुरोधक विनम्रता एक समान नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११३. प्रत्यक्ष आ परोक्ष कथन

नियम प्रत्यक्ष वाक्य उद्धरणचिह्नमे, परोक्ष कथन अर्थरक्षा करैत स्वाभाविक उपवाक्यमे; वक्ता आ कथावाचकक दायित्व अलग राखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११४. पूरक उपवाक्य

नियम 'ओ कहलनि जे...' जकाँ कथन, ज्ञान, विश्वास आ चाहनाक क्रियाक संग उपवाक्यक अर्थ जाँचू। अंग्रेजीक सम्बन्धसूचक अव्ययक यान्त्रिक रूपान्तर नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११५. सम्बन्धवाचक उपवाक्य

नियम 'जे...से' वा अर्थानुकूल संयुक्त वाक्य अपनाउ; लम्ब अंग्रेजीक सम्बन्धवाचक शृङ्खलाकेँ साँचे नहि उतारू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११६. कालसम्बन्धी उपवाक्य

नियम 'जखन...तखन', 'तकर बाद', 'जाबत...ताबत' अर्थानुसार; घटनाक वास्तविक क्रम सुरक्षित।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११७. शर्तवाचक उपवाक्य

नियम 'जँ...तँ' प्रतिज्ञा, परिकल्पना वा शर्त स्पष्ट करैत अछि। शर्तक अर्थकें निश्चित ऐतिहासिक तथ्य नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११८. कारणवाचक उपवाक्य

नियम 'किएक तँ', 'एहि कारणें', 'जाहिसँ' जकाँ निर्माणमे कारण, उद्देश्य आ फल अलग राखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११९. उद्देश्यवाचक सम्बन्ध

नियम 'पढ़बाक लेल', 'जाहिसँ ओ बुझि सकय' जकाँ रूप उद्देश्य बतवैत अछि। घटना-फलकें उद्देश्यक रूपमे नहि बदलू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२०. रियायत आ विरोध

नियम 'यद्यपि', 'तथापि', 'मुदा' जकाँ भेद रियायत, विरोध आ अपवाद अनुसार चुनू; सभठाम एक शब्द नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२१. वाच्य

नियम कर्ता स्पष्ट अछि तँ सकर्मक/कर्तृवाच्य प्रायः नीक; कर्मवाच्य जाँ विषय वा अज्ञात कर्ताकेँ प्रधानता दे तँ उचित। अंग्रेजी निष्क्रिय वाच्यक अन्धा अनुवाद नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२२. सूचना-क्रम

नियम ज्ञात बातसँ नव जानकारी दिस वाक्य चलय। कर्ता, कर्म, समयक स्थानमे फेरबदलसँ अर्थक जोर बदलैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२३. द्व्यर्थताक जाँच

नियम सर्वनामक सन्दर्भ, कारक, वाक्यक फाँक, नकार आ विराम पङ्क्तिऽ जाँचू ।

दुई अर्थ सम्भव आ अनिच्छित अछि तँ फेर लिखू ।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२४. समापिका क्रियाक प्रवाह

नियम लम्ब अनुच्छेदमे घटनावाचक क्रिया जेतय जरूरी, ओतय स्पष्ट रह्य ।

नामधातु आ संस्कृत भावसंज्ञाक ढेर लेखनकें जड़ बना सकैत अछि । पाँचम भाग

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

वाक्य, अनुच्छेद, प्रवाह आ स्पष्टता

१२५. मूल शब्दक्रम

नियम सामान्यतया कर्ता-पूरक-क्रियाक प्रवाह; बलाघात, संवाद आ

काव्यात्मकता अनुसार परिवर्तन मान्य । बाहरी भाषाक क्रम बिना कारण नहि ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२६. क्रियाकें सक्रिय बनाउ

नियम 'निर्णय कएल गेल'क स्थानपर, जखन कर्ता ज्ञात, 'समितिने निर्णय कएलक' अधिक स्पष्ट । प्रमाण अज्ञात अछि तँ कर्ता कल्पित नहि करू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२७. सजावटसँ पहिने उपवाक्य

नियम लम्ब विशेषण, सम्बन्धसूचक आ परसर्गक ढेर लगाएबासँ पहिने 'के की करैत अछि' साफ करू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२८. वाक्यक लम्बाइ

नियम शब्दसुधारसँ पहिने अर्थ, वाक्यक्रम आ दृश्य-क्रम जाँचू । 'देत'कें 'दैत' करब वर्तनी नहि, काल-पक्ष परिवर्तन अछि; वाक्यक छिपल अर्थ नहि बदली ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।
 X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१२९. लम्ब वाक्यक छओ परीक्षण

नियम मुख्य क्रिया, कर्ता, पूरक, आश्रित उपवाक्य, जोड़-सम्बन्ध आ सर्वनामक सन्दर्भ—छओ स्पष्ट अछि कि नहि, देखू । अस्पष्टतापर वाक्य बाँटू ।
 ✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल ।
 X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिअल गेल मुदा क्रिया नहि ।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३०. समानान्तर वाक्यरचना

नियम एकहि सूचीमे संज्ञा, क्रिया वा उपवाक्यक मिलनसार रूप राखू; पाठककें तुलना सहज हो ।
 ✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।
 X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३१. झूठ समानान्तरता

नियम भिन्न अर्थवला पद मात्र बाहरी रूप समान होएबाक कारण एक सूचीमे समकक्ष नहि बनाउ ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३२. विषय आ केन्द्रीय जोर

नियम अनुच्छेदक मुख्य विषय आ ओकर बारेमे नव कथन अलग पहचानू;

महत्त्वपूर्ण सूचना अनावश्यक गौण उपवाक्यमे नहि दबाउ ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३३. समय-स्थानक आधार

नियम दृश्य वा तर्कक शुरुआतमे आवश्यक समय-स्थान दियौ; प्रत्येक वाक्यमे उहे स्थान फेर लिखब बोझिल अछि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३४. सर्वनामक संयम

नियम नामक बारम्बार प्रयोग टारबाक लेल सर्वनाम उपयोग करू, मुदा दू सम्भावित पात्र हो तँ नाम दोहरा कऽ अस्पष्टता हटाउ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३५. सन्दर्भक स्पष्टता

नियम 'ओ' ककरा लेल, 'ई' कोन बात लेल, 'तकर बाद' कोन घटनाक बाद—हरदम सन्दर्भ निश्चित रहय।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३६. पुनरावृत्तिक कला

नियम लोकगीत, लय, चरित्र वा तर्कक बलाघात लेल पुनरावृत्ति ठीक;

सम्पादकीय गद्यमे अर्थबिना पुनरावृत्ति काटू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३७. पर्याय प्रदर्शन नहि

नियम एक पद साफ अछि तँ केवल विद्वत्ता देखेबाक लेल ओकर पर्याय पर पर्याय नहि भरू। प्रामाणिक तकनीकी पदक पुनरावृत्ति कखनो आवश्यक अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३८. वाक्य-वाक्यक जोड़

नियम 'एहि कारणेँ', 'मुदा', 'तकर बाद', 'फेर' आदि अर्थसम्बन्धक लेल प्रयोग करू; अस्पष्ट जोड़ अनावश्यक।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१३९. अनुच्छेदक एकता

नियम एक अनुच्छेदमे एक प्रधान तर्क, दृश्य वा घटनाक धुरी रहय। बिनु संकेत विषय बदललासँ नव अनुच्छेद शुरू करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४०. मुख्य कथनवला वाक्य

नियम विश्लेषणात्मक अनुच्छेदमे आरम्भ अथवा प्रसंगानुकूल ठाम प्रधान दावा स्पष्ट हो; साहित्यिक वर्णनमे ई संरचना लचीली।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४१. अनुच्छेदक प्रगति

नियम दावा, प्रमाण, व्याख्या आ परिणामक सम्बन्ध पाठककेँ क्रमसँ भेटय। उहे वाक्य नव शब्दमे फेर नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४२. संक्रमण

नियम 'पहिने', 'दोसर', 'एहि विपरीत', 'तकर बाद' जकाँ संक्रमण अर्थक वास्तविक मोड़ देखाबय, मात्र सजावट नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४३. अनावश्यक दोहराव

नियम एकहि बात दूसरीन शब्दसमूहमे दोहराओल हो तँ सभसँ स्पष्ट रूप बचाउ, जँ पुनरावृत्ति शिल्पगत नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४४. दफ्तरिया भरावट

नियम 'एहि तथ्यक आलोकमे ई कहब आवश्यक अछि, जे' जकाँ लम्ब प्रस्तावना बदला सीधा दावा लिखू, जँ सन्दर्भ अनुमति दैत हो।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४५. कर्तृवाच्य आ कर्मवाच्य

नियम कर्ताक दायित्व महत्त्वपूर्ण अछि, तँ कर्ता सोझाँ आनू; कर्ता अज्ञात वा गौण अछि, तँ कर्मवाच्य रखल जा सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४६. भावसंज्ञाक अतिरेक

नियम 'क्रियान्वयनक सम्पन्नता' जकाँ रूपक अपेक्षा 'काज पूरा भेल' प्रायः सहज। शास्त्रीय विवेचनक आवश्यक संज्ञा अवश्य सुरक्षित।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४७. कोष्ठकक बोझ

नियम एके वाक्यमे अनेक कोष्ठक, तिर्यकरेखा आ टिप्पणीक बदला स्पष्टीकरण अलग वाक्यमे दियौ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४८. उदाहरण

नियम उदाहरण वास्तविक नियम देखाबय; मनगढ़न्त ऐतिहासिक तथ्य वा पात्रक कथन उदाहरणक नामपर नहि जोड़ू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१४९. परिभाषा

नियम शब्दकोश वा शास्त्रीय लेखनमे वर्ग, विभेदक लक्षण आ उपयोग-सीमा सहित परिभाषा दियौ। एक पर्याय शब्द पूर्ण परिभाषा नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५०. विरोधी उदाहरणसँ शिक्षा

नियम सही-गलत जोड़ी दैत समय अर्थक भेद स्पष्ट करू; जँ दूनू रूप अलग प्रसंगमे मान्य, तखन 'अनुपयुक्त प्रसंग' लिखू, सार्वत्रिक निषेध नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५१. अनेकार्थताक समाधान

नियम एकहि शब्दक दू सम्भव अर्थ हो तँ प्रसंग, कारक आ सहप्रयोगसँ मनचाहा अर्थ स्पष्ट करू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५२. स्वाभाविक लय

नियम पूरा वाक्य उच्चारित करिकऽ देखू—केवल शब्द सही अछि, कि मैथिली जकाँ बजैत अछि? अस्पष्ट लागय तँ फेर रचू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५३. संक्षिप्तताक परीक्षा

नियम जे शब्द हटेलासँ आशय, लय अथवा प्रमाण नहि घटैत अछि, ओकरा हटेबाक विचार करू; साहित्यिक स्वरक विशेष पुनरावृत्ति नहि काटू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५४. भाषिक स्तरक स्थिरता

नियम शोधगद्यक औपचारिकता आ पात्रक बोली बिनु उद्देश्य बीचमे नहि बदलय।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५५. सामाजिक सम्बन्धक निरन्तरता

नियम उमिर, सम्बन्ध, दूरी आ सम्मान अनुसार सम्बोधन बदलैत अछि; कथा बीचमे परिवर्तन भेलासँ कारण पाठमे स्पष्ट हो।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५६. कालक निरन्तरता

नियम मुख्य वर्णनक काल एकरूप राखू, स्मृति अथवा पूर्वघटना शुरू भेलापर संक्रमण चिह्नित करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५७. पक्षक निरन्तरता

नियम आवृत्तिपरक घटना आ एकरागी सम्पन्न घटना मिश्रित भेलासँ पाठक भ्रमित भऽ सकैत अछि; 'दैत/देलक/देत'क भेद देखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५८. शब्दरूपक निरन्तरता

नियम एकहि अर्थमे स्वीकृत एक रूप अपनाउ; क्षेत्रीय पात्रक अलग रूप उद्धरणसहित सम्भव।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१५९. वर्तनीक निरन्तरता

नियम मात्रा, चन्द्रबिन्दु, संयुक्ताक्षर, 'ड/ढ' आ विरामचिह्न समूचा पाण्डुलिपिमे जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६०. विरामचिह्नक व्याकरणिक भूमिका

नियम विराम अर्थक सम्बन्ध स्पष्ट करबाक लेल हो, सजावट लेल नहि; भ्रामक वाक्य केवल अल्पविराम जोड़ि ठीक नहि होइत। छठम भाग

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

शब्दार्थ, सहप्रयोग आ भाषा-सम्पर्क

१६१. शब्दार्थ एक पर्याय नहि

नियम शब्दक अर्थ प्रसंग, प्रयोग, मुहावरा आ सामाजिक स्थितिसँ खुलैत अछि।

कोशक पहिल पर्याय लऽ प्रत्येक सन्दर्भमे नहि लगाउ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६२. शब्द + व्याकरण + प्रसंग

नियम 'कियो'क अर्थ अकेले देखलासँ ओकर कर्ता-कारक बुझल नहि जाए;

व्याकरण आ वाक्यक प्रसंग संग देखू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६३. अर्थगत भूमिका

नियम कर्ता, भोगकर्ता, प्राप्तकर्ता, साधन, स्रोत, लक्ष्य, स्थान आ अधिकार-सम्बन्ध अलग चिन्हू; कारक-सम्पादन एहि आधारपर हो।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६४. शब्दसहप्रयोग

नियम 'गप करब', 'पानि खसब', 'सोझाँ ठाढ़', 'निर्णय लेब' जकाँ प्रामाणिक सहप्रयोग जाँचू। शब्द पृथक् रूपेँ सही भऽ कऽ सेहो संगतिहीन भऽ सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६५. पर्यायवाची शब्द

नियम 'काज' आ 'काम' हर प्रसंगमे एके रङ्ग नहि; अर्थ, क्षेत्र, व्यक्तिस्वर आ स्वीकृत प्राथमिकता मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६६. विलोम

नियम कथित विलोम वास्तविक अर्थ-क्षेत्रक हो; सामान्य 'अभाव' सदिखन शब्दकोशीय विलोम नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६७. अनेकार्थक शब्द

नियम एक रूपक अनेक सम्बन्धित अर्थ एके प्रविष्टिमे उपार्थक क्रमसँ दिअ;
प्रत्येक अर्थक स्वतन्त्र उदाहरण राखू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६८. समरूप भिन्नार्थक शब्द

नियम उच्चारण वा वर्तनी समान मुदा अर्थ-इतिहास अलग हो तँ कोशमे अलग पहिचानपर विचार करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१६९. मुहावरा

नियम मुहावराक अर्थ तकर अङ्गसभक शब्दार्थ जोड़ि नहि निकलैत;

सन्दर्भसहित प्रयोग आ सामाजिक भाव राखू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७०. लोकोक्ति

नियम लोकोक्तिक पाँति, अर्थ, अवसर आ क्षेत्रीय रूप जाँचि लिखू; लोककथ्यकँ वैज्ञानिक सत्यक रूप नहि देल जाए।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७१. शब्द-निर्माण

नियम उपसर्ग, प्रत्यय, संयोग आ तद्भव परिवर्तनसँ बनल रूपक अर्थ सहज अछि, कि नहि, देखू; अनावश्यक नव संस्कृतनिष्ठ शब्द नहि गढ़ू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७२. नव पारिभाषिक शब्द

नियम पहिने स्थापित मैथिली कोश आ विषयगत व्यवहार देखू; आवश्यक भेलासँ अर्थ स्पष्ट करऽवला पद बनाउ; उच्चारण, रूप-निर्माण आ अर्थ-संघर्ष जाँचि स्थिर रूप अपनाउ ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७३. आगन्तुक शब्द

नियम उधार लेल शब्द मैथिली व्याकरणमे स्वाभाविक भऽ गेल तँ केवल उद्गम देखिकऽ नहि निकालू; अर्थसटीकता प्राथमिक ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७४. रोमन नामक प्रथम उल्लेख

नियम वैज्ञानिक वा ऐतिहासिक पहचान लेल मूल रोमन रूप पहिल बेर कोष्टकमे राखल जा सकैत अछि; बाकी सामान्य गद्य मैथिली लिपिमे ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७५. मिश्रभाषी वाक्य

नियम कथाक पात्र वा सन्दर्भमे अर्थपूर्ण भाषामिश्रण सम्भव; नव मानक सम्पादकीय गद्यमे आवश्यकता बिना भाषा-बदलाव नहि ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७६. हिन्दीक चारि प्रकारक प्रभाव

नियम असंगत शब्द, हिन्दी कारक/वाक्य-क्रम, हिन्दी क्रियारचना आ हिन्दी मुहावराक नकल अलग-अलग पहचान; केवल शब्द बदलल पर्याप्त नहि ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७७. अंग्रेजीक चारि प्रकारक प्रभाव

नियम अनावश्यक उधार शब्द, शब्दशः मुहावरा, निष्क्रिय क्रियाक ढेर आ लम्ब सम्बन्धवाचक ढाँचा देखू; प्राकृतिक मैथिली वाक्य फेर बनाउ ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७८. अतिसंस्कृतीकरण

नियम सामान्य अनुभव व्यक्त करबाक लेल दुरूह तत्सम पदक प्रयोग भाषा-शुद्धि नहि; सुबोध मैथिली प्रधान ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१७९. साझा तत्सम शब्द

नियम जँ संस्कृतसँ आयल पद मैथिलीमे स्थापित अछि आ अर्थसटीक अछि, तँ निषिद्ध नहि; समस्या उपयोगक बनावटमे अछि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८०. मिथिलाक सांस्कृतिक शब्द

नियम पावनि, भोजन, पहनावा, लोककला, जल-भूमि आ जातीय व्यवसायसँ जुड़ल विशिष्ट शब्दक अलग अर्थ बचाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८१. क्षेत्रीय रूपक मान्यता

नियम दरभंगा, मधुबनी, जनकपुर, अङ्ग-सीमा वा बज्जिका-समीपक बोलीक रूप स्रोत-निष्ठा सहित दर्ज करू; बिना प्रसंग सामान्य मानक नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८२. पुरान शब्द

नियम इतिहास, लोकगीत आ प्राचीन कृतिमे पुरान शब्द मूल रूपमे रह्य; आजुक शोधगद्यमे आवश्यक भेलासँ अर्थ-टिप्पणी दियौ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८३. औपचारिक आ बोलचालक दूरी

नियम 'नहि' आ 'नै', सम्मानसूचक आ स्थानीय वाक्यलय पात्र-सन्दर्भ अनुसार; स्वर-बदलाव सचेत हो।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८४. हिन्दी-प्रभाव जाँचबाक शब्दसूची

नियम सामान्य नव गद्यमे 'पानि', 'केवाड़ी', 'ओसारा', 'अएना', 'चाह', 'कोठली', 'आइ', 'एखन', 'मुदा', 'कोना', 'सोझाँ', 'घुरब' आदि अर्थानुकूल जाँचू। शीर्षक, उद्धरण आ पात्रक बोलीमे पुरान मूल रूप सुरक्षित रखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८५. अन्ध प्रतिस्थापनसँ बचाव

नियम 'काम'क सभ प्रयोग 'काज' नहि; 'डाँट' वनस्पतिक डाँट हो सकैत अछि, फटकारक अर्थमे 'झार' उचित। अर्थ देखिकऽ बदलू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८६. अनिवार्य शब्दसुधारक मूल समूह

नियम नव सामान्य विदेह गद्यमे 'पानि', 'इनार', 'हेरायल', 'औंठा', 'तरहड़ि', 'बिलायल', 'बिसरल', 'केवाड़ी', 'ओसारा', 'अएना', 'पित्तरि', 'चाह', 'कोठली', 'बेरावेरी' स्वीकृत रूप अछि। सम्बन्धित अर्थ नहि हो तँ अन्ध-प्रतिस्थापन नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८७. 'काज'

नियम सामान्य मानक लेखनमे कार्यक अर्थ लेल 'काज' प्राथमिक; पेशा, वैज्ञानिक पारिभाषा वा स्रोत-रूपमे 'काम'को अलग प्रसंग सम्भव।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८८. 'माथ'

नियम शरीरक सिर आ किछु स्थापित मुहावराक सन्दर्भमे 'माथ' प्राथमिक; अन्य अर्थक 'शीर्ष' जकाँ शास्त्रीय पदकेँ आवश्यकतापर राखू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१८९. 'सोझाँ'

नियम 'ओ हमर सोझाँ ठाढ़ अछि' स्वाभाविक; 'सामने' सामान्य नव गद्यमे बदलू, मुदा उद्धरण नहि फेरू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१९०. 'छूलनि'

नियम 'छूलनि' सम्मानित व्यक्तिक क्रियाक प्रसंगमे स्वीकृत प्रयोग अछि; तथापि क्रियारूप कर्ता, कर्म, आदर आ स्थानीय व्याकरणक संगहि चुनू। एकटा रूपकें सभ पुरुषपर समान रूपसँ लागू नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१९१. 'डाँट' आ 'झार'

नियम 'डाँट'क एक अर्थ वनस्पतिक डाँट/डंठल अछि; डाँटब वा झिड़की देबक अर्थमे 'झार' मानक शब्द। ध्वन्यात्मक 'ड' आ नुक्तायुक्त 'ड़'कें केवल देखावटी बदलावक कारण नहि मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११२. अन्हारक खसबाक रचना

नियम 'साँझक समय अन्हार खसय लागल' आरम्भवाचक; 'अन्हार खसबाक कारण' संज्ञार्थक। 'अन्हार खसबाक लगल' नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११३. 'टूटल भीतक'

नियम 'टूटल भीतक...' जकाँ सम्बन्ध-प्रयोगमे 'भीत'क अर्थ देबाल/भीत। बिनु प्रमाण ओकरा 'दीवार'क हिन्दी रूपसँ नहि बदलू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११४. 'बेराबेरी'

नियम पालापाली वा एक-एक बेर क्रमसँ होएबक अर्थमे 'बेराबेरी' प्राथमिक; हिन्दी 'बारी-बारी' नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११५. 'आइ', 'एखन', 'आब'

नियम 'आइ' दिनविशेष; 'एखन' एहि घड़ी; 'आब' बदलल वर्तमान स्थिति वा आगाँक अवस्था। तीनूकें एक 'अब' नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११६. 'कोना', 'किएक', 'कतेक'

नियम क्रमशः रीति, कारण आ परिमाणक प्रश्न अछि। 'कैसे', 'क्यों', 'कितना'कें यथावत् नहि रखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

११७. 'मुदा'क सही अर्थ

नियम वास्तविक विरोध वा दिशा-बदलाव हो तखन 'मुदा'; जँ कारणक सम्बन्ध अछि तँ 'एहि कारणें' जकाँ पद नीक।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१९८. 'फेर'

नियम 'फेर' पुनरावृत्ति, अगिला क्रम वा स्मृतिक प्रतिगमन देखाबि सकैत अछि। प्रसंगक कालक्रम नष्ट नहि करैत प्रयोग करू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

१९९. 'गप'

नियम बातचीत, कथन आ किछु समाचार-सन्दर्भमे 'गप' स्वाभाविक; प्रत्येक 'बात'केँ एके अर्थमे नहि बदलू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२००. 'पोथी'

नियम पुस्तकक साधारण जियन्त मैथिली रूप 'पोथी' अछि। आधिकारिक ग्रन्थ-शीर्षक आ पारिभाषिक अर्थमे मूल रूपक सम्मान राखू। सातम भाग

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

विधा-अनुसार लेखन

२०१. विधा अनुसार नियमक प्रयोग

नियम कथा, कविता, शोध, बालसाहित्य, समाचार, शब्दकोश आ अनुवादक आवश्यकता अलग अछि। साधारण प्राथमिकता विधाक मूल उद्देश्यकेँ नष्ट नहि करय।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०२. उपन्यास आ कथात्मक गद्य

नियम दृश्य, पात्र, समय, प्रसंग आ कथनस्वर जतेक आवश्यक ततेक दियौ; पाठकक अनुभव निबन्धक सारमे नहि बदलू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०३. कथाक घटनाक्रिया

नियम 'गेल', 'बैसल', 'खोललक', 'देखलक', 'कहलक' जकाँ क्रियासँ घटनाक गति स्पष्ट हो; दफ्तरिया भावसंज्ञा कम राखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०४. दृश्यक आधार

नियम ककरा, कतय, कहिया, ककर दृष्टिसँ दृश्य देखाओल जा रहल अछि—
मुख्य सूचना पर्याप्त रूपेँ राखू; अनावश्यक भूगोल नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०५. वर्णन

नियम इन्द्रिय, वस्तु, क्रिया आ अनुभवक ठोस सूक्ष्मता सामान्य विशेषणसँ अधिक उपयोगी अछि। मनगढन्त भौगोलिक तथ्य नहि जोड़ू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०६. दृष्टिकोण

नियम प्रथम पुरुष, तृतीय पुरुष, स्मृति आ सर्वज्ञ कथनक ज्ञान-सीमा स्पष्ट; पात्र जे नहि जनैत अछि ओकर निश्चित जानकारी ओकर मुँहमे नहि दियौ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सब विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०७. कथाक समय

नियम वर्तमान, स्मृति, पूर्वकथा आ आशंकित भविष्यक भेद वाक्यक कालसँ स्पष्ट कराउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०८. भाषासँ चरित्रचित्रण

नियम पात्रक सामाजिक अनुभव, पेशा, पीढ़ी आ सम्बन्ध संवादमे झलकि सकैत अछि; पात्रक बोलीकँ कथावाचकक सम्पादकीय रूपमे चुपचाप नहि बदलू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२०९. संवाद

नियम व्यक्ति-उपयुक्त सम्बोधन, विराम, उत्तरक लय आ वास्तविक सामाजिक सम्बन्ध बचाउ; संवादमे अनावश्यक व्याख्यान नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१०. संवादक विराम

नियम बोलनिहार बदललापर नव अनुच्छेद; कथन, क्रिया आ उद्धरणक सीमा स्पष्ट। एक पद्धति पूरे पोथीमे।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।
 ✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२११. बोलचालक शब्द

नियम 'नै', 'छै', स्थानीय क्रिया आ ध्वनि चरित्रक वाणीमे प्रमाणसहित सम्भव; नव शोधगद्यक मानक ओकर आधारपर अपने-आप नहि बदलैत ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१२. कथामे भाषामिश्रण

नियम पात्र जखन सचमुच अन्य भाषा बजैत अछि, तखन ओकर सामाजिक प्रयोजन देखू । केवल आधुनिकता देखेबाक लेल अंग्रेजी पदक भरमार नहि ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण सब विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१३. बालसाहित्य

नियम सान वाक्य, पहिचानयोग्य वस्तु, सहज क्रिया, स्पष्ट सर्वनाम आ प्रेमपूर्ण कथन; अर्थक जटिलता उमिर अनुकूल हो ।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१४. आरम्भिक पाठ

नियम प्राथमिक पाठक लेल एक चरणपर एक जानकारी, परिचित ध्वनि आ देवनागरीक साफ बनावट। कठिन पारिभाषिक शब्दक पहिने स्पष्टीकरण।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१५. किशोर पाठक लेल

नियम विषय जटिल हो सकैत अछि, मुदा वाक्य स्वाभाविक आ उदाहरण जीवनसापेक्ष हो; उपदेशक अतिरेक नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१६. निबन्ध

नियम एक प्रधान विषय, क्रमबद्ध तर्क, स्पष्ट अनुच्छेद आ उपयुक्त उदाहरण; वक्तव्यक बल प्रमाणसँ बनय।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१७. वैयक्तिक निबन्ध

नियम व्यक्तिगत अनुभवक स्वर स्वाभाविक रखू; स्मृति आ सत्यापित बाह्य घटना भिन्न चिन्हू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१८. वर्णनात्मक निबन्ध

नियम वस्तु/स्थानक सम्बन्ध, रचना आ परिवर्तन देखाउ; केवल विशेषणक सूची नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१९. तर्कप्रधान निबन्ध

नियम दावा, पक्ष, प्रतिपक्ष, साक्ष्य आ निष्कर्ष अलग हो; विरोधी मतकें विकृत रूपमे नहि रखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२०. शोधगद्य

नियम परिभाषा, स्रोत, प्रमाण, उद्धरण, पृष्ठ-संकेत आ तर्कक सीमा स्पष्ट ।

अनिश्चयकें निश्चित तथ्यक रूपमे नहि लिखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२१. दर्शनक लेखन

नियम प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय, निगमन अथवा सम्बन्धित शास्त्रीय

अवयव ठीक अर्थमे; पूर्वपक्ष आ सिद्धान्त मिलाउ नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२२. साहित्यिक समीक्षा

नियम रचनाक मूल पाठ, दृश्य, पात्र, शिल्प, भाषा आ विचारक साक्ष्यसहित आलोचना करू । सार-कथनकें समीक्षा समझि नहि लिअ ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२३. भाषावैज्ञानिक लेखन

नियम ध्वनि, लिपि, रूप, वाक्यरचना, अर्थ आ प्रयोग-विज्ञान अलग परिभाषित करू; उदाहरण प्रमाणसहित ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२४. पत्रकारिता

नियम कोन घटना कहिया, कतय, ककर संग, कोन स्रोतसँ—साफ लिखू; टिप्पणी आ समाचार अलग राखू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२५. प्रतिवेदन

नियम वस्तुगत क्रम, प्रयुक्त स्रोत, परिणाम, सीमा आ आवश्यक अनुशंसा अलग खण्डमे । दृश्य-अनुमानकें प्रत्यक्ष प्रमाण नहि कहल जाए ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२६. पत्र आ ई-पत्र

नियम सम्बोधन, विषय, प्रसंग, अनुरोध आ समापन स्पष्ट । सामाजिक सम्मानसँ मेल खाइत क्रिया ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२७. आवेदन आ प्रशासनिक लेखन

नियम सरल औपचारिक मैथिली, आवश्यक तथ्य, तारीख आ स्पष्ट अपेक्षित कार्रवाई। दफ्तरिया हिन्दी अनुवादक अतिरिक्त नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२८. कार्यविधि-निर्देश

नियम क्रम स्पष्ट, प्रत्येक चरण क्रियारूपमे, सुरक्षा वा पूर्वशर्त आवश्यक ठाम पहिने। एक चरणमे अनावश्यक अनेक काम नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२२९. वेब आ ई-पत्रिकाक गद्य

नियम साफ उपशीर्षक, छोट अनुच्छेद, सुबोध लिंक-पाठ आ खोज-सुलभ युनिकोड। मोबाइल-पठन, गन्तव्य-लिंक आ लिपिक जाँच आवश्यक।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३०. चित्रशीर्षक

नियम चित्रमे जे देखाइत अछि से स्पष्ट आ संक्षेपमे लिखू; अज्ञात व्यक्ति, स्थान वा तारीख कल्पित नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३१. सुलभता-विवरण

नियम चित्र अथवा आकृतिक मर्म दृश्य नहि देखि सकनिहार पाठक लेल दियौ; 'सुन्दर फोटो' जकाँ निरर्थक वर्णन नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३२. कविता

नियम लय, बिम्ब, ध्वनि आ काव्यवाचकक स्वभाव मूल मानक; पद-विभाजन नष्ट करैत गद्यवत् शुद्धि नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३३. गजल-परम्पराक रचना

नियम रदीफ, काफिया, बहर आ शेरक अन्तर्सम्बन्ध बचाउ। वर्तनी-नियमक कारण छन्द टूटैत हो तँ सम्पादकीय टिप्पणीसहित विशेष निर्णय करू। शीर्षकमे नुक्तायुक्त 'ग' नहि लिखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३४. कविताक शीर्षक

नियम रचनाकारक प्रमाणित शीर्षक जकाँ अछि तहिना; बिना अनुमति शैली बदलि रचनाक पहचान नहि फेरू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३५. नाटक

नियम संवाद, पात्रनाम, रङ्गनिर्देश, दृश्य-विभाजन आ मंचक्रिया अलग रूपेँ स्पष्ट; पात्रक वाणीकेँ मानक शोधभाषामे नहि मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३६. अनुवादक विधागत ईमानदारी

नियम मूलक कथ्य, भाव, समय, सामाजिक सम्बन्ध, लय आ तथ्य बचाउ;

मैथिली व्याकरणमे फेर रचू, नहि तँ शब्दशः अनुवाद बनत।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३७. शब्दकोश-निर्माण

नियम मुख्य शब्द, उच्चारण, शब्दभेद, अर्थ, उदाहरण, क्षेत्र/विधा आ स्रोत अलग-अलग । अनिश्चित अर्थकेँ अनिवार्य मानक नहि घोषित करू ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३८. पर्याय-संग्रह

नियम पर्यायक अर्थसूक्ष्मता, मानवीय उपयोग, विधा आ सहप्रयोग बताउ; एक सूचीमे सभकेँ परस्पर बदलनीय नहि कहू ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२३९. अर्थ-संजाल

नियम ऊपरक वर्ग, नीचाँक जाति, अवयव-समष्टि, पर्याय आ विलोमक सम्बन्ध अलग रख; ज्ञान-संजालक प्रत्येक सम्बन्ध जाँचयोग्य हो । आठम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

अनुवाद, शब्दकोश आ पारिभाषिक शब्द

२४०. अनुवादक प्राथमिक सिद्धान्त

नियम अनुवादक पहिल कसौटी आशय अछि, दोसर मूल कथनक भाव आ प्रमाण-सीमा, तेसर प्राकृतिक मैथिली वाक्यरचना। हिन्दी वा अंग्रेजीक प्रत्येक शब्दक अलग-अलग मैथिली पर्याय खोजब पर्याप्त नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४१. अनुवादक सोलह चरण

नियम पूरा मूल पाठ पढ़; विधा-पाठक बुझू; घटना आ सहभागी चिन्हू; कारक जाँचू; काल-पक्ष-भाव देखू; सम्मान चुनू; मैथिली उपवाक्य बनाउ; सर्वनाम आ क्रिया ठीक करू; मुहावरा अर्थानुसार राखू; तकनीकी पद जाँचू; नाम-आँकड़ा सुरक्षित राखू; जोरसँ पढ़ू; मूलसँ मिलान करू; वर्तनी जाँचू; उद्धरण सुधारू; अनावश्यक जोड़-घटाव हटाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४२. अनुवादक सम्पूर्णता

नियम मूलक प्रत्येक अनुच्छेद, संख्या, शर्त, नकार, नाम आ भिन्न विचार अन्तिम पाठमे आयल अछि, कि नहि, पाँति-दर-पाँति जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४३. मनगढ़न्त सामग्री निषिद्ध

नियम मूलसँ अनुपस्थित दृश्य, अर्थ, तारीख, पात्र, कारण वा उद्धरण जोड़ू नहि ।

स्पष्ट व्याख्याक जरूरत हो तँ मूल अनुवादसँ अलग सम्पादकीय टिप्पणी ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४४. मुहावराक अनुवाद

नियम मूल मुहावराक कार्य आ भाव खोजू; मैथिलीमे समान कार्य करऽवला स्वाभाविक मुहावरा चुनू । शब्दानुवाद अटपटा भेलासँ सरल व्याख्या ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४५. सांस्कृतिक पद

नियम मखान, पाग, अरिपन, समा-चकेबा जकाँ शब्दक सांस्कृतिक अर्थकें एक सामान्य अनुवादमे नहि समेटू; आवश्यक परिचय दियौ ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४६. तकनीकी शब्द

नियम शास्त्र, विज्ञान आ पेशाक स्थापित मैथिली पद पहिले देखू। समान पद समूचा अनुवादमे एक रूपमे राखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४७. व्यक्तिनाम आ स्थलनाम

नियम आधिकारिक वर्तनी, पहिचान आ ऐतिहासिक नाम सुरक्षित; ध्वन्यात्मक रूपान्तरणसँ दोसर व्यक्ति वा स्थानक भ्रान्ति नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४८. संख्या आ परिमाण

नियम गणना, दर, माप, कालावधि आ मुद्रा ठीक मिलाउ। अङ्क-लिपि बदलैत मूल संख्याक मान नहि बदलय।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२४९. मूल उद्धरण आ सन्दर्भ

नियम मूल स्रोत, उद्धरणक सीमा, पृष्ठ वा अनुच्छेद-संकेत सुरक्षित; अपन गद्य आ उद्धृत पाठ अलग।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५०. पादटिप्पणी

नियम अर्थ, पाठभेद वा इतिहासक आवश्यक स्पष्टीकरण पादटिप्पणीमे; मुख्य लेखनमे अतिभार नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५१. व्याकरण-संवेदनशील अनुवाद

नियम 'कियो/ककरो/कोनो', 'देत/दैत', 'ओही/वएह', 'घुर-/आपस' आ 'छथि/अछि'क भेद मूल अर्थसँ मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५२. उलटा-अनुवाद परीक्षण

नियम कठिन वाक्यक आशय फेर मूल भाषामे सोचिकऽ देखू—नकार, कारक, मात्रा वा सम्मान बदलल तँ सुधारू। ई सहायक जाँच अछि, अन्तिम प्रमाण मूल पाठ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५३. शब्दकोशीय प्रविष्टिक अङ्ग

नियम मुख्य शब्द, अर्थ-क्रम, उच्चारण, शब्दभेद, व्याकरणिक रूप, प्रयोग-क्षेत्र, उदाहरण, स्रोत, सम्बन्धित शब्द आ सन्देह-स्थिति क्रमशः दियौ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५४. अर्थ-क्रमाङ्कन

नियम भिन्न प्रामाणिक अर्थ अलग क्रमांकमे; एक अर्थक केवल रूपभेद नव अर्थ नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५५. परिभाषाक शैली

नियम परिभाषा गोल-गोल नहि घुमय; शब्दकेँ उहे शब्दसँ नहि बुझाउ; वर्ग आ विशिष्ट लक्षण स्पष्ट।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५६. शब्दभेदक संकेत

नियम संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, अव्यय आदिक सुसंगत नाम/चिह्न राखू।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५७. परस्पर सन्दर्भ

नियम समानार्थी, निकटार्थी आ रूपान्तरित प्रविष्टि आपसमे सही जुड़य; अन्तहीन वृत्ताकार सन्दर्भ नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५८. नामक प्रविष्टि

नियम व्यक्तिनाम, स्थलनाम वा कृतिक नाम सामान्य शब्दक अर्थसँ अलग श्रेणीमे प्रमाणसहित राखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२५९. प्रयोग-स्तरक चिह्न

नियम मानक, बोलचाल, पुरान, लोक, क्षेत्रीय, शास्त्रीय, अशिष्ट, सम्मानसूचक आदि चिह्न बिना पक्षपात सही प्रसंगमे।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६०. पर्यायक नियन्त्रण

नियम दू शब्दक सभ अर्थ मिलैत अछि कि केवल एक अर्थ? उदाहरणसहित बताउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६१. विलोमक नियन्त्रण

नियम विलोम वस्तुतः अर्थक कोन बिन्दुपर विरोधी अछि, स्पष्ट करू; 'नहि' लगाइ देब विलोम-संबन्धक प्रमाण नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६२. व्यापक आ विशिष्ट अर्थ

नियम 'धान' आ धानक विशिष्ट जाति जकाँ वर्ग-उपवर्ग सम्बन्ध स्पष्ट; जातिक नामकें सर्वसाधारण पर्याय नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६३. अवयव आ समष्टि

नियम 'पन्ना' पोथीक अवयव, मुदा पोथीक पर्याय नहि। एहन सम्बन्ध अलग चिह्नित करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६४. व्युत्पन्न रूप

नियम धातु, प्रत्यय आ बनल शब्दक सम्बन्ध स्रोतसहित दियौ; अनुमानित व्युत्पत्ति प्रमाणित इतिहास नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६५. विषय-क्षेत्र

नियम खेती, हस्तशिल्प, भोजन, दर्शन, नाटक आदि क्षेत्रक शब्दक अर्थ ताहि विशिष्ट प्रयोगमे स्थापित करू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सब विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६६. सन्दिग्ध प्रविष्टि

नियम पठन, उच्चारण वा अर्थ अनिश्चित हो तँ 'पुनर्जाँच' लिखू। मनगढ़न्त निश्चित अर्थ देब वर्जित।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६७. शब्दकोशक साक्ष्य बनाम मानक

नियम शब्दकोशमे रूप भेटब ओहि रूपक ऐतिहासिक उपलब्धि अछि; विदेहक नव गद्यक स्वीकृति अलग सम्पादकीय निर्णय।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६८. पर्याय-कोशक पद्धति

नियम मुख्य अर्थक अन्तर्गत निकटार्थी शब्द राखू; प्रत्येकक व्यवहारिक सीमा दर्शाउ ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२६९. शब्दार्थ-संजालक पद्धति

नियम पर्याय, विपरीत, अवयव, जाति, व्युत्पत्ति आ विषय-क्षेत्रक सम्बन्ध फराक राखू; संजालक कड़ी सत्यापित हो ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७०. पारिभाषिक पद बनबितय आठ चरण

नियम पुरान कोश देखू; विषयगत प्रचलन जाँचू; संकल्पनाक सीमा निर्धारित करू; पारदर्शी रूप चुनू; उच्चारण परखू; अर्थ-टकराव टारू; प्रथम प्रयोगमे परिभाषा दियौ; परियोजनाक शब्द-सूचीमे रूप दर्ज करू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७१. उधार तकनीकी पद

नियम जाँ सटीक स्वदेशी पद नहि उपलब्ध तँ प्रचलित तकनीकी पदक अर्थ-परिभाषा सहित प्रयोग उचित; अकारण शब्दसृजन नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७२. लिप्यन्तरण

नियम नाम आ ध्वनिक लिप्यन्तरण स्वीकृत तालिका अनुसार; लिप्यन्तरणकें अर्थानुवाद नहि बुझू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७३. देवनागरी आ तिरहुताक रूपान्तरण

नियम दूनू लिपिक मूल अक्षर-ध्वनि सम्बन्धक जाँच करू; केवल फॉन्ट बदलि देनाइ लिप्यन्तरण नहि । मात्रा, संयुक्ताक्षर आ अङ्कक साक्ष्य राखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र तिरहुता / देवनागरी / डिजिटल रूपान्तरण

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७४. पाठ-संग्रहक साक्ष्य

नियम विभिन्न विधा, काल आ क्षेत्रक संतुलन देखिकऽ संग्रहक निष्कर्ष निकालू;

अत्यधिक एकले लेखकक आवृत्तिक आधारपर सार्वत्रिक नियम नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७५. कच्चा आ सामान्यीकृत पाठ

नियम मूल पाण्डुलिपि आ संशोधित शोध-पाठ अलग सुरक्षित राखू। प्रत्येक सामान्यीकरणक हिसाब मिलबाक चाही। नवम भाग

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

विशेषज्ञ लोक-शब्दावली

२७६. विशेषज्ञ शब्दक सामान्य नियम

नियम जे क्षेत्रक शब्द, ओहि क्षेत्रक प्रमाणसँ परिभाषित; सामान्य हिन्दी पर्यायसँ ओकर तकनीकी अर्थ मेटू नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७७. व्यवसाय आ शिल्प

नियम जाल, ताना, भरनी, खट्टा, औजार, बुनाइ, कुम्हारि-काज आदि पद स्थानीय
काजक क्रिया देखिकऽ बुझू; अनुमानसँ विवरण नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७८. पेशागत समुदायप्रति सम्मान

नियम समुदाय-नाम आ पेशाक विवरण सटीक, गैर-अपमानजनक आ
ऐतिहासिक प्रसंगसहित । पुरान स्रोतक पूर्वाग्रह सम्पादकीय सत्य नहि ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२७९. लोकजीवनक शब्द

नियम पर्व, विधि, लोकविश्वास, गीत, गामक संस्थान आ सम्बन्धक शब्द अपन
सामाजिक अर्थ सहित राखू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८०. लोकवाणी आ सम्पादकीय वाणी

नियम लोकगीत वा पात्रक विशिष्ट बोलचाल मूल रूपमे; सम्पादकक गद्य स्थिर मानकमे।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८१. लोकोक्ति आ अनुष्ठानिक पाठ

नियम मूल पाँति, आवृत्ति, तुक आ प्रसंग सुरक्षित; भिन्न संस्करणक पाठभेद दर्ज करू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८२. परिधान आ आभूषण

नियम वस्त्रक बनावट, पहिरबाक रीति, पदार्थ, उपकरण आ अवसर अलग अर्थ; एक सामान्य 'कपड़ा' शब्दसँ विशिष्टता नहि मेदू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८३. ऐतिहासिक वेशभूषा

नियम पुरान परिधानक नामकँ आजुक फैशनक नामसँ अनायास नहि बदलू; कालपरक साक्ष्य जरूरी।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८४. भोजनक शब्दावली

नियम मखान, चूडा, दालि, तेल, मछरी, मसाला, बर्तन आ पाकविधिक प्रामाणिक स्थानीय नाम राखू; समान वस्तु मानि अलग खाद्यपद नहि मिलाउ ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८५. पाकविधि लिखबाक क्रम

नियम सामग्री, मात्रासभ, तैयारी, अग्नि/समय, पाकक चरण आ परोसबाक अवस्था साफ क्रममे । अनुमानित माप तथ्य बनाकऽ नहि लिखू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८६. लोकचिकित्सा आ चिकित्सकीय तथ्य

नियम लोकविश्वासक वर्णन आ चिकित्सकीय प्रभावक वैज्ञानिक दावा अलग राखू; स्वास्थ्य सम्बन्धी अप्रमाणित नुस्खाकें सत्यापित इलाज नहि कहू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८७. नातेदारीक पद

नियम माय, बाबू, मामा, मामी, काका, भौजी आदि शब्द सटीक सम्बन्ध, सामाजिक सन्दर्भ आ सम्मानक अनुसार ।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८८. खेती आ भू-दृश्य

नियम खेत, बान्ह, धार, मोइन, निकास, बीज, फसिल आ ऋतुक भेद बुझू; अलग भौगोलिक वस्तुकेँ एक सामान्य पदमे नहि समेटू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२८९. धर्म आ अनुष्ठान

नियम मूल स्रोतक मन्त्र, पर्व, कथा आ लोकाचारक आदरपूर्वक विवरण; श्रद्धाक कथनकेँ इतिहासक सत्यापित प्रमाण नहि लिखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२१०. दर्शन आ शास्त्र

नियम प्रमाण, प्रमेय, पक्ष, हेतु, व्याप्ति, संशय आदि तकनीकी शब्द शास्त्रीय अर्थमे; कथन आ प्रमाणक स्तर अलग।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२११. विज्ञान आ प्रौद्योगिकी

नियम स्थापित परिभाषा, माप, चिन्ह, संख्या आ नाम सुरक्षित; आवश्यक तकनीकी पदक मैथिली व्याख्या स्पष्ट। दसम भाग

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

सम्पादनक कार्यविधि

२१२. सम्पादनक विभिन्न स्तर

नियम विषय-प्रमाण, आशय, संरचना, व्याकरण, शब्द, वर्तनी, मुद्रण आ डिजिटल जाँच पृथक् चरण अछि। एक अक्षर सुधारि तथ्यगत त्रुटि नहि मेटैत।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२९३. दस-चरणीय सम्पादकीय विधि

नियम स्रोत-मिलान; उद्देश्य-विधा; तथ्य-जाँच; संरचना; कारक-सम्मान; काल-क्रिया; शब्द-मुहावरा; विराम-वर्तनी; मुद्रण-अभिगम्यता; अन्तिम स्वतन्त्र पाठ-परीक्षण। प्रत्येक चरणक पश्चात् संस्करण सुरक्षित।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२९४. त्रुटिक वर्गीकरण

नियम तथ्य, उद्धरण, अर्थ, कारक, काल, आदर, नकार, शब्द, वर्तनी, विराम, डिजाइन आ लिंक—प्रत्येक त्रुटि अलग चिह्नित करब सुधारक हिसाब सहज बनबैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२९५. सम्पादकीय प्रश्न

नियम अस्पष्ट पाठमे चुपचाप अनुमान नहि; लेखक/प्रमाण-स्रोत लग स्पष्ट प्रश्न राखू। उपलब्ध सत्यापनक बाद समाधान तय करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

२१६. अतिसंशोधनसँ बचू

नियम पात्रक बोली, मूल रचना, लोकछन्द, शीर्षक आ साक्ष्यक रूप बिना कारण
'सुधार' करब विकृति अछि। अर्थरक्षा प्रथम।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

२१७. परियोजना-विशिष्ट शैलीपत्र

नियम तारीख, अङ्क, पदनाम, सम्बोधन, शब्दरूप, उद्धरण, शीर्षक, परसर्ग,
चित्रशीर्षक आ स्रोत-पद्धतिक निर्णय एक छोट मानक-पत्रमे दर्ज करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

२१८. तथ्यक दावाक जाँच

नियम जे कथन वास्तविक संसारक तथ्य अछि, तकर स्वतन्त्र साक्ष्य देखू;
लेखकक काल्पनिक कथा तथ्यक प्रमाण नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल
गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

२९९. उद्धरणक अनुशासन

नियम उद्धृत शब्द, पाँति, विराम आ सन्दर्भ मूलसँ मिलाउ; काटल अंशक स्पष्ट चिह्न दियौ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३००. सन्दर्भ-उद्धरणक एकरूपता

नियम लेखक, कृति, संस्करण, पृष्ठ वा अध्याय-संकेत एक निश्चित पद्धतिमे; अनुपलब्ध पृष्ठसंख्या गढ़ नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०१. ग्रन्थसूची

नियम सम्पादक मूल पाण्डुलिपि, पृष्ठ-साक्ष्य आ संशोधनक अलग रिकार्ड राखू। स्वीकृत रूप आ स्रोतगत विकल्पकें स्पष्ट चिह्नित करू; बादक संशोधन पहिनुक मूल पाठकें नष्ट नहि करय।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०२. पादटिप्पणी आ अन्तटिप्पणी

नियम मुख्य तर्कक आवश्यक प्रमाण/स्पष्टीकरण लेल; निरर्थक पुनरावृत्ति नहि।
टिप्पणी अङ्क आ सन्दर्भ मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०३. सारणी आ आकृति

नियम शीर्षक, स्रोत, एकाइ, क्रम आ वर्णन स्पष्ट; सारणीक आँकड़ा मूलसँ मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०४. चित्रक वैकल्पिक विवरण

नियम चित्रमे अर्थवाचक वस्तु, सम्बन्ध वा परिवर्तनकें शब्दमे लिखू;

रङ्ग/सुन्दरता मात्र वर्णन पर्याप्त नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०५. सभकेँ सुलभ पाठ

नियम युनिकोड, शीर्षक-स्तर, पाठनीय वर्ण, स्पष्ट लिंकनाम आ चित्र-विवरण पर ध्यान। तस्वीर-आधारित अक्षरक खोज अशक्य भऽ सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०६. डिजिटल प्रकाशनक गुणवत्ता

नियम कड़ी कार्यरत अछि कि, पृष्ठदिशा, ई-पोथीक विषयसूची, अङ्क, छवि आ पाठक चयन-सुविधा ठीक अछि कि नहि, जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०७. यान्त्रिक सहायता

नियम यन्त्रक सुझाव मसौदा वा जाँच-संकेत अछि; व्याकरण, अर्थ, उद्धरण आ तथ्यक अन्तिम दायित्व सम्पादकक।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०८. कार्यप्रक्रियाक भाषा हटाउ

नियम प्रकाशनीय पुस्तकमे 'एखन लिखू', 'आगाँ जारी', 'मसौदा', 'सहायकक निर्देश' जकाँ प्रक्रिया-सूचना, जँ पुस्तकक वास्तविक विषय नहि हो, नहि रहय।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३०९. संस्करण-इतिहास

नियम नियम संशोधनक तारीख, परिवर्तन, कारण आ प्रभावित विभाग दर्ज करू; पुरान दस्तावेज नष्ट नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१०. मुद्रण-दृश्य जाँच

नियम अक्षर, संयुक्ताक्षर, पंक्तिक टुटन, तालिका, पृष्ठक्रम, शीर्षलेख, अन्तर्लेख, हाशिया आ फॉन्ट प्रत्यक्ष देखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३११. खोज-आधारित अन्तिम जाँच

नियम निषिद्ध शब्दरूप, विदेशी अवांछित नुक्ता, दोहरायल शीर्षक, अधूरल कोष्ठक आ सन्दिग्ध अङ्क खोजू; परिणामक अर्थानुसार निर्णय करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१२. जोरसँ पढ़बाक परीक्षा

नियम कठिन वाक्य सुनिकऽ देखू—क्रिया, सम्मान, ठहराव आ ध्वनि स्वाभाविक अछि कि नहि।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिऐल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१३. पाठ-संग्रहसँ मिलान

नियम कठिन सहप्रयोगकें प्रामाणिक मैथिली गद्यसँ जाँचू, मुदा संख्यात्मक बहुमतकें नव मानक नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१४. कोशक मिलान

नियम अप्रचलित शब्दक अर्थ, रूप, व्युत्पत्ति आ क्षेत्र स्रोतसहित; अनिश्चित रूपकें 'पुनर्जाँच'मे राखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१५. विशेषज्ञ स्रोतसँ मिलान

नियम औजार, भोजन, परिधान, नदी, दर्शन, विज्ञान आदिक पद ताहि क्षेत्रक स्रोतसँ सत्यापित करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१६. मूल पृष्ठक प्रत्यक्ष मिलान

नियम पुरान स्कैन वा खराब अक्षर-रूपान्तरणमे संशय हो तँ मूल पृष्ठक छवि देखू; अनुमानसँ उद्धरण नहि बदलू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१७. अन्तिम प्रकाशन-स्वीकृति

नियम सामग्री, प्रमाण, भाषा, नुक्ता, वर्तनी, दृश्य, पृष्ठक्रम, लिंक, शीर्षक, अनुक्रमा आ सम्पूर्णताक स्वतन्त्र जाँचक बाद प्रकाशन करू। एगारहम भाग
✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।
X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।
अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

विदेह प्रयोग-कोश

३१८. अछि

नियम अमानवीय कर्ता, वस्तु, नियम वा सामान्य अस्तित्व-वर्णनक मानक रूप —‘ई पोथी नीक अछि।’ मानवीय सम्मानसूचक ‘छथि’सँ अलग।
✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।
X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।
अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१९. छथि

नियम सम्मानित मानवीय कर्ताक संग—‘लेखक उपस्थित छथि।’ निर्जीव ‘पोथी छथि’ नहि; मानवीकरणक स्रोत-उद्धरण अपवादक रूपमे सुरक्षित।
✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।
X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।
अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३२०. आ

नियम सामान्य जोड़—‘कथा आ कविता’; ‘आरो’क अतिरिक्त/अधिकता अर्थ
नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३२१. आरो

नियम ‘आरो स्पष्ट करू’ जकाँ अधिकता/जोड़क विशेष अर्थ; साधारण ‘आ’क
स्थानपर नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३२२. आइ

नियम आजुक दिनक स्वीकृत रूप—‘आइ सभा अछि’; नव सामान्य गद्यमे
‘आज’ नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३२३. आब

नियम स्थितिक नव वर्तमान वा आगूक अर्थ—‘आब काज शुरू होएत’;
‘एखन’सँ अर्थभेद।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३२४. एखन

नियम ठीक एहि समय—‘एखन पानि खसि रहल अछि’; काल-सीमा स्पष्ट।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३२५. आगाँ

नियम समय, स्थान वा प्रगतिक अगिला भाग—‘आगाँ बढ़ू’; ‘सोझाँ’क सीधा दृष्टि-सम्बन्धसँ अलग।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३२६. आपस

नियम पारस्परिक वा किछु प्रचलित पुनरागमन-सन्दर्भकेँ प्रसंगसँ जाँचू;
'वापस'क सभ ठाम नहि लगाउ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३२७. आयल

नियम 'आएल' आ 'आयल' दुनू आबऽ क्रियाक भूत घटना व्यक्त करैत अछि
—'ओ गाम आएल' अथवा 'ओ गाम आयल'। सम्पूर्ण नव लेखनमे एकहि रूप
स्थिर राखू; स्रोत-वाणी यथावत्।

✓ मान्य उदाहरण ओ गाम आएल। / ओ गाम आयल।

✗ त्याज्य उदाहरण चुनल विकल्पकेँ स्रोत-परिवर्तन वा व्याकरणिक कारण बिना
एकहि लेखकीय गद्यक भीतर मनमाना मिश्रित करब।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३२८. अन्हार

नियम अन्धकार लेल स्वाभाविक रूप—'साँझमे अन्हार खसय लागल';

'उतरबाक लगल' जकाँ अनुवादित रचना टारू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३२९. काज

नियम सामान्य कार्यक प्राथमिक शब्द—‘काज पूरा भेल’; अलग पेशागत/स्रोतगत ‘काम’क प्रसंग रहि सकैत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।
X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३०. काम

नियम किछु स्थापित अर्थ, मुहावरा वा विशिष्ट पेशाक क्षेत्रमे सम्भव; नव मानक सामान्य कार्यक अर्थमे ‘काज’ प्रायः प्राथमिक ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।
X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३१. ककरो

नियम अनिश्चित व्यक्तिक सम्बन्ध/तिर्यक रूप—‘ककरो बात’; कर्ता-सन्दर्भमे ‘कियो’क जाँच ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३२. कियो

नियम अनिश्चित मानवीय कर्ता—‘कियो आयल’; ‘ककरो आयल’ एहि आशयमे नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३३. कोनो

नियम संज्ञाक अनिश्चित विशेषक—‘कोनो उपाय’; स्वतन्त्र मानवीय कर्ताक स्थानमे नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३४. किछु

नियम वस्तु, परिमाण अथवा अनिश्चित अंश—‘किछु नहि भेल’; संज्ञाक आगाँ प्रयोग प्रसंगसापेक्ष ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३५. के

नियम व्यक्तिसूचक प्रश्न—‘के आयल?’; कारक बदललापर ककरा/केकर आदि जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकै प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३६. केँ

नियम कर्म, प्राप्तकर्ता वा सम्बोधनक उपयुक्त सम्बन्ध—‘ओकराकेँ’ जकाँ अस्वाभाविक दुहराव नहि रचू; मैथिली वाक्यरचना जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकै प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३७. कऽ

नियम पूर्वघटना वा क्रियाक जोड़—‘देखि कऽ कहलक’; युनिकोड अवग्रह ‘ऽ’ रह्य।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३८. करैत

नियम चलैत/आवृत्तिपरक काजक रूप—‘ओ लिखैत अछि’; निश्चित भविष्यवाचक ‘करत’सँ भेद ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३३९. कतेक

नियम मात्रा/संख्याक प्रश्न—‘कतेक पोथी अछि?’

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३४०. कतय

नियम स्थानक प्रश्न—‘अहाँ कतय जाइत छी?’

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३४१. किएक

नियम कारणक प्रश्न—‘ई किएक भेल?’

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३४२. कोना

नियम रीतिक प्रश्न—‘ई कोना लिखब?’

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३४३. कहिया

नियम समयक प्रश्न—‘ओ कहिया आयत?’

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३४४. गप

नियम कथन वा बातचीत—‘हमरासँ गप करू’; स्रोतगत ‘बात’क किछु अर्थ
अलग रहि सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू
कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३४५. गेल

नियम जएबाक भूत घटना—‘ओ घर गेल’; सम्मानित पात्रक रूपक संगति देखू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

३४६. घुर-

नियम पुनरागमन/वापसी—‘ओ घुरि आयल’, ‘ओ घुरऽ लागल’; ‘आपस’क
प्रासंगिक भेद जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल
गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३४७. घुरऽ लागल

नियम गति आरम्भ भेल—‘ओ घुरऽ लागल’; ‘घुरबऽ लगल’ नहि अपनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३४८. घुरि

नियम असमापिका/पूर्वक्रियावाची—‘ओ घुरि आयल’; तकरा ‘घुरऽ’क समान नहि कहू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३४९. छूलनि

नियम छूनाइक आदरसूचक क्रियारूप—‘ओ छूलनि’ जकाँ उपयुक्त कर्ता-सन्दर्भ सुनिश्चित करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५०. जाँ...तँ

नियम शर्त-फल—‘जाँ ओ आयत, तँ कहब’; काल आ सम्भावना सुरक्षित ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५१. जखन...तखन

नियम समय-सहसमय—‘जखन वर्षा भेल, तखन धार बढ़ल’; घटनाक क्रम स्पष्ट ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५२. झार

नियम झिड़की/फटकारक अर्थ—‘गुरुजी झार देलनि’; वनस्पतिक ‘डाँट’ नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५३. डाँट

नियम वनस्पतिक डाँट वा डंठल—‘पातक डाँट’; फटकार लेल ‘झार’।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५४. टूटल भीतक

नियम टूटि गेल भीतक सम्बन्धसूचक रूप; भीत अर्थात् देबाल। प्रसंगबिना रूप नहि बदलू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५५. दैत

नियम वर्तमान आवृत्तिपरक/अपूर्ण क्रिया—‘ओ दैत अछि’; भविष्य ‘देत’ नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५६. दैत

नियम भविष्य—‘ओ कार्हि दैत’; चालू क्रियाक ‘दैत’सँ भिन्न।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५७. धरि

नियम अन्तिम सीमा—‘जनकपुर धरि’, ‘साँझ धरि’; काल वा स्थानक सटीक सीमा।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५८. दिस

नियम दिशा/ओर—‘गाम दिस गेल’; ‘धरि’क सीमा अर्थसँ अलग।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३५९. नहि

नियम 'नहि' आ 'नै' दुनू मान्य नकारक रूप—'ओ नहि आयल' अथवा 'ओ नै आयल'। लेखकक चयन लेखकीय गद्य-स्वरमे एकरूप रहय; संवादक रूप अलग भऽ सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण ओ नहि आयल। / ओ नै आयल।

X त्याज्य उदाहरण चुनल विकल्पकें स्रोत-परिवर्तन वा व्याकरणिक कारण बिना एकहि लेखकीय गद्यक भीतर मनमाना मिश्रित करब।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६०. ने

नियम बलाघात, पुष्टि अपेक्षित प्रश्न वा मुहावराक चिह्न; सामान्य नकारक 'नहि'क विकल्प नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६१. पाछाँ

नियम स्थान, समय वा घटनाक बादक अर्थ—'घरक पाछाँ', 'तकर पाछाँ'।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६२. फेर

नियम पुनः वा अगिला क्रम—‘फेर ओ आयल’; स्मृति-क्रममे समय-संकेत जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकै प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६३. बेराबेरी

नियम पालापाली काज—‘सभ बेराबेरी पढ़ू’; ‘बारी-बारी’ नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६४. भऽ

नियम अवस्थापरिवर्तन/पूर्वावस्था—‘ओ ठाढ़ भऽ गेल’ जकाँ सन्दर्भ जाँचू; अनावश्यक जोड़ नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकै प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६५. भेल

नियम होएबाक भूत रूप—‘एहन घटना भेल’; वर्तमान ‘अछि’सँ अलग।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६६. भीत

नियम घरक देवाल/भीत; भीतर’क अव्ययसँ अर्थभेद।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६७. माथ

नियम सिर अथवा स्थापित मुहावरामे; ‘सिर’क मानक गद्य विकल्प रूपेँ ‘माथ’ प्राथमिक।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६८. मे

नियम भीतर, क्षेत्र वा प्रसंगक स्थान—‘गाममे’, ‘पोथीमे’; ‘पर’सँ कार्यभेद।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३६९. मुदा

नियम विरोधक स्वीकृत जोड़—‘ओ आयल, मुदा नहि बैसल।’

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७०. ओ

नियम दूर/पहिने उल्लिखित कर्ता—‘ओ कहलक’; क्रिया आ आदर मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७१. ओकर

नियम सम्बन्धसूचक—‘ओकर पोथी’; कर्मवाचक ‘ओकरा’सँ अलग।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७२. ओकरा

नियम तिर्यक/कर्म सम्बन्ध—‘ओकरा कहल गेल’; ‘ओकर’सँ भेद ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७३. ओहि

नियम दूर निर्देशित वा तिर्यक विशेषणरूप—‘ओहि समय’; उचित कारक निश्चित ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७४. ओही

नियम एके निर्दिष्ट वस्तु/समय—‘ओही दिन’; पहचानपर विशेष जोरक ‘वएह’ नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७५. वएह

नियम जोरदार पहचान—‘ई वएह कृति अछि’; ‘ओही’क सामान्य विशेषक काम नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७६. ई

नियम निकट निर्देशित वस्तु/व्यक्ति—‘ई पोथी अछि’; ‘ओ’क दूर सन्दर्भसँ भेद ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७७. एकर

नियम निकटक सम्बन्धसूचक—‘एकर शीर्षक’; ‘एकरा’क कर्म अर्थ नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७८. एकरा

नियम निकटक तिर्यक/कर्म रूप—‘एकरा पढ़ू’; ‘एकर’क अधिकार अर्थसँ भेद ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३७९. लेल

नियम हित/उद्देश्य—‘कथा लिखबाक लेल’; अनावश्यक ‘के लिए’ ढाँचा नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८०. लग

नियम निकटता/ककरो लग उपलब्धता—‘हमरा लग पोथी अछि’; स्थान आ स्वामित्वक सन्दर्भ अलग जाँचू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८१. लागल

नियम स्पर्श, जुड़नाइ वा घटनाक आरम्भक क्रिया; पूरक क्रिया उचित रूपमे चुनू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८२. लगैत

नियम वर्तमान/आवृत्तिपरक 'लगब'; 'लागल' भूत आरम्भसँ अलग ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८३. रहल आ रहैत

नियम 'रहल' निरन्तर अवस्था, 'रहैत' आवृत्ति/सन्दर्भानुसार; काल-पक्षक निर्णय आवश्यक ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८४. साँझक

नियम साँझसँ सम्बन्धित—‘साँझक इजोत’; ‘साँझिक’ सामान्य मानक नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८५. संग

नियम साथ/समवाय—‘मायक संग’; सम्बन्धक सटीक अर्थ देखू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८६. सभ

नियम बहुवचन/समूह/वितरण—‘कथासभ’, ‘सभ लोक’; अनावश्यक सर्वत्र प्रयोग नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८७. सभ काल

नियम सम्पूर्ण काल वा सभ समयक अर्थ; प्रसंग अनुसार 'हरदम' अधिक स्वाभाविक भऽ सकैत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८८. सभ पीढ़ी

नियम प्रत्येक पीढ़ीक सामूहिक/वितरणात्मक अर्थ; हिन्दी 'हर पीढ़ी'क स्थानपर प्रसंगानुसार ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३८९. हरदम

नियम स्थापित अखण्ड क्रियाविशेषण—'ओ हरदम पढ़ैत अछि'; 'हर'क सामान्य निषेध एहि शब्दपर लागू नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१०. सोझाँ

नियम ठीक आगाँ वा दृष्टिक क्षेत्रमे—‘ओ हमर सोझाँ आयल’; ‘आगाँ’क भविष्य/दिशा अर्थसँ भिन्न ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३११. सँ

नियम स्रोत, साधन, तुलना आ किछु आन सम्बन्धक परसर्ग; प्रत्येक प्रयोगक आशय जाँचू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकँ प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१२. खसबाक

नियम संज्ञार्थक असमापिका—‘अन्हार खसबाक कारण’; आरम्भवाचक ‘खसय लागल’ नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१३. खसय

नियम ‘लागल’सँ जुड़ि घटना शुरू होएब—‘अन्हार खसय लागल’; ‘खसबाक लगल’ गलत निर्माण।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३१४. कात

नियम किनार/पार्श्व—‘घरक कात’; ‘लग’क सामान्य समीपता अर्थसँ अलग।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३९५. आगाँ आ सोझाँ

नियम ‘आगाँ’ दिशा, प्रगति वा अगिला काल; ‘सोझाँ’ प्रत्यक्ष दृश्य/सामने ।

दूनोंक एक अंग्रेजी ‘फ्रन्ट’क पर्याय नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३९६. कियो आ कोनो

नियम ‘कियो आयल’—अज्ञात व्यक्ति कर्ता; ‘कोनो लोक आयल’—संज्ञाक विशेषक ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३९७. कियो आ ककरो

नियम ‘कियो कहलकि’—कर्ता; ‘ककरो कहल’—तिर्यक/कर्म प्रसंग ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३९८. ओही आ वएह

नियम ‘ओही पोथी’—एके निर्दिष्ट पोथी; ‘ई वएह पोथी अछि’—पहिचानपर बल।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

३९९. देत आ दैत

नियम ‘देत’ भविष्यमे देबाक घटना; ‘दैत’ वर्तमान/आवृत्तिपरक देबाक प्रक्रिया।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४००. डाँट आ झार

नियम डाँट वनस्पतिक डंठल; झार फटकार। अर्थ बदलबासँ सम्पूर्ण कथ्य उलटि सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०१. खसबाक आ खसय

नियम 'खसबाक' क्रियासँ बनल संज्ञार्थक रूप; 'खसय लागल' आरम्भक पूरक क्रिया।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०२. घुर-आ आपस

नियम पुनरागमनक क्रिया आ पारस्परिक सम्बन्धक पद अलग; हिन्दी 'वापस'क हर प्रयोगमे एके प्रतिस्थापन नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०३. छथि आ अछि

नियम मानवीय सम्मानसूचक/अमानवीय कर्ताक भेद; 'कवि छथि', 'कविता अछि'। बारहम भाग

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

सुधारक उदाहरण

४०४. शब्दसँ आगाँ उपवाक्य

नियम हिन्दीक शब्द हटाउ, मुदा हिन्दी कारक-क्रिया-शब्दक्रम छोड़ल नहि तँ वाक्य मैथिली नहि बनत।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०५. फेर घुरबाक आरम्भ

नियम असंगत 'वापस जाने लगा'क अनुवाद 'ओ घुरऽ लागल'। कर्ताक सन्दर्भ अनुसार क्रिया बदलू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०६. अनिश्चित मानवीय कर्ता

नियम 'किसी ने'क अर्थ कर्ता हो तँ 'कियो'—'कियो ओकरा किछु नहि कहलक।'

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०७. वितरणात्मक प्रयोग

नियम 'हर पीढ़ी'क प्रसंगमे 'सभ पीढ़ी' वा तर्कसम्मत 'प्रत्येक पीढ़ी'; 'हरदम' अखण्ड रूपमे।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०८. भविष्यक उदाहरण

नियम 'ओ काल्हि दैत' लिखू; एहि ठाम 'दैत' नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४०९. आवृत्तिक उदाहरण

नियम 'ओ प्रतिदिन पोथी दैत अछि'; 'दैत' एहि अर्थमे नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१०. पहिचानक उदाहरण

नियम 'ई वएह व्यक्ति छथि'—ओही व्यक्ति होनेक बल; सम्मानसूचक क्रिया सेहो उचित।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४११. दिन-विशेषक उदाहरण

नियम 'ओही दिन ओ आयल'—दिनक विशेषण; 'वएह दिन' एहि रचनामे साधारण प्राथमिकता नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१२. अन्हारक आरम्भ

नियम 'साँझक समय अन्हार खसय लागल'—सही क्रिया-पूरक।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१३. अन्हारक संज्ञार्थक रूप

नियम 'अन्हार खसबाक डर'—नामवत् क्रिया; 'खसय' नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१४. भीतक वर्णन

नियम 'टूटल भीतक ईंट'—भीतक सम्बन्धसूचक; सरल 'टूटी दीवार का' ढाँचा नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१५. फटकारक उदाहरण

नियम 'ओ झार देलक'; बोटक डंठल 'डाँट'सँ भिन्न।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१६. वनस्पतिक डाँट

नियम 'डाँट सुखि गेल'—वनस्पति-सम्बन्ध; फटकार अर्थ नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१७. समयक प्रश्न

नियम 'अहाँ कहिया आयब?'—समय पूछल गेल अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१८. समय-सहसम्बन्ध

नियम 'जखन वर्षा थमल, तखन ओ गेल'—दू घटनाक सम्बन्ध।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१९. प्रकारक प्रश्न

नियम 'ई कोना सम्भव भेल?'—रीतिक प्रश्न, कारण 'किएक'सँ अलग।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२०. वर्तमान समय

नियम 'एखन हम लिखि रहल छी'—एहि समय; 'आब'क व्यापक स्थितिसँ भिन्न।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२१. अनिश्चित विशेषक

नियम 'कोनो उपाय भेटत'—उपायक अनिश्चितता; 'कियो उपाय' नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२२. अनिश्चित मानवीय कर्ता

नियम 'कियो आवि सकैत अछि'; व्यक्ति स्वयं कर्ता ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२३. अनिश्चित सम्बन्ध

नियम 'ककरो पोथी'—अनिश्चित व्यक्तिक अधिकार; 'कियो पोथी' नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२४. बाहरी अपूर्णकालक सावधानी

नियम अंग्रेजीक चलैत क्रियाक सभ उदाहरणमे 'रहल' नहि जोड़ू; मैथिलीक साधारण वर्तमान अथवा आवृत्तिरूप सेहो उपयुक्त भऽ सकैत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२५. भावसूचक सहायक सावधानी

नियम संभावना, अनुमति, बाध्यता, अनुमान आ इच्छा अलग देखू; सभ लेल एक 'चाही' नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२६. उद्देश्यक सावधानी

नियम 'पढ़बाक लेल' उद्देश्य अछि; अनिवार्य परिणाम नहि। कारण आ उद्देश्यक भेद बचाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२७. क्रिया-जोड़क सावधानी

नियम 'कऽ', 'भऽ', 'आबि' आदि जोड़ैत क्रम आ कर्ता स्पष्ट; अकारण लम्ब शृङ्खला नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२८. सर्वनामक द्व्यर्थता

नियम एक अनुच्छेदमे दू 'ओ' सम्भव व्यक्ति लेल हो तँ नाम वा सम्बोधन दोहरा कऽ सन्दर्भ स्पष्ट।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४२९. अमानवीय सम्मानक त्रुटि

नियम 'ई पोथी छथि' नहि; 'ई पोथी अछि'। पात्रक मानवीकरण उद्धरणमे अलग।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३०. मानवीय सम्मान

नियम 'आचार्य उपस्थित छथि'; 'आचार्य उपस्थित अछि' नहि, जँ सम्मानित व्यक्ति अछि।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३१. सम्मानक मिश्रण

नियम 'अहाँ' संग अशिष्ट साधारण क्रिया नहि जोड़; पूरा वाक्यक सम्मानरूप मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३२. हिन्दी जोड़शब्दक सावधानी

नियम 'लेकिन'क सामान्य विकल्प 'मुदा'; 'अगर...तो'क स्थानपर 'जँ...तँ'; शब्दसँ अधिक पूरा ढाँचा देखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३३. शोधगद्यक नामकरण-भार

नियम 'विवेचनक निष्पादनक सम्पादन' जकाँ बोझिल संज्ञाशृङ्खला हटाउ; कर्ता आ क्रिया दिखाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३४. अंग्रेजी कर्मवाच्यक सावधानी

नियम 'एक निर्णय कएल गेल' जँ कर्ता ज्ञात अछि तँ 'समितिने निर्णय कएलक' नीक; कर्ता अज्ञात हो तँ कल्पित नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३५. बाहरी सम्बन्धवाचक वाक्य

नियम अंग्रेजी शैलीक लम्ब उपवाक्यकेँ 'जे...से' वा दू सहज मैथिली वाक्यमे पुनर्रचित करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३६. 'हर'क हिन्दी प्रयोग

नियम हिन्दी 'हर'क स्वतन्त्र विशेषक-प्रयोग टारू; 'हरदम' अखण्ड मान्य शब्द अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३७. 'वापस'क हिन्दी प्रयोग

नियम 'वापस लौटना'क स्थानपर 'घुरि आयब' आदि; सन्दर्भक क्रिया निश्चित करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३८. 'वही'क हिन्दी प्रयोग

नियम 'ओही' विशेषक बनाम 'वएह' पहिचानक बल; अर्थ देखिकऽ चुनू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४३९. 'किसी'क हिन्दी प्रयोग

नियम 'किसी ने' प्रायः 'कियो'; 'किसी की' प्रायः 'ककरो'; मात्र एक प्रतिशब्द नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४०. 'डॉट'क हिन्दी प्रयोग

नियम फटकार लेल 'झार', वनस्पतिक डंठल लेल 'डॉट'; हिन्दी एकरूपक आधारपर अर्थ नहि मिलाउ। तेरहम भाग

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

निर्णय-विधि

४४१. सन्दिग्ध शब्दक निर्णय-क्रम

नियम पहिने देखू—उद्धरण वा शीर्षक अछि कि? अर्थ, कारक, काल, सम्मान, स्वीकृत सुधार, व्याकरण, कोश, पेशागत स्रोत, पाठ-सहप्रयोग आ विधा जाँचू; अन्तमे वाक्य पुनः पढ़ू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४२. व्याकरणिक निर्णय-वृक्ष

नियम कर्ताक पहचानसँ शुरू करू; क्रियाक सकर्मकता, कारक, काल, पक्ष, भाव, नकार आ सम्मानक मिलान करि अन्तिम वाक्य बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४३. विधा-अनुसार कार्यतालिका

नियम कथामे स्वर-दृश्य; कवितामे लय-बिम्ब; शोधमे प्रमाण; समाचारमे तथ्य; बालपाठमे सरलता; शब्दकोशमे अर्थभेद; वेबमे सुलभता—सभक प्राथमिकता अलग।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४४. परियोजनाक शैलीपत्रक ढाँचा

नियम कृतिक नाम, लक्षित पाठक, लिपि, अङ्क, स्वीकृत शब्दरूप, नामावली, उद्धरण-नीति, सन्दर्भ-रूप, छवि, पृष्ठ-विन्यास आ अन्तिम जाँचक निश्चय लिखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४५. अनुवाद-जाँचपत्र

नियम मूल पाँति, आशय, कर्ता, कर्म, काल, पक्ष, सम्मान, मूल मुहावरा, मैथिली रूप आ मिलान-टिप्पणी अलग राखू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४६. शब्दकोश-प्रविष्टि ढाँचा

नियम मुख्य शब्द—शब्दभेद—अर्थ-क्रम—उदाहरण—रजिस्टर—क्षेत्र—स्रोत—समानार्थी/विलोम—सन्देह-स्थिति। खाली जानकारी गढ़ि नहि भरू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४७. उपन्यास-अध्यायक परीक्षा

नियम घटना-क्रम, पात्र-सम्बोधन, काल, कथकक ज्ञान-सीमा, संवाद आ स्थानीय वस्तु/बोलीक अखण्डता जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४८. शोध-अध्यायक परीक्षा

नियम प्रतिज्ञा, स्रोत-पाठ, उद्धरण, प्रतिपक्ष, तर्क, निष्कर्ष, फुटनोट आ ग्रन्थसूची मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४४९. बालपाठक परीक्षा

नियम शब्दक सरलता, वाक्यक लम्बाइ, दृश्य-अर्थ, उच्चारण, चित्रक सहायकता आ उम्र-अनुरूपता जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५०. वेबपृष्ठक परीक्षा

नियम युनिकोड, लिंक, शीर्षक-अनुक्रम, मोबाइल-पठन, वैकल्पिक चित्रविवरण, खोज आ टुटल लिंक जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५१. उद्धरण-सन्दर्भक परीक्षा

नियम शब्द, पाँति, संस्करण, लेखक, पृष्ठ, तारीख आ पाठभेद सटीक; शून्य-आधारित अनुच्छेदकेँ पृष्ठ नहि कहू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५२. पारिभाषिक शब्दक परीक्षा

नियम एक अर्थ लेल एक स्थिर पद, पहली बेर परिभाषा, विषयगत प्रमाण आ अर्थक टकरावक जाँच ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५३. मनगढ़न्त दावाक निषेध

नियम अनुपलब्ध स्रोत, दृश्य, चरित्रक मंशा, उद्धरण, संख्या, प्रकाशन-वर्ष वा इतिहास कल्पना कऽ नहि लिखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५४. विरोधी स्रोतक व्यवहार

नियम भिन्न संस्करण वा कोशमे भेद हो तँ स्रोतनाम, वर्ष, पृष्ठ आ भिन्न पाठ दर्ज करू; एककें चुपचाप नष्ट नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५५. नव स्वीकृत सुधारक अधिकार

नियम सम्पादकक पछिला स्पष्ट स्वीकृत सुधार पहिनुक विरोधी सामान्य नियमसँ ऊपर; मुदा उद्धरण, शीर्षक आ प्रामाणिक मूल पाठक निष्ठा अलग।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५६. नव सुधार दर्ज करबाक विधि

नियम पुरान रूप, स्वीकृत रूप, पूरा प्रसंग, परिवर्तनक कारण, लागू-सीमा, विरोधी उदाहरण आ सुरक्षित खोज-जाँच—सात बात लिखू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५७. पाठ-संग्रहक परीक्षण

नियम समान विधा आ कालक पर्याप्त उदाहरण खोजू; स्रोत-सूची आ पठन-भ्रम जाँचू; आवृत्तिक आधारपर मूल्य-निर्णय नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४५८. शब्दकोशक परीक्षण

नियम प्रविष्टि, अर्थ, उदाहरण, प्रकाशन-संस्करण, क्षेत्र, उद्धरण आ अपवाद जाँचू;
गलत पाठ-चिन्हनसँ सावधान ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

४५९. प्रारम्भिक पाठ्यपुस्तकक परीक्षण

नियम स्वर, मात्रा आ मूल शब्दक शिक्षण-अवधारणा देखू; धुँधल स्कैनसँ अक्षरक
गलत निर्णय नहि ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

४६०. व्याकरण-पोथीक परीक्षण

नियम धातु, पुरुष, सम्मान, कारक, पक्ष आ निषेधक नियमक वास्तविक
उदाहरणसँ मिलान करू; सूत्रकें प्रसंगबिना लागू नहि ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

४६१. शिक्षण-पाठ्यक्रमक परीक्षण

नियम मूल पाठ, शब्दार्थ, अभ्यास आ वाक्यरचनाक स्तर देखू; अध्यापनक सरल रूपकें सम्पूर्ण साहित्यिक नियम नहि बुझू। चौदहम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

अनिवार्य निर्देश

४६२. अनिवार्य शब्दरूपक पुनरावलोकन

नियम पानि, इनार, औंठा, हेरायल, बिलायल, बिसरल, तरहडि, केवाडी, ओसारा, कोठली, अएना, पित्तरि, चाह, बेराबेरी, सोझाँ, आइ, एखन, आब, कोना, किएक, कतेक, मुदा—सन्दर्भानुसार अनिवार्य प्राथमिकता।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४६३. अनिवार्य अर्थ-व्याकरण भेद

नियम 'देत/दैत', 'छथि/अछि', 'कियो/ककरो/कोनो', 'ओही/वएह', 'डाँट/झार', 'घुरऽ/घुरबाक', 'खसय/खसबाक'क अर्थानुसार निर्णय।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४६४. हिन्दी-ढाँचाक अन्तिम जाँच

नियम अतिरिक्त 'हर', 'लेकिन', 'अगर...तो', 'वापस', 'आज', 'अभी', गलत सर्वनाम, हिन्दी कारक आ लम्ब भावसंज्ञाक शृङ्खला चिन्हू।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिऐल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४६५. प्रकाशनसँ पहिनुक अनिवार्य जाँच

नियम पूरा पाठ, क्रम, उद्धरण, तथ्य, वर्तनी, नुक्ता, संयुक्ताक्षर, क्रिया, सम्मान, तालिका, अनुक्रमा, लिंक, पृष्ठविन्यास आ गोपनीय टिप्पणीक अनुपस्थिति सुनिश्चित करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४६६. जे कखनो नहि करबाक अछि

नियम स्रोत पढ़ने बिना समीक्षा; मनगढ़न्त तथ्य; अनुवादमे जोड़-घटाव; चुपचाप मूल उद्धरण-परिवर्तन; बाहरी व्याकरणक नकल; निर्विवाद रूपक आडम्बरी बदलाव; पहिनुक संचयी सामग्री नष्ट करब; आ अपरीक्षित फाइल प्रकाशित करब—सभ निषिद्ध। पन्द्रहम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

नव स्रोत आ प्रमाण

४६७. नव स्रोतक स्थान

नियम एहि भागमे भाषापाक आ इग्नूकें नियमक स्वतन्त्र स्वामी नहि, भाषा-
प्रमाणक स्रोत मानल गेल अछि। नवतम स्पष्ट विदेह-सुधार सर्वोपरि रहत; तकर
बाद मानक निर्देशिका, मूल साहित्यिक पाठ आ क्षेत्रीय प्रमाण जाँचल जाएत।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल
गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

४६८. भारत आ नेपालक साझा भाषा, भिन्न प्रचलन

नियम सीमाक दूनू दिस प्रचलित उच्चारण वा वर्तनीमे भिन्नता भेटब
स्वाभाविक अछि। एकरा अशुद्धता कहबाक पहिने स्रोतक क्षेत्र, समय, विधा आ
पाठक-वर्ग दर्ज करू। विदेहक सामान्य नव गद्यमे एकरूपता कायम राखू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
प्रक्रिया

४६९. भाषाशास्त्रीय सुझाव आ औपचारिक स्वीकृतिक अन्तर

नियम भाषापाकक आरम्भिक खण्डमे भाषाविज्ञानीक प्रस्ताव, मैथिली अकादमीक मानक वर्तनी आ सम्पादन-पाठ्यक्रमक प्रयोग एकसंग अछि। प्रस्तावित नियम, ऐतिहासिक विकल्प आ वर्तमान सम्पादकीय अनिवार्यता अलग श्रेणीमे राखल जाए।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७०. शिक्षण-पाठक सीमा

नियम 'भाषापाक'मे मानक उच्चारण/लेखनपर परस्पर भिन्न मत मिलैत अछि। ओहि मतसभकें विदेहक बाध्यकारी निर्णयक समान स्थान नहि। उदाहरणक मूल शब्द, मुद्रित पृष्ठ आ स्पष्ट पक्ष पुनः जाँचिकऽ निष्कर्ष दिअ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७१. स्रोतक लिपि-बिगाड़सँ सावधानी

नियम भाषापाकक उपलब्ध प्रतिमे पुरान अक्षर-संकेतनक कारण किछु संयुक्ताक्षर, मात्रा आ नुक्ताक पाठ अस्पष्ट बनैत अछि। पाठक अक्षर-साक्ष्यसँ प्रमाणित शब्दकें मात्र स्वीकारू; बिगाड़ल निष्कर्षपर वर्तनीक निर्णय नहि टिकाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७२. छवि-आधारित पाठक स्थिति

नियम इग्नूक संलग्न पाठ मुख्यतः छवि-पृष्ठक रूपमे अछि। उद्धरण लेल सम्बन्धित पृष्ठकें सोझाँ देखि सही पाठ उतारू; अनुमानित पाठक आधारपर शब्द-निर्णय नहि दिअ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७३. पाठ-आधारित प्रमाणक तीन स्तर

नियम पहिल स्तर—प्रत्यक्ष स्पष्ट पाँति अथवा सारणी; दोसर—स्रोतक नियमक विश्वसनीय अर्थ; तेसर—विदेहक स्वतन्त्र सम्पादकीय अनुशंसा। लेखनमे एहि तीनूक बीच अपन-आप सीमा सुरक्षित रहय।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७४. प्रयोग आ आदेशक भिन्नता

नियम स्रोतमे 'चलैत अछि' प्रयोगक विवरण अछि, 'लिखबाक चाही' प्रस्ताव अछि, 'वैकल्पिक' विकल्प अछि। एहि तीनूकें समान बाध्यता नहि दिअ; स्रोतक कथन-प्रकार पहिने ठहराउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७५. पुरान आ नव वर्तनीक सहअस्तित्व

नियम कएल/कयल, जाए/जाय जकाँ जोड़ी पुरान आ नव प्रचलनक उदाहरण बनि सकैत अछि । नव विदेह गद्यमे एकरूप रूप चुनल जाए; उद्धृत मूलमे जे रूप अछि से सुरक्षित रहत ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७६. भाषिक विविधता संकलन

नियम प्रदेश, जातीय बोली, पेशा, पीढ़ी, गीत अथवा लोकनाटकक शब्दकें 'गलत रूप' कहि हटाउ नहि । ओकरा समुचित रजिस्टरक सन्दर्भमे अङ्कित करू, मुदा सम्पादकीय टिप्पणीमे कृत्रिम स्थानीयता नहि भरू ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७७. मूल शीर्षक आ व्यक्तिनामक मर्यादा

नियम प्रकाशित कृतिक नाम, लेखकक नाम आ स्थाननाम स्रोत-अभिलेख अछि । मूल रूप नहि बदलि, आवश्यक पड़ला पर विवेचनात्मक टिप्पणीमे विदेहक रूप अलग दियौ ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद मूल उद्धरण, शोध-पाठ आ उद्धृत भाषणक चिह्न स्रोतअनुसार राखू; सम्पादकीय टिप्पणी फराक ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४७८. स्रोतसँ निकलल नव नियमक अभिलेख

नियम प्रत्येक अतिरिक्त नियमसँ जुड़ल स्रोत, पीडीएफ पृष्ठ, विकल्प, विदेहक निर्णय आ दायरा लिखू । सन्दिग्ध वर्तनी, व्यक्तिनाम वा ऐतिहासिक उच्चारण 'पुनर्जाँच' श्रेणीमे रहत । सोलहम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

उच्चारण, नुक्ता, अनुस्वार आ वर्तनी

४७९. नुक्ताक अनुमत अक्षर

नियम अनिवार्य विदेह नियम : मैथिली लेखनमे नुक्तायुक्त वर्ण केवल 'इ' आ 'ढ' रहत । आन कोनो वर्णमे नुक्ता नहि देल जाएत । ई नियम नव सम्पादकीय गद्य आ अपन प्रकाशन-पाठक लेल लागू अछि ।

✓ मान्य उदाहरण पड़ल, चढ़ल

X त्याज्य उदाहरण ज़, फ़, क़, ख़, ग़

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४८०. शब्दक आरम्भमे ढ

नियम शब्दक आरम्भक 'ढ' नुक्तारहित रहत—'ढाक', 'ढोल', 'ढेकी'। शब्दमध्य वा शब्दान्तमे मुडल ध्वनिक 'ढ' लिखू—'बढल', 'चढल', 'पढल', 'पीढी', 'तरहडि'। मुदा प्रत्येक मध्यस्थ 'ढ' स्वतः 'ढ' नहि; मानक शब्दक उच्चारण आ रूप जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण ढोल, ढाक, ढाँचा

X त्याज्य उदाहरण ढोल, ढाक

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४८१. बीचक आ अन्तक ढ

नियम बढल, चढल, पढल, गढल, बाढि, पीढी, तरहडि जकाँ प्रासंगिक रूपमे शब्दक भीतर वा अन्तमे 'ढ' नुक्तासहित राखू। शब्दांश आ मूल रूप पहिचानि सत्यापन करू; कीबोर्डक आदतकँ मानक नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४८२. ड आ ङक अर्थगत भेद

नियम 'ड' आ 'ङ'क भेद स्वतन्त्र अछि। 'डर', 'डाँट'मे ड; 'पङल', 'मोङ', 'झाङि'मे ङ। कोनो शब्दक आरम्भक 'ङ'कँ नुक्ता लगा कऽ लिखब निषिद्ध। सम्पूर्ण दस्तावेजमे पाठ-खोजसँ सन्दिग्ध रूप देखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४८३. नुक्तारहित अपन भाषा

नियम विदेहक सामान्य मैथिली लेखनमे इ आ ढ छोटि अन्य नुक्तायुक्त देवनागरी अक्षर निषिद्ध अछि। अन्य भाषाक नाम वा उद्धरणक मूल रूप जँ ऐतिहासिक कारणेँ जरूरी हो, तकरा उद्धरण वा यथावत् मूल पाठक रूपमे अलग स्पष्ट करू; मैथिली सम्पादकीय गद्यमे तकर सामान्यीकरण नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४८४. पञ्चमाक्षर आ अनुस्वार

नियम ङ, ञ, ण, न, म पञ्चमाक्षर अछि; अनुस्वार भिन्न वर्तनी-चिह्न। भाषापाकमे वर्गक आधारपर दून पद्धतिक चर्चा अछि। मानक शब्दक स्थापित रूप अनुसार निर्णय करू; सभ नासिक्य ध्वनिक एकरूप प्रतिस्थापन नहि।

✓ मान्य उदाहरण सम्पादक, सम्बन्ध, सन्दर्भ

✗ त्याज्य उदाहरण संपादक, संबंध, संदर्भ; सभ ठाम कृत्रिम संयुक्ताक्षर

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४८५. अनुस्वार आ चन्द्रबिन्दु

नियम अं आ अँक लेखन-कार्य एक नहि। अनुनासिक स्वर आ अनुस्वारक भेद शब्दक उच्चारण आ स्वीकृत वर्तनी देखिकऽ राखू; नुक्ता आ अनुस्वारकेँ एक-दोसरासँ नहि मिलाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
 प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
 प्रक्रिया

४८६. संयुक्ताक्षर आ उच्चारणक भिन्नता

नियम यक उच्चारण ज जकाँ, वक उच्चारण ब जकाँ वा षक उच्चारण ख जकाँ
 सुनाइ सकैत अछि । एहन श्रवण मात्रसँ तत्सम शब्दक लिखित वर्ण बदलल नहि
 जाए; शब्दक रूप, इतिहास आ विधा जाँचू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
 प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
 प्रक्रिया

४८७. व आ बक प्रसंग

नियम विद्या, देवता, वंश जकाँ स्थापित तत्सम वर्तनी केवल स्थानीय
 उच्चारणक कारण 'ब'मे नहि बदलू । ओहि संग जीवित तद्भव/लोक शब्दमे जे
 ब मान्य अछि तकरा संस्कृतसंगति लेल 'व' नहि बनाउ ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
 प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
 प्रक्रिया

४८८. य आ जक प्रसंग

नियम योग, यमुना, युग जकाँ पदक शब्दकोशीय वर्तनी उच्चारणक स्थानीय ज-
 रूपसँ नहि बिगाड़ू । पात्रक संवादमे स्वर-लक्षण बचबाक स्थान अलग अछि ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४८९. ए आ यक विकल्प

नियम 'आएल/आयल', 'कएल/कयल', 'होयत/होएत/हएत'—एहि सभ रूपकें विदेह लेखनमे मान्य लेखकीय विकल्प मानल जाएत । कोनो एकटा रूपकें सार्वभौम शुद्ध आ शेषकें अशुद्ध नहि घोषित करू । लेखक अथवा परियोजना अपन शैलीपत्रमे रूप चुनि मूल गद्यक एकरूपता राखथि; मूल उद्धरण, पात्र-वाणी आ स्थानीय/ऐतिहासिक रूप जसक तस सुरक्षित । ई वर्तनी-विकल्प अछि; 'देत/दैत' सन काल-पक्षभेदवला रूप एक श्रेणी नहि ।

✓ मान्य उदाहरण आएल/आयल; कएल/कयल; होयत/होएत/हएत—सभ मान्य ।

X त्याज्य उदाहरण चुनल विकल्पकें स्रोत-परिवर्तन वा व्याकरणिक कारण बिना एकहि लेखकीय गद्यक भीतर मनमाना मिश्रित करब ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४९०. शब्दक आरम्भमे ए

नियम एहि, एना, एकर, एहन जकाँ रूपक आरम्भिक ए सुरक्षित राखू । लोक उच्चारणक आधारपर आरम्भमे य लगेनाइ नव सामान्य गद्यक मानक नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४९१. ध्वनि-लोप आ क्रियाक लय

नियम कए → कऽ जकाँ लोप-चिह्नक उदाहरण भाषापाकमे अछि। मुदा सभ ठाम 'ऽ' जोड़ि देब नहि; पूर्ण रूप, संक्षिप्त रूप आ क्रियाक प्रसंग अलग-अलग सत्यापित करू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४९२. हलन्तक विवेक

नियम साधारण नव मैथिली शब्दमे अनावश्यक अन्तिम हलन्त नहि जोड़ू। स्थापित तत्सम, पारिभाषिक रूप आ ध्वनिविज्ञानक उदाहरणमे आवश्यक हलन्त बनल रहि सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४९३. स्वर-स्थानान्तरण आ लिखित रूप

नियम भाषापाकमे पानि, दालि, माटि जकाँ रूपक उच्चारणगत परिवर्तनक चर्चा अछि। उच्चारणक एहि व्याख्यासँ नव कृत्रिम वर्तनी स्वीकृत नहि मानू; विदेहक अपन पानि, दालि आदि स्थिर रूप प्रयोग करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१४. लिपि आ ध्वनिक समुचित शिक्षण

नियम इग्नूक देवनागरी-तिरहुता परिचयमे वर्ण, मात्रा, संयुक्ताक्षर, संख्या आ लिखित अभ्यास क्रमबद्ध अछि। भाषा-शिक्षणक उदाहरण बनबैत ध्वनि, वर्ण आ अक्षरक अलग इकाइ पहिने चिन्हित करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४१५. मिथिलाक्षर आ देवनागरीक स्वतन्त्रता

नियम मिथिलाक्षरक लेखन-संरचना देवनागरीक केवल सजावटी रूप नहि अछि। एक लिपिसँ दोसरमे जखन पाठ रूपान्तर हो, मूल वर्णरूप, ध्वनि आ संहिताक अलग सत्यापन करू। सतरहम भाग

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र तिरहुता / देवनागरी / डिजिटल रूपान्तरण

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

कारक आ क्रियाप्रयोग

४१६. एकल कारकचिह्नक लेखन

नियम कारक-विभक्ति लिखैत मूल संज्ञा वा सर्वनामक साथ सम्बन्ध अनुसार 'क', 'कै', 'सँ', 'मे', 'पर', 'लग' लगाउ। 'कै'क कर्म/सम्प्रदान भूमिका आ 'क'क सम्बन्ध भूमिका भिन्न अछि; हिन्दी 'को'सँ यान्त्रिक रूपान्तर निषिद्ध।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिऐल गेल मुदा क्रिया नहि ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४९७. दू सम्बन्धचिह्न एकसंग

नियम 'एहिमेसँ' जकाँ पदबन्धमे पहिल सम्बन्ध रूप आ दोसर स्वतन्त्र पद बनि सकैत अछि । दूटा चिह्न देखितहि सभकँ एक संग जोड़ि देब वा सभकँ अलग करब उचित नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४९८. मे बनाम में

नियम स्थानीय सम्बन्धसूचक 'मे'कँ हिन्दी 'में'क रूपमे नहि लिखू । नव गद्यक उदाहरण : 'गाममे', 'पोथीमे'; मूल उद्धरणमे प्रमाणित पाठ अलग रहत ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकँ बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

४९९. कै आ कक भेद

नियम 'ओकराकँ' कर्म/सम्प्रदानक पद अछि, 'ओकर पोथी' सम्बन्धवाचक ।

हिन्दी 'को/का'क एक-एक शब्द बदलि मैथिली कारक नष्ट नहि करू ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५००. कऽ आ कक भेद

नियम 'कऽ' पूर्वक्रियाक सङ्क्षिप्त अव्यय वा प्रसङ्गानुसार प्रयोग अछि; 'क' सम्बन्धवाचक विभक्ति । 'जा कऽ' आ 'गामक'क विभेद अक्षर-स्तरपर सेहो निर्णायक अछि ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०१. सँ आ सऽ

नियम विदेहक नव लेखनमे स्वीकृत 'सँ' राखू । स्रोतमे भेटल 'सऽ' अथवा उच्चारण-सङ्क्षेप साहित्यिक पाठक विशिष्ट प्रमाण भऽ सकैत अछि; तकर यान्त्रिक विस्तार नहि ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०२. तँ आ तऽ

नियम शर्तक 'जँ...तँ' आ कथनक बलाघात-चिह्नक प्रयोग अलग राखू। एकर स्थान बदललापर वाक्यक आशय बदलिए सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०३. केर आ क

नियम पुरान पद्य वा स्रोतगत प्रयोगमे 'केर' भेटि सकैत अछि। नव सामान्य गद्यमे स्वाभाविक 'क' प्राथमिक राखू—'गामक लोक'; पद्यक छन्द आ स्रोतक पाठभेद आन्तरिक प्रमाणसँ परखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०४. संख्यावाची टा

नियम 'एकटा', 'दूटा', 'छहटा' जकाँ गणनामे टा सटा सकैत अछि; आन प्रयोगमे ओकर सम्बन्ध बुझिकऽ निर्णय करू। एकटा अङ्क आ व्यक्तिवाचक बहुवचनक ढाँचाकेँ समान नहि मानू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०५. क्रियाक चालू रूप

नियम 'दैत अछि', 'करैत अछि' कार्यक आवृत्ति वा चलन दर्शा सकैत अछि; 'देत' भविष्यक रूप अछि। शब्दक एक वर्ण बदलला मात्रसँ समयक अर्थ बदलि जाएत, तँ सम्पूर्ण उपवाक्य परखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०६. पूर्वकालिक रूप

नियम 'देखि कऽ', 'कऽ लेल', 'खा गेल' जकाँ रूपमे क्रियाक क्रम, क्रियाविशेषणीयता आ स्थानीय बोलचालक अंतर अछि। मूल आशय बुझने बिना सभकँ समान अर्थक रूप नहि ठहराउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०७. लगल-लागल संरचना

नियम आरम्भबोधक क्रियामे 'ओ घुरऽ लागल' आ 'अन्हार खसय लागल' जकाँ स्वीकृत रूप राखू; 'घुरबाक लगल'क बनावटी रूप वर्जित।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०८. इकार-लोप आ वाचिकता

नियम 'रहए', 'रहै', 'छलए', 'छलै'क रूप आ अर्थ सन्दर्भानुसार जाँचू। कोन स्थानीय उच्चारणकें बिना प्रमाण सार्वदेशिक साहित्यिक रूप नहि मानू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५०९. नकारक स्वर

नियम 'नहि' आ 'नै' दुनू लेखकीय गद्य आ साहित्यिक वाणीमे मान्य। कोन संस्करण प्रयुक्त होएत से लेखक अपन शैलीपत्रमे निश्चित करथि आ एकरूपता राखथि। 'नै' बलाघात, प्रश्न वा विशिष्ट व्याकरणिक प्रयोगमे स्वतंत्र अर्थ रखैत अछि; ओकरा एहि दू नकारक रूपक अन्ध विकल्प नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण एक रचनामे नहि अथवा नै; मूल वाणी सुरक्षित।

✗ त्याज्य उदाहरण चुनल विकल्पकें स्रोत-परिवर्तन वा व्याकरणिक कारण बिना एकरा लेखकीय गद्यक भीतर मनमाना मिश्रित करब।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१०. आदरक संग क्रियाक एकरूपता

नियम अहाँ, हुनका, लेखक, छात्रसभ जकाँ सन्दर्भमे उपयुक्त पुरुष, संख्या आ आदर सूचक रूप मिलाउ। 'पोथी छथि' जकाँ निर्जीवपर अनुपयुक्त सम्मानसूचक प्रयोग नहि। अठारहम भाग

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदलिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

शब्दार्थ आ सांस्कृतिक अर्थ

५११. शब्दार्थक क्षेत्र

नियम कोनो शब्दक एक मात्र शब्दकोशीय समतुल्य नहि होइत अछि। पदार्थ, क्रिया, सम्बन्ध, लोक-सन्दर्भ आ लाक्षणिक अर्थ अलग देखिकऽ नव वाक्यमे रूप चुनू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१२. पर्यायवाचीक सीमा

नियम दू शब्द अर्थमे निकट भेला पर सेहो सामाजिक मर्यादा, भाव, मात्रा, प्रसंग आ ध्वनिक लयमे भिन्न भऽ सकैत अछि। समानार्थकता = सभ ठाम अदलाबदल नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१३. विलोमार्थ आ अर्थक धुरी

नियम विलोम चुनैत देखू जे विरोध वस्तु, अवस्था, दृष्टिकोण वा मूल्यांकनमे अछि। 'उजास/अन्हार'क विरोध आ 'स्वीकृति/अस्वीकृति'क तर्क एक ढंगक नहि।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१४. अनेकार्थी शब्द

नियम एक रूपक अनेक अर्थ स्रोत-सन्दर्भमे चिन्हित करू। पाँति वा वाक्य काटि देने ओकर वास्तविक अर्थ बदलि सकैत अछि; उदाहरणमे सन्दिग्ध अर्थक अगल-बगल वाक्य सेहो राखू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१५. समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द

नियम सुनबामे मिलैत शब्दकेँ एक रूप बना कऽ अर्थ नष्ट नहि करू। कोश बनवैत प्रत्येक अर्थ लेल स्वतन्त्र संकेत, उदाहरण आ आवश्यकता अनुसार उच्चारण-सूचना दिअ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१६. मुहावरा आ शाब्दिक अर्थ

नियम मुहावराक वास्तविक अर्थ ओकर शब्दसभक जोड़ मात्र नहि। लोक-परिस्थिति, कथनक प्रयोजन, व्यंग्य, प्रशंसा, आक्षेप वा विनोद चिन्हित करू; नव बनावटी मुहावरा नहि गढ़ू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१७. लोकोक्ति आ तर्क

नियम लोकोक्ति लोकक प्रचलित कथन अछि, स्वतः सर्वकालिक वैज्ञानिक सत्य नहि। शोध-समीक्षामे लोकोक्तिक प्रयोगक सामाजिक प्रयोजन देखू; ऐतिहासिक अथवा सांख्यिक प्रमाण अलग माँगू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१८. सांस्कृतिक सन्दर्भ

नियम पाबनि, व्रत, पाँजि, भोजन, वस्त्र, गीत, कृषिकर्म आ पेशागत औजारक नाम सामान्य पर्यायसँ बदलि देला पर सांस्कृतिक सूचना गुमि सकैत अछि। विषयगत शब्दावली आ प्रामाणिक स्थानीय स्रोत देखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१९. कोशक शब्द, लेखकक वाक्य

नियम शब्दकोश अर्थक सम्भावना देखबैत अछि; साहित्यिक कथन सन्दर्भमे चुनेल अर्थ। कोशमे रूप भेटलासँ रचनाक पाँतिमे ओ अर्थ लागू होएत, से प्रमाणित नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२०. शब्दक सामाजिक स्तर

नियम आदर, स्नेह, परिहास, अपमान, जाति अथवा पेशा चिन्हित करबामे शब्दक उच्चारण, सम्बोधन आ व्याकरण सहभागी अछि। पात्रक सामाजिक वाणीकें सम्पादकीय कथ्यक रूपमे नहि थोपि दिअ।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२१. लोकक पेशागत शब्द

नियम जाल, करघा, माटिक पात्र, धानक जाति, औषधीय जड़ी जकाँ नामक अर्थ अनुमानसँ नहि बनाउ। स्रोतक दृश्य आ प्रामाणिक विशेषज्ञक शब्द-साक्ष्यसँ सत्यापन करू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२२. हिन्दी प्रभावक सूक्ष्म क्षेत्र

नियम लेकिन/मुदा, कैसे/कोना जकाँ दृश्य शब्दक संग परसर्ग, क्रिया, सम्भाव्य अर्थ आ मुहावराक छिपल ढाँचा सेहो परखू। शब्द बदलि देने भरिसँ मैथिली वाक्य नहि बनैत।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२३. अभिधान आ भावार्थक अलग लेखन

नियम कोशमे पहिने प्रत्यक्ष अर्थ, तकर बाद प्रसंगगत आ रूपक अर्थ स्पष्ट करू। साहित्यिक समीक्षामे पाठक शब्दक भाव-मूल्य देखू; ओकरा इतिहास वा व्युत्पत्ति कहि नहि बेचू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२४. प्रमाण-पञ्जीवाली प्रविष्टि

नियम महत्त्वपूर्ण शब्दक संग मूल उद्धरण, संस्करण, पृष्ठ, पदभेद, अर्थ, प्रयोग-वर्ग आ विदेहक प्राथमिक रूप जोड़ू। जे प्रविष्टि अनिश्चित हो, ओकरा अस्थायी चिह्न दिअ। उन्नीसम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

विधागत लेखन

५२५. लेखनक उद्देश्य पहिने

नियम साहित्यिक कथा, शोधपत्र, विद्यालयी निबन्ध, अनुवाद, पत्र आ संवादक उद्देश्य एक नहि। लेखक पहिने पाठक-वर्ग, अपेक्षित जानकारी, प्रमाणक स्तर आ स्वर तय करू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२६. निबन्धक तीन स्तर

नियम निबन्धमे विषय-प्रस्तावना, तर्क/विवेचन आ निष्कर्षक स्वाभाविक सम्बन्ध राखू। कोनो निबन्धकेँ सूची-अनुच्छेदक ढेर वा प्रचारात्मक घोषणा नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२७. विषय-वाक्य आ अनुच्छेद

नियम अनुच्छेदमे मुख्य विचार पर्याप्त स्पष्ट रहय, तकर समर्थनमे उदाहरण, तुलना, विवरण अथवा पाठ-साक्ष्य दिअ। नव तर्क शुरू भेलासँ नव अनुच्छेद दियौ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२८. रचनाक आरम्भ

नियम कथा वा निबन्धक पहिल वाक्य पाठककेँ स्थान, परिस्थिति, समस्या वा प्रमुख बोधमे प्रवेश करबाउ। बनावटी सार्वभौम घोषणा अथवा अनावश्यक तात्त्विक प्रस्तावना टारू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५२९. संवादक सम्बन्ध-चिह्न

नियम संवादमे के ककरा बजैत अछि, आदरक दूरी केहन अछि आ उत्तरक वास्तविक प्रतिक्रिया की अछि, से क्रियारूप आ सम्बोधनमे स्पष्ट हो। सभ पात्र एकहि विद्वत् भाषा नहि बजत।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३०. संवादमे कथावाचकक हस्तक्षेप

नियम प्रत्येक संवाद-पाँतिक बाद पात्रक भावक व्याख्या नहि दोहराउ। केतहु मौन, आचरण, विराम आ अपूर्ण उत्तर अर्थकेँ आगाँ बढ़ाबैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३१. पत्रक संरचना

नियम प्रेषक, प्राप्तकर्ता, सम्बोधन, विषय, मुख्य बात, अपेक्षित प्रतिक्रिया आ समापनक सम्बन्ध विधा अनुसार रहय। आधिकारिक पत्र आ निकट सम्बन्धक चिट्ठीक भाषा अलग होइत अछि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३२. अनुवादक अर्थानुशासन

नियम पहिने मूल पाठक कथ्य, वाच्य, शर्त, नकार, समय आ सांस्कृतिक संकेत समझू; फेर सहज मैथिली वाक्य रचू। मूल लेखकक अनिश्चयकें पक्क तथ्य, वा रूपककें साधारण विवरण नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३३. भाषा-शिक्षणमे क्रम

नियम वर्ण-परिचयसँ शब्द; शब्दसँ वाक्य; वाक्यसँ अनुच्छेद; अनुच्छेदसँ विधा— एहन क्रम आरम्भिक शिक्षणमे उपयोगी अछि। मुदा उन्नत साहित्यिक लेखनमे ई क्रम कौशलक मानचित्र अछि, कठोर बाध्यता नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३४. उदाहरण आ अभ्यासक भेद

नियम पाठ्यक्रमक अभ्यास-पाँति भाषिक पहिचान सिखेबाक लेल होइत अछि। ओकरा प्रकाशित साहित्यक प्रामाणिक उद्धरण वा सार्वभौम रूपक निर्णयक समान दर्जा नहि दिअ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३५. कथा बनाम विवरण

नियम कथामे घटना, पात्रक क्रिया, दृष्टिकोण, समय आ अनकहल अर्थक परत आवश्यक भऽ सकैत अछि; विवरणमे क्रमबद्ध तथ्य पर्याप्त होइत अछि।

समीक्षा करैत कृति जे करैत अछि ताहिपर बात करू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३६. शोधपत्रमे स्रोत आ विश्लेषण

नियम कथांशक पाठ-साक्ष्य, तकर विश्लेषण आ आलोचनात्मक निर्णय तीनू अलग देखबाक चाही। मात्र उपन्यासक कथावस्तु घुमा-फिरा कऽ लिखल गेल तहन शोध नहि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३७. समाजविज्ञानक विषयभाषा

नियम समाज, संस्कार, परिवार, श्रम, लिंग, वर्ग आ संस्थागत सम्बन्धक प्रसंगमे वर्णन, प्रमाण आ मूल्यांकन अलग राखू। पाठ्यमे उदाहरण मात्र भेटलासँ बाह्य समाजक तथ्य प्रमाणित नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३८. जटिल विषयक साधारणीकरण

नियम शिक्षण-पाठ सरल भऽ सकैत अछि, मुदा सरलताक अर्थ तथ्य छोड़ब नहि। अपरिचित पारिभाषिक पदक पहिल प्रयोगपर मैथिलीमे परिभाषा दिअ।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५३९. विरामचिह्नक पाठ-सुलभता

नियम सिधा प्रश्नक चिह्न, भाषणक उद्धरण, गीतक पाँति, अनुच्छेदक विभाजन आ दण्डक प्रयोग एकरूप राखू। विचारक गति बदललासँ पंक्तिगत गति बदलि सकैत अछि। बीसम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति प्रसंगाधीन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

व्यावहारिक सम्पादन

५४०. नव गद्य बनाम मूल पाठ

नियम सभसँ पहिने निर्णय करू: ई नव लेखन अछि, कि मूल उद्धरणक सम्पादन? नव लेखनमे विदेहक स्वीकृत रूप; स्रोतपाठमे मूल भाषा सुरक्षित। जँ संशोधन अर्थ बदलैत अछि, ओकर स्पष्ट सम्पादकीय औचित्य रहय।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४१. केवल वर्तनी-सुधार

नियम वर्तनी सही करबाक चरणमे लेखकक अर्थ, काल, क्रियाक पुरुष, कविताक छन्द अथवा काव्यात्मक पुनरुक्ति चुपचाप नहि बदलू। अर्थ बदललासँ ओकरा अलग सम्पादकीय निर्णय मानू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४२. रूपांतरक परीक्षण

नियम 'कएल' आ 'कयल' दुनू मान्य लेखकीय रूप अछि; एकहि लेखकीय आवाजमे एकरूपता अपेक्षित। मुदा 'देत' आ 'दैत' समय/पक्षक भिन्नता देखबैत अछि, तँ ओ दू रूप वर्तनी-विकल्प नहि। रूपसुधार आ अर्थबदलाव अलग चिन्हित करू।

✓ मान्य उदाहरण ओ काज कएल अथवा कयल; ओ देत आ ओ दैत अछि, अर्थमे भिन्न।

X त्याज्य उदाहरण चुनल विकल्पकें स्रोत-परिवर्तन वा व्याकरणिक कारण बिना एकहि लेखकीय गद्यक भीतर मनमाना मिश्रित करब।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४३. सम्बन्ध-चिह्नक परीक्षण

नियम रामक/रामकेँ, ओकर/ओकरा, मे/पर, सँ/संग—ई युग्म अर्थक आधारपर चुनल जाए। गलतीक जड़ हिन्दी वा अंग्रेजी वाक्यक कागजी अनुसरण होइ सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४४. लोक-पदक संरक्षण

नियम गीत, दन्तकथा, ग्रामीण श्रमक विवरण आ जातीय पेशाक शब्दक सूचीमे स्थानीय नाम काटि संक्षेप नहि बनाउ। अर्थ निश्चय नहि हो तँ टिप्पणीमे संशय दर्ज करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४५. शब्दबदलावक अनुमत सीमा

नियम पानि, इनार, केवाड़ी, ओसारा, अएना, औंठा, बिलायल, बिसरल, चाह, कोठली जकाँ स्वीकृत रूप सामान्य नव सम्पादकीय मैथिलीमे लागू। पुस्तक-शीर्षक आ स्रोत-उद्धरण पर स्वतः नहि।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४६. इकार आ दीर्घता

नियम केवल अनुनाद वा बोलचालक कारण दीर्घ/द्वस्व मात्रा नहि बदलू; शब्दभेद, क्रियाक रूप आ स्थापित विदेह-मानक देखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४७. एकहि शब्दक एकरूपता

नियम एक ग्रन्थक भीतर चयनित वर्तनी-सूची बनाउ। अलग पात्रक संवादमे योजनाबद्ध भिन्नता सम्भव; सम्पादकीय कथावाचकमे अनचिन्हार अदलबदल दोष अछि।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४८. विभक्तिक अनावश्यक दोहराव

नियम बाहरी भाषाक अनुकरणमे सम्बन्धचिह्नक दोहराव वा लम्ब जंजीर बने तँ अर्थ अनुकूल छोट उपवाक्यमे फेर लिखू। कारक हटेबाक कारण मूल सम्बन्ध नहि गुमय।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५४९. त्रुटि खोजबाक क्रम

नियम पहिने आशय; तकर बाद वाक्य, क्रिया, आदर, कारक; तकर बाद शब्दरूप, वर्तनी, मात्रा; अन्तमे विराम, टंकण आ पृष्ठविन्यास। उलटा क्रम राखलासँ अर्थ-दोष बचि सकैत अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५०. पाठ-शुद्धिक तीन पास

नियम पहिल पाठ : अर्थ आ स्रोत; दोसर : व्याकरण आ शब्द-स्वर; तेसर : टंकण, शीर्षक, क्रमाङ्क, तिथि आ अङ्क। एके बेरमे सभ सुधार करैत अप्रमाणित फेरबदल नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५१. प्रमाणित-अप्रमाणित चिन्ह

नियम सम्पादकीय समीक्षा-अभिलेखमे प्रत्येक कठिन शब्दक संग 'सिद्ध', 'स्वीकार्य विकल्प', 'स्थानीय' अथवा 'पुनर्जाँच' लिखू। प्रकाशनमे अनावश्यक आन्तरिक टिप्पणीक प्रवेश नहि हो।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५२. लिप्यन्तरण आ तकनीकी खोज

नियम ड/ड, ढ/ढ, अनुस्वार, चन्द्रबिन्दु, अवग्रह आ 'कैं'क अक्षरक्रमक युनिकोड-जाँच करू। एकर दृश्य समानता पर्याप्त नहि; खोज, प्रतिलिपि, पाठ-निकासी आ छपाइ सभ माध्यममे स्थिरता चाही।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५३. मूल दस्तावेजक स्थायित्व

नियम पुरान स्वीकृत निर्देशिका स्वतन्त्र प्रति रूपमे सुरक्षित राखू। नव स्रोत जोड़ैत पहिने स्वीकृत नियमक क्रमाङ्क, पाठ-साक्ष्य आ स्रोत-सारणी हटाउ नहि। एकैसम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

प्रकाशन-पूर्व परीक्षण

५५४. पहिल परीक्षा—अक्षर

नियम वर्तनी-परीक्षणमे 'ड' आ 'ढ' छोड़ि आन नुक्तायुक्त अक्षर हटाउ; आरम्भक ड/ढ नुक्तारहित राखू; भीतरक ड/ड़ आ ढ/ढ ध्वनि आ शब्दरूप देखिकऽ जाँचू । मूल गैर-मैथिली उद्धरणक विशेष स्थितिक अभिलेख राखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५५. दोसर परीक्षा—नासिक्य

नियम अँ आ अं आ नासिक्य व्यञ्जनक अर्थगत भेद जाँचू । सभ अनुस्वारकें चन्द्रबिन्दु अथवा सभ चन्द्रबिन्दुकें अनुस्वार नहि बनाउ ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५६. तेसर परीक्षा—रूपरचना

नियम सर्वनाम, कारक, सम्बन्धसूचक, बहुवचन, गणना आ क्रियाक पुरुष सही अछि कि नहि, से वाक्य-दर-वाक्य देखू।

✓ मान्य उदाहरण कर्ता, सर्वनाम आ क्रियामे आदरक स्तर मिलाओल गेल।

X त्याज्य उदाहरण आदरक स्तर बदल्लिएल गेल मुदा क्रिया नहि।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५७. चारिम परीक्षा—क्रियाक समय

नियम भविष्य/वर्तमान, पूर्ण/अपूर्ण, शर्त/निश्चय, दैत/दैत, आरम्भबोधक 'लागल' आ पूर्वकालिक 'कऽ' परखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५८. पाँचम परीक्षा—रजिस्टर

नियम लेखकीय कथावाचक, पात्रक संवाद, लोकगीत, शोध-समीक्षा आ शैक्षिक गद्यक भाषा अनावश्यक रूपसँ एक-दोसरामे नहि मिलय।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५५९. छठम परीक्षा—शब्दार्थ

नियम समानार्थी देखबाक छलमे अर्थ घटल/बढल अछि कि नहि; मुहावरा, लोकपद, तकनीकी नाम आ पाँजि-सम्बन्धी पद सुरक्षित अछि कि नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५६०. सातम परीक्षा—स्रोत

नियम मूल पृष्ठ, पुस्तक-शीर्षक, इकाइ, कल्लोल आ अनुच्छेद-संकेत सत्यापित; पीडीएफ पृष्ठ आ मुद्रित पृष्ठक भिन्नता स्पष्ट।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५६१. आठम परीक्षा—प्रकाशन

नियम अनुक्रमक प्रत्येक प्रविष्टिक पृष्ठ मेल खाय; शीर्षक, पादटिप्पणी, सारणी, पृष्ठ-संख्या, भीतरक हाशिया, रङ्ग-अन्तर आ छपाइक अक्षर पठनीय रहय।

वेब-पता आ क्यूआर कूट सत्यापित करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५६२. अन्तिम निर्णयक लिपि

नियम जतय स्रोतभेद समाधान नहि भेल, ओतय निर्णय-दर्ज कएल जाए :
स्रोतगत रूप, विदेहक प्राथमिक रूप, दायरा, कारण, जाँचक स्थिति। केवल
अनुमानक आधारपर निर्णय 'अनिवार्य' नहि। बाइसम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति अनिवार्य; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

नूतन सम्पादकीय निर्णय

५६३. कम्पोज्ड आ विखण्डित वर्णक समान दृश्य

नियम युनिकोडमे 'ड/ढ' पूर्वनिर्मित अथवा मूल वर्ण+नुक्ता—दू प्रकारँ रहि सकैत अछि। पाठ-प्रक्रियामे मानक युनिकोड सामान्यीकरण अपनाउ, मुदा दृष्टिपरीक्षणँ छापाक सठिक रूप सुनिश्चित करू। नुक्ता मूल 'ड/ढ'सँ अलग पड़ि नहि जाए।

✓ मान्य उदाहरण ड + ँ आ पूर्वसंयोजित डक तुलनात्मक जाँच

X त्याज्य उदाहरण दृश्यसमान रूपक अस्तित्व नहि मानब

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५६४. आदिक ड/ढक स्थायी जाँच

नियम नव मैथिली शब्दक आरम्भमे ड/ढ नहि लिखू; आरम्भमे साधारण ड वा ढ प्रयोग करू। विशिष्ट व्यक्तिनाम अथवा मूल भाषाक उद्धरणकें स्वकीय लिप्यन्तरणक समस्या मानि अलग साक्ष्य-जाँच करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५६५. प्रत्येक मध्यस्थ ढ नुक्तायुक्त नहि

नियम 'ढ' शब्दमध्य कतहु साधारण उच्चारणक अङ्ग हो सकैत अछि । केवल शब्दक स्थिति देखिकऽ नुक्ता नहि लगाउ; ध्वनि, अर्थ, कोश आ लेखक-प्रयोगक मिलानक बादे 'ढ' ठहराउ ।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५६६. शब्दरूप बनाम शब्दार्थ

नियम एके लिखित शब्दक दोसर अर्थ होय तँ शैली-सूचीमे अलग प्रविष्टि दियौ । समानार्थी जकाँ देखाइत शब्दकें वर्ग, पेशा, समय, भाव अथवा सांस्कृतिक संकेत नष्ट करैत नहि बदलू ।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५६७. उद्धरणक तीन श्रेणी

नियम शब्दशः उद्धरण, अर्थानुवाद आ आलोचकक सार-विवरण अलग प्रकार अछि ।

शब्दशः उद्धरण लेल पुस्तक/संस्करण/पृष्ठ वा मूल अनुच्छेद देब

आवश्यक; अपठनीय अंशकें अनुमानसँ भरि कऽ उद्धरण नहि बनाउ ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।
 X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।
 अपवाद मूल उद्धरण, शोध-पाठ आ उद्धृत भाषणक चिह्न स्रोतअनुसार राखू;
 सम्पादकीय टिप्पणी फराक ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
 प्रक्रिया

५६८. स्रोत-विश्वसनीयताक श्रेणी

नियम प्राथमिक मूल पाठ, प्रमाणित छापाक संस्करण, लेखकक स्वीकृत
 संशोधन, पाठान्तर, पाठ्यपुस्तक, शब्दकोश आ लोकवाणी अलग साक्ष्य-श्रेणी
 अछि । विपरीत कथन भेटलापर पहिले स्रोतक प्रकृति आ प्रयोजन जाँचू ।
 ✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।
 X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
 प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
 प्रक्रिया

५६९. प्रमाण-अभावक सार्वजनिक संकेत

नियम जतय संस्करण अथवा मूल पाठ उपलब्ध नहि, ओतय निश्चित उद्धरण
 वा पृष्ठ-संख्या नहि गढ़ू । अध्ययन-टिप्पणीमे अप्रमाणित स्थिति रखू; प्रकाशनमे
 केवल जाँचल विवरण लिखू ।
 ✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।
 X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।
 अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत
 प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
 स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग
 प्रक्रिया

५७०. व्यक्तिसम्बन्धी सम्मानक स्थिरता

नियम अहाँ, हुनका, हुनक, छथि, करैत छथि जकाँ सम्बद्ध रूप एके वाक्यमे सम्मान-स्तर अनुसार मिलय। पात्रक सामाजिक दूरी बदललापर साहित्यिक प्रसंगमे रूप-बदलाव सम्भव, मुदा सम्पादकीय कथनमे अनपेक्षित उतार-चढ़ाव नहि।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७१. निर्जीवक क्रियासंगति

नियम पोथी, नदी, शहर, योजना, कविता, विचार, दस्तावेज जकाँ निर्जीव कर्तासँ संबद्ध सामान्य सहायक क्रिया अर्थानुकूल 'अछि/छै' अछि। जँ ओ देवी, पात्र अथवा मानवीकृत सम्बोधनक रूपमे अछि तँ स्रोतक प्रसंग अलग जाँचू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७२. कर्ता-कर्मक पुनर्परीक्षा

नियम अनिर्दिष्ट 'कियो'कँ हिन्दी 'किसी ने'क प्रतिरूप 'ककरो' नहि बनाउ। कर्म, सम्प्रदान, सम्बन्ध, साधन आ तुलना—पाँचू भूमिकाक कारक अलग दृष्टिसँ परखू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७३. वर्तमान आ भविष्यक भेद

नियम दैत/देत, होइत/होएत आ समान ध्वनिबला रूपसभक रूप-परीक्षणमे पूरा वाक्य पढ़ू। काल-रूपक केवल वर्तनी बदललासँ आशय बदलि सकैत अछि; तँ अर्थ-सत्यापन पहिने।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७४. अनिश्चितता आ शर्तक रक्षा

नियम जाँ-तँ, सम्भव, आकि, कदाचित्, अनुमान आ पात्रक आशा आ शङ्काकें तथ्यक रूपमे नहि लिखू। समीक्षामे कथावाचकक दावा, पात्रक विश्वास आ बाह्य प्रमाण अलग राखू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७५. लोकवाणी आ मानक गद्यक सीमा

नियम लोकगीत, व्रतकथा, कहबी, पेशागत पद आ क्षेत्रीय संवादमे स्रोत-निष्ठ रूप सुरक्षित। मानक सम्पादकीय गद्यमे एहन रूप राखला पर प्रसंग-चिन्ह स्पष्ट हो; केवल क्षेत्रीयता समाप्त करबाक लेल अर्थ नहि नष्ट करू।

✓ मान्य उदाहरण शब्द बदलासँ पहिने ओकर आशय आ प्रसंग जाँचल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण केवल शब्द-समानता देखि अर्थ बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।
 प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७६. अनुवादमे सांस्कृतिक अनुवर्ती अर्थ

नियम चाह, कोठली, ओसारा, पानि, तरहड़ि, पाँजि, लोकपर्व जकाँ शब्दक सांस्कृतिक सन्दर्भ बुझि अनुवाद करू । मात्र समीपवर्ती हिन्दी/अंग्रेजी शब्द अनेक बेर पूरा अर्थ नहि पहुँचाबैत अछि ।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७७. शोध-लेखनमे पाठ-साक्ष्य

नियम शोधक निष्कर्षक सोझाँ मूल पाठक सन्दर्भ, विश्लेषणक विधि, वैकल्पिक अर्थ आ निर्णयक सीमा प्रस्तुत करू । सारांश मात्रकें समीक्षा नहि कहल जाए; साहित्यिक कल्पना आ बाह्य ऐतिहासिक तथ्य अलग राखू ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७८. साहित्यिक आलोचनाक आधुनिक शब्द

नियम आख्यान-विज्ञान, कथन-दृष्टि, कालक्रम, स्मृतिमूलक पुनरागमन, अविश्वसनीय कथावाचक आ अन्तरपाठीयता आदि पद जखन उपयोगी, तखन मैथिली व्याख्या संग उपयोग करू; मूल रचनामे अनुपस्थित प्रविधिक दावा नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५७९. नव्य न्याय आधारित साक्ष्य-परीक्षा

नियम प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्दप्रमाण, उपमान, अभाव आ हेत्वाभासक चर्चा प्रसंग-संगत रह्य। साहित्यक भीतर पात्रक कथनकेँ स्वतः प्रमाणित इतिहास नहि मानू; तर्कक आश्रय आ निष्कर्षक व्याप्ति स्पष्ट करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८०. समानान्तर इतिहासक पद्धति

नियम मिथिला, वज्जि, अङ्ग, नेपाल-मधेश आ लोक-परम्पराक आख्यानसभक तुलना करैत स्थल, काल, बोली, स्रोतक उत्पत्ति आ विकल्पक स्वतन्त्रता सुरक्षित राखू। एक स्रोतक मौनकेँ दोसर स्रोतक निषेध नहि बनाउ।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८१. लिङ्ग आ सामाजिक सम्बोधन

नियम मानवीय गरिमा, पदनाम आ सामाजिक पृष्ठभूमिक लेखनमे पात्रक स्वयंप्रयोग आ साहित्यिक युगक शब्दरूप देखू। अपमानसूचक संवाद जाँ आलोचनाक विषय अछि, तँ ओकरा लेखकक मतक रूपमे सामान्यीकृत नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८२. अनुच्छेदक शिल्प

नियम एक अनुच्छेदमे एक प्रधान विचार, तकर समर्थन आ अगले विचारसँ प्रासंगिक सम्बन्ध रहय। लम्ब वाक्य केवल विद्वत्ताक कारण नहि; विश्लेषणक विवेक आ भाषाक गति अनुसार विभाजन करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच
स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८३. प्रश्नोत्तर आ संवाद

नियम सीधा प्रश्नमे उचित प्रश्नचिह्न, कथन-संकेत आ वक्ता-भेद रहय। संवादक मौखिकता अनावश्यक रूपसँ शोधक औपचारिक गद्यक संग नहि मिलय।

✓ मान्य उदाहरण पात्रक बोली आ विधागत भेद सुरक्षित राखल गेल।

✗ त्याज्य उदाहरण सभ विधामे एकहि यान्त्रिक रूप थोपल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८४. शीर्षक आ उपशीर्षकक श्रेणी

नियम भाग, अध्याय, उपाध्याय आ नियमक शीर्षक साङ्गोपाङ्ग पाठक सहायक क्रम अछि। एके स्तरक समान फॉन्ट-भार, विराम, पृष्ठ-विन्यास आ अङ्क-पद्धति उपयोग करू।

✓ मान्य उदाहरण नियमक अर्थ-परीक्षा कऽ नव गद्यक प्रसंगमे ओकरा लागू कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण प्रसंग नहि पढ़ि यन्त्रवत् शब्द बदलल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८५. अनुक्रमक पृष्ठ-जाँच

नियम अन्तिम पीडीएफ तैयार भेलापर प्रत्येक शीर्षकक वास्तविक पृष्ठ-संख्या संग अनुक्रम मिलाउ। संशोधनसँ पृष्ठ बदलि जाए तँ अनुक्रम फेर तैयार करू; अनुमानित संख्या प्रकाशित नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८६. मुद्रणक भीतरी हाशिया

नियम ६×९ इंच पोथी लेल बाइंडिंग/गटर पृष्ठ-संख्याक अनुसार राखू।

देवनागरी मात्रा आ पृष्ठ-संख्याक बाहर कटबाक, तालिकाक तंग होएबाक,

शीर्षकक टुटबाक आ खाली पृष्ठक अनावश्यक निर्माणक जाँच करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८७. क्यूआर कूटक तकनीकी परीक्षण

नियम छपाइ लेल श्वेत शान्त-सीमा सहित वास्तविक क्यूआर कूट बनाउ;

सजावटी चित्रकें क्यूआर नहि मानू। दूनु जाल-पता अलग-अलग

स्वचालित/मोबाइल स्कैनसँ मिलाऊ आ दोसर जाल-पता पहिलपर नहि पहुँचय।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच

स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८८. अक्षर-स्तरीय अन्तिम निरीक्षण

नियम नुक्ता, अवग्रह, दीर्घ-मात्रा, िकार, अनुस्वार-चन्द्रबिन्दु, दृश्य-

अक्षरभङ्ग, संयुक्ताक्षर आ ओसीआरसँ बिगड़ल अक्षर—ई सबकें मात्र

स्वचालित बदलीसँ नहि, मानव-पाठ-साक्ष्यसँ परखू।

✓ मान्य उदाहरण मूल अक्षर-शृङ्खलाक जाँचि शुद्ध लिखित रूप चुनल गेल।

X त्याज्य उदाहरण केवल दृश्य देखि अदृश्य अक्षर-त्रुटि उपेक्षित कएल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५८९. शब्दरूप-सूचीक ध्वन्यात्मकता

नियम 'पानि', 'इनार', 'औंठा', 'तरहड़ि', 'केवाड़ी', 'अएना', 'पित्तरि', 'ओसारा', 'बिलायल' आदि रूपकेँ नव सम्पादकीय गद्यमे स्थिर राखू; मूल लोकवाणी उद्धरणमे ताहि परंपराक भेद सहित।

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकेँ बिना संकेत बदलि देल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५९०. स्रोत-पञ्जीक सत्यता

नियम पोथी, लेखक, संस्करण, प्रकाशक आ वर्ष जतेक मूल दस्तावेजसँ प्रमाणित ततेके लिखू। अनुमानित प्रकाशन-विवरण, असत्य आईएसबीएन अथवा मनगढ़न्त पृष्ठ-संख्या प्रकाशित नहि करू।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकेँ प्रमाण मानल गेल।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५९१. पुनरावर्तन-समीक्षा पद्धति

नियम नव संस्करण बनेबाक क्रममे पहिल पाठसँ शब्द जाँचू, दोसर पाठसँ क्रिया/कारक/प्रमाण, तेसर पाठसँ मुद्रण/अनुक्रम/कूट। पछिल स्पष्ट सम्पादकीय सुधार सदैव पूर्वनिर्धारित सामान्य प्राथमिकतासँ ऊपर अछि।

✓ मान्य उदाहरण मूल स्रोत देखलाक बाद सुधार प्रमाण सहित दर्ज कएल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण स्रोत नहि देखि अनुमानकें प्रमाण मानल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

५१२. पुस्तकात्मक अन्तिम स्वीकार्यता

नियम पाठमे कोनो सम्पादकीय आदेश, यन्त्रनिर्माणक चिह्न, छद्म सन्दर्भ अथवा अपठित पुस्तकक निराधार उद्धरण नहि रहय । स्वीकृत पाठ, देवनागरी अक्षर, मुद्रण आ पाठकक अर्थग्रहण—चारूकें अन्तिम कसौटी मानू । तेईसम भाग

✓ मान्य उदाहरण मूल उद्धरणक रूप जाँचि जसक तस राखल गेल ।

X त्याज्य उदाहरण मूल उद्धरणकें बिना संकेत बदलि देल गेल ।

अपवाद उद्धरणक मूल अक्षर जसक तस; शब्दक ऐतिहासिक आ विधागत प्रसंगक रक्षा ।

प्रयोगक्षेत्र नव गद्य / सम्पादन; मूल उद्धरण, संवाद, तकनीकी पदमे प्रसंग-जाँच स्थिति सम्पादकीय मार्गदर्शन; सम्पूर्ण मूल स्रोत-आधारित प्रमाणीकरण अलग प्रक्रिया

समेकित प्रतिस्थापन-पञ्जी

मूल तालिकासभसँ 494 भिन्न प्रविष्टि प्राप्त भेल । दोहरायल शब्द-जोड़ीक मूल स्थान मशीन-पठनीय कोशमे सुरक्षित अछि । आब कोनो शब्द-युग्मकें केवल सूचीमे देखिकें स्वतः बदलल नहि जाएत; “निश्चित”कें सेहो उद्धरण-सुरक्षा लागू अछि ।

जोड़शब्द/अव्यय

और → आ · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 6, निर्देशित रूप 2187 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम द२ । अधिकता वा अतिरिक्त अर्थमे ‘आरो’

तथा, एवं → आ · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2187

सीमा — औपचारिक सूचीमे ‘तथा’ सेहो मान्य

या → वा · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित

बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 48

सीमा — ‘अथवा’ औपचारिक

अथवा → अथवा / वा · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड

पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू

लेकिन → मुदा · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 807

सीमा — नियम द३

परन्तु, परंतु, किन्तु → मुदा · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड

पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 807

सीमा — औपचारिक गद्यमे ‘परन्तु’ मान्य

मगर → मुदा · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 807

बल्कि → वरन् / प्रत्युत · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड

पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 5

क्योंकि → किएक तँ / कारण जे · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल

वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 8

इसलिए → तैं / ताहि लेल · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 55

अतः → तैं / अतः · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 55

फिर भी, तब भी → तैयो · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 17

अगर, यदि → जँ · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 57

सीमा — नियम ७४

तो (परिणामसूचक) → तँ · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 933

सीमा — नियम ७४

जब → जखन · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 6, निर्देशित रूप 150 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-
जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ७३

तब → तखन · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 195 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-
जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ७३

जब तक → जखन धरि · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

तब तक → तखन धरि · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

जबकि → जखन कि · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2

सीमा — प्रसंग-सापेक्ष

कि (कथन-जोड़क) → जे · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 1024

सीमा — 'कहलक कि' → 'कहलक जे'

ताकि → जाहिसँ · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 6, निर्देशित रूप 4 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच
अनिवार्य

जैसे, जैसे कि → जेना · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 64

वैसे → तेना · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 8

जैसा → जेहन · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

वैसा → तेहन · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2

ऐसा → एहन · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 16

कैसा → केहन · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 8

ऐसे → एना · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 8

कैसे → कोना · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 102

सीमा — नियम ३४२

इतना → एतेक · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 29

उतना → ओतेक · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 7

जितना → जतेक · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 20

कितना → कतेक · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 85

सीमा — नियम ३३९

भी → सेहो · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित

बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 412

सीमा — प्रसंग-सापेक्ष

सिर्फ → मात्र / टा · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 147

- केवल → केवल / मात्र · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ५७
- बिल्कुल → एकदम / पूर्णतः · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २
- यानी → माने · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ५९
- मतलब (अर्थ) → अर्थ / माने · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप ६६
- वगैरह → आदि · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १२
- अर्थात् → अर्थात् · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १
- वास्तव में → वस्तुतः · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
- अलावा → बाहेक / अतिरिक्त · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ११
- सबसे → सभसँ · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ६९
- ज्यादातर → अधिकांश / बेसी · context-dependent · द२, द३, १७६, १८४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २२

कारक/परसर्ग

- ने (कर्ता-चिह्न) → कोनो परसर्ग नहि · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप ०
- सीमा — वाक्य-पुनर्रचना: 'राम ने कहा' → 'राम कहलक'
- को → कै · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप १, निर्देशित रूप २८ · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- सीमा — 'ओकरा' 'हुनका' सन तिर्यक रूपक संग
- से (स्रोत, साधन, तुलना) → सँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप ९५
- सीमा — नियम ४९-५०

का, की, के → क / केर · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू सीमा — 'गामक बाट'; लिङ्ग-ढाँचा नहि (नियम ५३)

में → मे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 91

सीमा — 'में' नहि

पर → पर / मे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 152, निर्देशित रूप 243 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ५१

तक → धरि · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 8, निर्देशित रूप 144 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

द्वारा → द्वारा / सँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 33, निर्देशित रूप 128 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

सीमा — कर्ताक अर्थमे प्रसंग देखू

के लिए → लेल · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 351

सीमा — नियम ५२

के साथ → संग · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 146

के बिना → बिना · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 32

के बाद → बाद / पाछाँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 263

के पहले → पहिने · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 113

के ऊपर → ऊपर · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 25

के नीचे → नीचाँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 26

- के अन्दर, के भीतर → भीतर · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 13
- के बाहर → बाहर · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 43
- के पास → लग / लगमे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू
- के सामने → सोझाँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 30
- सीमा — नियम १८९
- के कारण → कारणेँ / कारणसँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 11
- के बारे में → बारेमे / विषयमे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 25
- के अनुसार → अनुसार · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 6
- की तरह, के समान → जकाँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 20
- के रूप में → रूपमे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 41
- के बीच → बीचमे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 39
- के दौरान → क क्रममे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- के बजाय → क बदला / क स्थानपर · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- के बावजूद → तैयो / क बादो · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 17
- की ओर → दिस · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 51
- में से → मे सँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

से पहले → सँ पहिने · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

एक दूसरे → एक-दोसर · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

आपस में → आपसमे / एक-दोसरामे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 5

अपने आप → अपने-आप · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सर्वनाम

मैं → हम · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 202

मुझे → हमरा · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 165

मुझसे → हमरासँ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 6

मेरा, मेरी, मेरे → हमर · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 125

हम (बहुवचन) → हम सभ / हमरालोकनि · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्धः JSON देखू, निर्देशित रूप 19

हमें → हमरा सभकेँ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 14

हमारा → हमर / हमरा लोकनिक · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप मिश्रित/सन्दिग्धः JSON देखू

तुम → अहाँ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 78

तुम्हें → अहाँकेँ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 23

तुम्हारा → अहाँक · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 49

आप → अहाँ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 78

- आपको → अहाँकें · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 23
- आपका → अहाँक · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 49
- आप लोग → अहाँ सभ / अहाँ लोकनि · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 10
- यह → ई · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 660
- ये → ई / ई सभ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू
- इसे → एकरा · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 31
- इसका → एकर · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 76
- इसमें → एहिमे · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 13
- इससे → एकरासँ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 3
- इनका → हिनकर · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 12
- सीमा — आदरार्थ
- वह → ओ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 666
- वे → ओ सभ / ओ लोकनि · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 50 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- उसे → ओकरा · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 156
- सीमा — आदरार्थ 'हुनका'
- उसका → ओकर · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 182
- सीमा — आदरार्थ 'हुनकर'

उससे → ओकरासँ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 9

उनका → हुनकर · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 155

उन्हें → हुनका · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 166

जो → जे · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप
7, निर्देशित रूप 1024 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

जिसे → जकरा · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 20

जिसका → जकर · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 28

कौन → के / कोन · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 188 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच
अनिवार्य

सीमा — ‘के’ व्यक्ति, ‘कोन’ चयन

किसे → ककरा · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 6

किसका → ककर · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 7

किससे → ककरासँ · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

क्या → की / कोन · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 324

सीमा — प्रश्नसूचक ‘की’

अपना → अपन · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 27, निर्देशित रूप 336 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच
अनिवार्य

खुद → स्वयं / अपने · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 38

दोनों → दुनू · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप 0, निर्देशित रूप 182

तीनों → तीनू · context-dependent · ५५-७६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 9

अनिश्चित/वितरण

कोई → कियो · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 54

सीमा — नियम ६८

कोई भी → कियो · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 54

किसी (कर्ता) → कियो · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 54

सीमा — 'किसी ने' → 'कियो' (नियम ४३९)

किसी (सम्बन्ध) → ककरो · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 42

सीमा — 'किसी की' → 'ककरो'

किसी (विशेषक) → कोनो · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 263

सीमा — 'किसी काम' → 'कोनो काज'

कुछ → किछु · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 278 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-

जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ३३४

कुछ भी → किछुओ · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 3

कुछ नहीं → किछु नहि · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 8

कुछ लोग → किछु लोक · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 4

सब → सभ · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 939 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-

जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ४५

सभी → सभ · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ९३९

सब कुछ → सभ किछु · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ८

सब लोग, सभी लोग → सभ लोक · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ ·

मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ३

सबको → सभकै · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १५२

सबका → सभक · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २००

सारे → सभ / समस्त · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ९४२

हर → प्रत्येक / सभ · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप ९, निर्देशित रूप ९४१ · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-

जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ४६, ४३६; 'हरदम' अखण्ड मान्य

हरेक → प्रत्येक / हरेक · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २

सीमा — प्रसंग-सापेक्ष

कई → कएक · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १२

कहीं → कतहु · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १८

कहीं नहीं → कतहु नहि · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २

कभी → कखनो · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ३२

कभी नहीं → कहियो नहि · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ६

कभी-कभी → कखनो-कखनो · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल

वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १

हर कोई → सभ कियो / प्रत्येक लोक · context-dependent · ६७-७०, ४३६-४३९ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २

प्रश्न/समय/स्थान

क्यों → किएक · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २१

सीमा — नियम ३४१

कहाँ → कतय · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ३३, निर्देशित रूप ० · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-

जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ३४०

कब → कहिया · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ७

सीमा — नियम ३४३

कितने, कितनी → कतेक · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ८५

आज → आइ · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ७०

सीमा — नियम ३२२

कल (अगिला वा बीतल दिन) → काल्हि · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप १७

परसों → परसू · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १

अब → आब · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ४, निर्देशित रूप २७९ · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-

जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ३२३

अभी → एखन · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ४

सीमा — नियम ३२४

अब तक → एखन धरि · context-dependent · ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ३

फिर → फेर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 263

फिर से → फेरसँ · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 16

पहले → पहिने · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 113

बाद में → बादमे / पाछाँ · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल

वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 64

हमेशा → सदिखन / सदा · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ ·

मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 5 · स्रोतमे वर्तमान रूप

भेटलः प्रसंग-जाँच अनिवार्य

अक्सर → प्रायः / बेर-बेर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ ·

मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 18

तुरंत, फौरन → तुरत · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 3

अचानक → अकस्मात / एकाएक · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-

३४३ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2

यहाँ → एतय · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

वहाँ → ओतय · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

जहाँ → जतय · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 20, निर्देशित रूप 0 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-

जाँच अनिवार्य

यहीं → एतहि · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

वहीं → ओतहि · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 6

इधर → एम्हर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 30

उधर → ओम्हर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 11

- जिधर → जेम्हर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- किधर → केम्हर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2
- सामने → सोझाँ · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 30
- सीमा — नियम १८९
- पीछे → पाछाँ · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 21
- आगे → आगाँ · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 2, निर्देशित रूप 76 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-
जाँच अनिवार्य
- नीचे → नीचाँ · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 26
- अंदर → भीतर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 13
- पास (निकट) → लग · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 101
- साथ → संग · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 146
- अकेला → असगर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2
- इसी तरह → एहिना · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 8
- उसी तरह → तहिना · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 13
- हर बार → प्रत्येक बेर / सभ बेर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-
३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 3
- इस बार → एहि बेर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 11
- पहली बार → पहिल बेर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल
वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 6

- एक बार → एक बेर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 38
- बार-बार → बेर-बेर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 4
- कई बार → कएक बेर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2
- दुबारा → फेर / दोबारा · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 263
- सुबह → भोर / भिनसर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 19
- दोपहर → दुपहर · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- शाम → साँझ · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 13
- रात → राति · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 2, निर्देशित रूप 25 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- हफ्ता → सप्ताह · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 2 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- साल → बरख / वर्ष · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 46, निर्देशित रूप 12 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- थोडा → थोड / कनेक · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 25
- ज्यादा → बेसी · context-dependent · द१, १९५-१९६, ३३९-३४३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 21

सहायक क्रिया/काल

- है → अछि · context-dependent · द७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 477

हैं → छथि / छी / अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 1026

सीमा — कर्ता अनुसार

हूँ → छी · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 7, निर्देशित रूप 141 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच

अनिवार्य

था, थी → छल · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 416

थे → छल / छलाह · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू

सीमा — आदरक प्रसंगमे 'छलाह'

होगा, होगी → होएत · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 20

होंगे → होएताह / होएत · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू

होता है → होइत अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 15

होता था → होइत छल · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 12

हुआ, हुई, हुए → भेल · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 263

हो गया → भऽ गेल · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 115

हो रहा है → भऽ रहल अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल
वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 5

हो चुका है → भऽ चुकल अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 1

हो सकता है → भऽ सकैत अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

करता है → करैत अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 8

- करते हैं → करैत छथि / करैत छी · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ५
- करूँगा → करब · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २६
- करेगा → करत · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २७
- करेंगे → करताह / करब · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २९
- किया → कएल / केलक / केलहुँ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ८१
- सीमा — कर्ता अनुसार
- किया गया → कएल गेल · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १०
- कर रहा है → कऽ रहल अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ५
- कर चुका है → कऽ चुकल अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
- करके → कऽ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ८३६
- करना चाहिए → करबाक चाही · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
- करने के लिए → करबाक लेल · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ६
- करने से → करबासँ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ४
- करने का → करबाक · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ६१
- सकता है → सकैत अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ७
- सकते हैं → सकैत छथि / सकैत छी · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-
५१० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ३

- चाहिए → चाही · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 32
- चाहता है → चाहैत अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल
वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- रहा है, रही है → रहल अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल
वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 42
- रहते हैं → रहैत छथि / रहैत छी · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 4
- जाता है → जाइत अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 19
- जाएगा → जाएत · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 25
- जाओ → जाउ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 9 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच
अनिवार्य
- आओ → आउ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 9
- करो → करू · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 21
- देखो → देखू · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 17
- सुनो → सुनू · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 11 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-
जाँच अनिवार्य
- कहो → कहू · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 4
- चलो → चलू · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 13
- बोलो → बाजू · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 4
- बैठो → बैसू · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

लो → लिअ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 15

दो → दिअ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 14

मत करो → नहि करू · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

सीमा — नियम १०८

मत जाओ → नहि जाउ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम १०८

मुझे जाना है → हमरा जएबाक अछि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-

५१० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

जाना पड़ा → जाए पड़ल · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

वापस जाने लगा → घुरऽ लागल · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·

मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४०५

उसने कहा → ओ कहलक / कहलन्हि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-

५१० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 63

सीमा — आदरक प्रसंगमे 'कहलन्हि'

उन्होंने कहा → ओ कहलन्हि · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल

वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 8

मैंने कहा → हम कहलहुँ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड

पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

हमने कहा → हम सभ कहलहुँ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·

मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

तुमने कहा, आपने कहा → अहाँ कहलहुँ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-

५१० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

देखकर → देखि कऽ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 29

सुनकर → सुनि कऽ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठः

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 4

आकर → आवि कऽ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 11

जाकर → जा कऽ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 25

कहकर → कहि कऽ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2

होकर → भऽ कऽ · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 7

वाला (कर्तृवाचक) → वला / निहार · context-dependent · ८७-१२४, ५०५-५१० ·
मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्धः JSON देखू, निर्देशित रूप 0
सीमा — ‘फाँकवला’; ‘करनिहार’

मूल क्रिया

करना → करब · context-dependent · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 26

होना → होएब · doubtful · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0,
निर्देशित रूप 1

जाना → जाएब · context-dependent · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 16

आना → आएब · context-dependent · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप 3, निर्देशित रूप 6 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-जाँच अनिवार्य

देना → देब · doubtful · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0,
निर्देशित रूप 5

लेना → लेब · context-dependent · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल
रूप 0, निर्देशित रूप 4

कहना → कहब · context-dependent · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 3

देखना → देखब · doubtful · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0,
निर्देशित रूप 5

खाना → खाएब · doubtful · ९०-१०४ · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0,
निर्देशित रूप 4

- पीना → पिएब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- सोना → सुतब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 20, निर्देशित रूप 0 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- रोना → कानब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 2 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- हँसना → हँसब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- उठना → उठब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- बैठना → बैसब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2
- खड़ा होना → ठाढ़ होएब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- गिरना → खसब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- डरना → डेराएब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- भूलना → बिसरब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- याद करना → मोन पाड़ब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- याद आना → मोन पड़ब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- ढूँढ़ना, खोजना → ताकब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- समझना → बुझब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- पहचानना → चिन्हब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- रखना → राखब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 5

- लाना → आनब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2
- ले जाना → लऽ जाएब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- भेजना → पठाएब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- बुलाना → बजाएब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- मिलना (भेंट होना) → भेटब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 2
- पहनना → पहिरब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- बोलना → बाजब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- पूछना → पुछब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- सुनना → सुनब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- पढ़ना → पढ़ब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2
- लिखना → लिखब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 1 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- चलना → चलब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- रहना → रहब · context-dependent · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2
- बनाना → बनाएब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1
- दिखाना → देखाएब · doubtful · १०-१०४ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

संज्ञा

- पानी → पानि · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 3, निर्देशित रूप 74 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- कुआँ → इनार · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 22
- चावल → चाउर · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 16
- आग → आगि · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 22
- धूप → रौद · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 3, निर्देशित रूप 0 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- बारिश → बरखा · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 5
- पेड़ → गाछ · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 69
- पत्ता → पात · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 36 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- लकड़ी → काठ · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 7, निर्देशित रूप 1 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- पत्थर → पाथर · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 6
- मिट्टी → माटि · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 33
- रास्ता → बाट · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 20
- आँख → आँखि · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 25
- पैर → पएर · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 2, निर्देशित रूप 24 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- सिर → माथ · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 7, निर्देशित रूप 8 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

उँगली → आङ्गुर · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

नाखून → नह · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2

माँ → माय · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 18, निर्देशित रूप 10 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

भाई → भाय · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 5

बहन → बहिन · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 43

दादा → बाबा · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 3, निर्देशित रूप 21 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

पत्नी → कनियाँ · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 22, निर्देशित रूप 60 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

दूल्हा → वर · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 65

शादी → विवाह / बियाह · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 120 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

बारात → बरियाति · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सास → सासु · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 15 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

दोस्त → मित्र / संगी · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 2, निर्देशित रूप 50 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

मेहमान → पाहुन · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 3

लडका → छौड़ा / बालक · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 4, निर्देशित रूप 31 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-

जाँच अनिवार्य

सीमा — 'छौड़ा' बोलचाल

- लडकी → छौड़ी / बालिका · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 1 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-जाँच
अनिवार्य
- सीमा — 'छौड़ी' बोलचाल
- औरत → स्त्री / जनानी · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 24
- लोग → लोक · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 220
- बच्चे → बच्चा सभ · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल
रूप 4, निर्देशित रूप 23 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- बुखार → जर · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल
रूप 0, निर्देशित रूप 0
- जगह → ठाम / स्थान · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 7, निर्देशित रूप 44 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-
जाँच अनिवार्य
- मौका → अवसर · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप 3, निर्देशित रूप 2 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- तरीका → विधि / ढंग · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 6, निर्देशित रूप 8 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-जाँच
अनिवार्य
- सवाल → प्रश्न · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप 0,
निर्देशित रूप 13
- जवाब → उत्तर · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप 5, निर्देशित रूप 52 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- कोशिश → प्रयास · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप
0, निर्देशित रूप 13
- मदद → सहायता / मदति · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 11
- ज़िन्दगी → जीवन · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 17
- वक्त → काल / समय · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 101

- कीमत → दाम / मूल्य · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ४
- सबूत → प्रमाण · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप ०,
निर्देशित रूप ११
- फ़ैसला → निर्णय · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप
०, निर्देशित रूप ११
- हालत → स्थिति · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप
१, निर्देशित रूप ७ · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- वजह → कारण · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ८३
- फ़र्क → अन्तर / भेद · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २२
- इस्तेमाल → प्रयोग / उपयोग · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ४०
- इंतज़ार → प्रतीक्षा · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल रूप
०, निर्देशित रूप १
- ज़रूरत → आवश्यकता · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ६
- खबर → खबरी / समाचार · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप २५
- जिम्मेदारी → दायित्व · doubtful · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप ०
- कागज़, कागज़ → कागच · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
- आवाज़ → अबाज / ध्वनि · context-dependent · १६१-२०० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १३

विशेषण

- अच्छा → नीक · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठः प्रस्तावित
बदलल रूप २, निर्देशित रूप ८१ · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटलः प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- बुरा → अधला / खराब · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठः
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १२

- बड़ा → पैघ · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 4, निर्देशित रूप 108 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- छोटा → छोट · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 82
- लंबा → लाम · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- ऊँचा → ऊँच · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 7
- पतला → पातर · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 9
- हल्का → हलुक · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 7, निर्देशित रूप 0 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- गीला → भिजल · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0
- नया → नव · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 41
- पुराना → पुरान · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 25
- महंगा → महग · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 4
- आसान → सहज · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 1, निर्देशित रूप 0 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- मुश्किल → कठिन · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 2, निर्देशित रूप 3 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- खास → विशेष · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 5, निर्देशित रूप 10 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- आम → सामान्य · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 15, निर्देशित रूप 11 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
- पह्ला → पहिल · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 38

दूसरा → दोसर · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०,
निर्देशित रूप 108

तीसरा → तेसर · context-dependent · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 35

चौथा → चारिम · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०,
निर्देशित रूप 12

पाँचवाँ → पाँचम · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०,
निर्देशित रूप 7

सच्चा → सत्य · doubtful · ७७-८० · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०,
निर्देशित रूप 8

नुक्ता

ज़रूर → जरूर · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप 3

ज़िन्दगी → जिन्दगी / जीवन · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 17

ज़मीन → जमीन · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप 28

ज़रा → जरा · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप
०, निर्देशित रूप 4

ज़माना → जमाना · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप 2

फ़र्क → फर्क · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप
०, निर्देशित रूप ०

फ़ैसला → फैसला · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप 5

सफ़र → सफर · context-dependent · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

क़ानून → कानून · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप 2

क़िस्सा → किस्सा · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप ०

- वक्त → वक्त · context-dependent · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
- खबर → खबरि · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ६
- खास → खास · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ५
- खुश → खुश · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ३
- तारीख → तारीख · context-dependent · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
- गलत → गलत · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ८
- गरीब → गरीब · certain · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १८
- मजदूर → मजदूर · context-dependent · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ९
- बाज़ार → बजार · context-dependent · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ३
- आवाज़ → अबाज · context-dependent · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १३
- कागज़ → कागच · context-dependent · १८, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

लिपि/नुक्ता/अवग्रह

- ज़, फ़, क़, ख़, ग़ (नुक्तायुक्त) → ज, फ, क, ख, ग · certain · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप ०
- सीमा — नियम १८, ४७९, ४८३
- ढोल, ढाक, ढेकी → ढोल, ढाक, ढेकी · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
- सीमा — नियम १८, ४८०

डर, डाँट (शब्दारम्भमे ड) → डर, डाँट · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३
 · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८२

पढल, बढल, चढल, गढल → पढ़ल, बढ़ल, चढ़ल, गढ़ल · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८१

बाढ़ि, पीढ़ी → बाढ़ि, पीढ़ी · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८१

तरहड़ि → तरहड़ि · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८०-४८१

पड़ल, मोड़, झाड़ि → पड़ल, मोड़, झाड़ि · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८२

तहखाना → तरहड़ि · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — स्वीकृत सम्पादकीय शब्दरूप

कs, कS, क5, क' → कऽ · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 836

सीमा — नियम १९

भs, भS, भ' → भऽ · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 470

सीमा — नियम १९

घुरs, घुरS → घुरऽ · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2

सीमा — नियम १९

क ऽ, भ ऽ (बीचमे फाँक) → कऽ, भऽ · context-dependent · १८-१९, ४७९-४८३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम १९

पञ्चमाक्षर/अनुस्वार

संपादक, संपादकीय → सम्पादक, सम्पादकीय · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८४

संबंध → सम्बन्ध · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप 7, निर्देशित रूप 5 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ४८४

संदर्भ → सन्दर्भ · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८४

संभव → सम्भव · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 2

सीमा — नियम ४८४

संधि → सन्धि · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८४

अंक → अङ्क · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप 7, निर्देशित रूप 0 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ४८४

रंग → रङ्ग · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 18, निर्देशित रूप 0 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ४८४

अंग → अङ्ग · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 2, निर्देशित रूप 0 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य

सीमा — नियम ४८४

अंतिम, अंतराल → अन्तिम, अन्तराल · context-dependent · १५, ४८४-४८६ ·

मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८४

स्वतंत्र, नियंत्रण → स्वतन्त्र, नियन्त्रण · context-dependent · १५, ४८४-४८६ ·

मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४८४

पदबंध → पदबन्ध · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४८४

आंचलिक → आज्चलिक · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४८४

शृंखला, शृंखला → शृङ्खला · context-dependent · १५, ४८४-४८६ · मूल वर्ड

पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४८४

परसर्ग/स्थान

गाम सँ, हाथ सँ → गामसँ, हाथसँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ ·

मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४८-५०, ४९६

घर मे, गद्य मे → घरमे, गद्यमे · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल

वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४८, ४९८

ओकरा कैँ → ओकराकैँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड

पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४९९

पोथी क पन्ना → पोथीक पन्ना · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल

वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ५३

ओकरा सं, गाम सं → ओकरासँ, गामसँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-

५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ५०, ५०१

को (परसर्ग) → कैँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 28

सीमा — नियम ४८, ४९९

से (परसर्ग) → सँ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ:

प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 95

सीमा — नियम ४९-५०

का, की, के (सम्बन्ध) → क · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 37

सीमा — नियम ५३

वाक्यान्तमे '।' वा '।' → । · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1272

सीमा — नियम २४

'!!', '???' → '!', '?' · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम २८

'...' (तीन बिन्दु) → '...' · context-dependent · ४८-५३, ४९६-५०३ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ३०

ASCII उद्धरण "..." वा '...' → "..." आ '...' · context-dependent · ४८-५३, ४९६-
५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम २९

सामान्य गद्यमे अंग्रेजी अङ्क 12 → १२ · context-dependent · ४८-५३, ४९६-
५०३ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

सीमा — नियम ३३

क्रिया/काल

ओ पोथी देत अछि → ओ पोथी दैत अछि · context-dependent · ९०-१०८ ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ९०

ओ काल्हि दैत → ओ काल्हि देत · context-dependent · ९०-१०८ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ९०, ४०८

देबैत → दैत · context-dependent · ९०-१०८ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप 0, निर्देशित रूप 50

सीमा — नियम ९१क

लेबैत → लैत · context-dependent · ९०-१०८ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप 0, निर्देशित रूप 14

सीमा — नियम ९१क

करबैत → करैत · context-dependent · १०-१०८ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 2, निर्देशित रूप 100 · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच
अनिवार्य

सीमा — नियम ११क

कहबैत → कहैत · context-dependent · १०-१०८ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 46

सीमा — नियम ११क

जाएबैत → जाइत · context-dependent · १०-१०८ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 154

सीमा — नियम ११क

खाएबैत → खाइत · context-dependent · १०-१०८ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 9

सीमा — नियम ११क

ओ वापस जाने लगा → ओ घुरऽ लागल · context-dependent · १०-१०८ · मूल
वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४०५, ४३७

अन्हार खसयक डर → अन्हार खसबाक डर · context-dependent · १०-१०८ ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४१३

न करू, मत करू → नहि करू · context-dependent · १०-१०८ · मूल वर्ड पाठ:
प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 1

सीमा — नियम १०८

दियौ गेल अछि → देल गेल अछि · context-dependent · १०-१०८ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — कर्मवाच्य रूप

अंग्रेजी चलैत क्रियाक सभ उदाहरणमे 'रहल' → साधारण वर्तमान वा
आवृत्तिरूप · context-dependent · १०-१०८ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ४२४

सर्वनाम/सम्मान

ई पोथी छथि → ई पोथी अछि · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ ·
मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप 0, निर्देशित रूप 0

सीमा — नियम ६१, ४२९

आचार्य उपस्थित अछि → आचार्य उपस्थित छथि · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ६१, ४३०

अहाँ संग साधारण/अशिष्ट क्रिया → पूरा वाक्यमे एक सम्मानरूप · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४३१

ककरो आएल (कर्ताक रूपमे) → कियो आएल · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ६८, ४२२

कियो पोथी (सम्बन्ध) → ककरो पोथी · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ६९, ४२३

कियो उपाय (विशेषक) → कोनो उपाय · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ७०, ४२१

हम सब, सब लोग → हम सभ, सभ लोक · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४५

जब...तब → जखन...तखन · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ७३

अगर...तो → जँ...तँ · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ७४

झार सुखि गेल (वनस्पतिक डंठल) → डाँट सुखि गेल · context-dependent · ५५-७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON देखू, निर्देशित रूप ०

सीमा — नियम ४१६, ४४०

ओ डाँट देलक (फटकारक अर्थमे) → ओ झार देलक · context-dependent · ५५-
७०, ४२९-४३१ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप मिश्रित/सन्दिग्ध: JSON
देखू, निर्देशित रूप ०
सीमा — नियम ४१५, ४४०

वाक्य-पुनर्रचना

मैं घर जा रहा हूँ। → हम घर जाइत छी। · context-dependent · १२५-१६०,
४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
तुम कहाँ जा रहे हो? → अहाँ कतय जाइत छी? · context-dependent · १२५-
१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
आप कब आएँगे? → अहाँ कहिया आएब? · context-dependent · १२५-१६०,
४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
यह क्या है? → ई की अछि? · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल
वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
मुझे पानी चाहिए। → हमरा पानि चाही। · context-dependent · १२५-१६०,
४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
मुझे जाना है। → हमरा जएबाक अछि। · context-dependent · १२५-१६०,
४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
उसे बुखार है। → ओकरा जर अछि। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-
४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
मेरे पास किताब है। → हमरा लग पोथी अछि। · context-dependent · १२५-
१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
यहाँ कोई नहीं है। → एतय कियो नहि अछि। · context-dependent · १२५-
१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
कल मैं आऊँगा। → काल्हि हम आएब। · context-dependent · १२५-१६०,
४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
अब मैं जा रहा हूँ। → अब हम जाइत छी। · context-dependent · १२५-१६०,
४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
सब लोग आ गए। → सब लोक आवि गेल। · context-dependent · १२५-१६०,
४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
किसी ने नहीं देखा। → कियो नहि देखलक। · context-dependent · १२५-१६०,
४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

उसने मुझसे कहा कि वह आएगा। → ओ हमरासँ कहलक जे ओ आओत। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

इसके अलावा कुछ नहीं बचा। → एकरा बाहेक किछु नहि बाँचल। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

जैसा कि कहा गया है। → जेना कहल गेल अछि। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

इस कारण से वह नहीं आया। → एहि कारणेँ ओ नहि आएल। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

मेरे लिए यह काम कठिन है। → हमरा लेल ई काज कठिन अछि। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

उसके साथ जाओ। → ओकरा संग जाउ। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

किताब पढ़ने के बाद वह सोया। → पोथी पढ़लाक बाद ओ सुतल। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

वह आया और बैठ गया। → ओ आएल आ बैसि गेल। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

जब वर्षा थमी, तब वह गया। → जखन वर्षा थमल, तखन ओ गेल। · context-dependent · १२५-१६०, ४३२-४३५ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सम्पादकीय शब्दरूप

अङ्गूठा → औंठा · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ६

सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि

खोआइल → हेरायल · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०

सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि

- गायब → बिलायल · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि
- भूलल → बिसरल · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप ३
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि
- दरवाजा → केवाड़ी · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि
- बरामदा → ओसारा · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप १
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि
- कमरा / कोठरी → कोठली · context-dependent · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड
पाठ: प्रस्तावित बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ३
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि
- आईना → अएना · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप १
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि
- पीतल → पित्तरि · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित बदलल
रूप ०, निर्देशित रूप ०
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि
- चाय → चाह · context-dependent · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप १, निर्देशित रूप ७ · स्रोतमे वर्तमान रूप भेटल: प्रसंग-जाँच अनिवार्य
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि
- बारी-बारी → बेराबेरी · certain · १८४-२००, ४६२ · मूल वर्ड पाठ: प्रस्तावित
बदलल रूप ०, निर्देशित रूप ०
सीमा — नव मानक गद्य; स्रोत-उद्धरण नहि

मूल शब्द-सूचकांक

अक्षर-आधारित अभिलेख: हिन्दी/मैथिली दुन्न रूप; दहिना अंक स्रोत-नियमक संदर्भ अछि। विस्तृत श्रेणी, आवृत्ति आ उदाहरण मशीन-पठनीय पञ्जीमे।

-क — 53; 54; 77

-ब — 91क; 95

-बाक — 95; 97

-बैत — 91क

-य — 95

-ऽ — 95

ASCII उद्धरण "..." वा '...' — ४८-५३, ४९६-५०३

अंक — १५, ४८४-४८६

अंग — १५, ४८४-४८६

अंग्रेजी चलैत क्रियाक सभ उदाहरणमे 'रहल' — ९०-१०८

अंतिम, अंतराल — १५, ४८४-४८६

अंदर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

एना — 184; 186; 589; १८४-२००, ४६२

अकस्मात् / एकाएक — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अकेला — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अक्सर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अगर, यदि — ८२, ८३, १७६, १८४

अगर...तो — ५५-७०, ४२९-४३१

अङ्क — १५, ४८४-४८६

अङ्ग — १५, ४८४-४८६

अङ्गूठा — १८४-२००, ४६२

अचानक — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अच्छा — ७७-८०

अच्छि — 365; ८७-१२४, ५०५-५१०

अतः — ८२, ८३, १७६, १८४

अथवा — 84; ८२, ८३, १७६, १८४

अथवा / वा — ८२, ८३, १७६, १८४

अधला / खराब — ७७-८०

- अधिकांश / बेसी — ८२, ८३, १७६, १८४
 अनिवार्य — 4; 562
 अनुपयुक्त प्रसंग — 150
 अनुसार — ४८-५३, ४९६-५०३
 अन्तर / भेद — १६१-२००
 अन्तिम, अन्तराल — १५, ४८४-४८६
 अन्हार खसबाक कारण — 192; 392
 अन्हार खसबाक डर — 413; ९०-१०८
 अन्हार खसबाक लगल — 192; 96
 अन्हार खसय लागल — 393; 507
 अन्हार खसयक डर — ९०-१०८
 अपन — 64; ५५-७६
 अपना — ५५-७६
 अपने आप — ४८-५३, ४९६-५०३
 अपने-आप — ४८-५३, ४९६-५०३
 अब — 195; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 अब तक — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 अब मैं जा रहा हूँ। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 अबाज — १८, ४७९-४८३
 अबाज / ध्वनि — १६१-२००
 अभाव — 166
 अभी — 464; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 अर्थ / माने — ८२, ८३, १७६, १८४
 अर्थात् — ८२, ८३, १७६, १८४
 अर्थात् — ८२, ८३, १७६, १८४
 अलावा — ८२, ८३, १७६, १८४
 अवसर — १६१-२००
 असगर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 अहाँ — 431; 57; ५५-७६
 अहाँ कतय जाइत छी? — १२५-१६०, ४३२-४३५
 अहाँ कहलहुँ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 अहाँ कहिया आएब? — १२५-१६०, ४३२-४३५

अहाँ संग साधारण/अशिष्ट क्रिया — ५५-७०, ४२९-४३१

अहाँ सभ / अहाँ लोकनि — ५५-७६

अहाँक — ५५-७६

अहाँकै — ५५-७६

आ — ८२, ८३, १७६, १८४

आँख — १६१-२००

आँखि — १६१-२००

आंचलिक — १५, ४८४-४८६

आइ — 184; 195; 81; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

आइ सभा अछि — 322

आईना — १८४-२००, ४६२

आउ — 112; ८७-१२४, ५०५-५१०

आएब — ९०-१०४

आओ — ८७-१२४, ५०५-५१०

आकर — ८७-१२४, ५०५-५१०

आकि — 84

आग — १६१-२००

आगाँ — 390; 395; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

आगाँ जारी — 308

आगाँ बढ़ — 325

आगि — १६१-२००

आगे — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

आङुर — १६१-२००

आचार्य उपस्थित अछि — 430; ५५-७०, ४२९-४३१

आचार्य उपस्थित छथि — 430; ५५-७०, ४२९-४३१

आज — 322; 464; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

आञ्चलिक — १५, ४८४-४८६

आदि — ८२, ८३, १७६, १८४

आनब — ९०-१०४

आना — ९०-१०४

आप — ५५-७६

आप कब आएँगे? — १२५-१६०, ४३२-४३५

आप लोग — ५५-७६

आपका — ५५-७६

- आपको — ५५-७६
 आपस — 346; 99
 आपस में — ४८-५३, ४९६-५०३
 आपसमे / एक-दोसरामे — ४८-५३, ४९६-५०३
 आब — 195; 420; 81; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 आब काज शुरू होएत — 323
 आब हम जाइत छी। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 आवि — 427
 आवि कऽ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 आम — ७७-८०
 आयल — 93
 आरो — 320; 82
 आरो स्पष्ट करू — 321
 आवश्यकता — १६१-२००
 आवाज़ — १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 आसान — ७७-८०
 इंतज़ार — १६१-२००
 इतना — ८२, ८३, १७६, १८४
 इधर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 इनका — ५५-७६
 इनार — 186; 589; १६१-२००
 इस कारण से वह नहीं आया। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 इस बार — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 इसका — ५५-७६
 इसके अलावा कुछ नहीं बचा। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 इसमें — ५५-७६
 इसलिए — ८२, ८३, १७६, १८४
 इससे — ५५-७६
 इसी तरह — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 इसे — ५५-७६
 इस्तेमाल — १६१-२००
 ई — ५५-७६
 ई / ई सभ — ५५-७६
 ई काज नहि करू — 108

- ई की अछि? — १२५-१६०, ४३२-४३५
- ई पोथी अछि — 376; 429; ५५-७०, ४२९-४३१
- ई पोथी उपयोगी अछि — 61
- ई पोथी छथि — 429; ५५-७०, ४२९-४३१
- ई पोथी नीक अछि। — 318
- ई वएह कृति अछि — 375
- ई वएह पोथी अछि — 398
- ई वएह बात अछि — 66
- ई वएह व्यक्ति छथि — 410
- उँगली — १६१-२००
- उठना — ९०-१०४
- उठब — ९०-१०४
- उतना — ८२, ८३, १७६, १८४
- उतरबाक लगल — 328
- उत्तर — १६१-२००
- उधर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- उनका — ५५-७६
- उन्हें — ५५-७६
- उन्होंने कहा — ८७-१२४, ५०५-५१०
- उसका — ५५-७६
- उसके साथ जाओ। — १२५-१६०, ४३२-४३५
- उसने कहा — ८७-१२४, ५०५-५१०
- उसने मुझसे कहा कि वह आएगा। — १२५-१६०, ४३२-४३५
- उससे — ५५-७६
- उसी तरह — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- उसे — ५५-७६
- उसे बुखार है। — १२५-१६०, ४३२-४३५
- ऊँच — ७७-८०
- ऊँचा — ७७-८०
- ऊपर — ४८-५३, ४९६-५०३
- एक दूसरे — ४८-५३, ४९६-५०३
- एक निर्णय कएल गेल — 434
- एक बार — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- एक बेर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

- एक-दोसर — ४८-५३, ४९६-५०३
 एकटा — 504
 एकटा पोथी — 47
 एकदम / पूर्णतः — ८२, ८३, १७६, १८४
 एकर — 378; 60; ५५-७६
 एकर शीर्षक — 377
 एकरसँ नीक — 79
 एकरा — 377; 60; ५५-७६
 एकरा पढ़ — 378
 एकरा बाहेक किछु नहि बाँचल। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 एकरासँ — ५५-७६
 एखन — 184; 195; 323; 81; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 एखन धरि — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 एखन पानि खसि रहल अछि — 324
 एखन लिखू — 308
 एखन हम लिखि रहल छी — 420
 एतय — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 एतय कियो नहि अछि। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 एतहि — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 एतेक — ८२, ८३, १७६, १८४
 एना — ८२, ८३, १७६, १८४
 एम्हर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 एहन — ८२, ८३, १७६, १८४
 एहन घटना भेल — 365
 एहि कारणें — 118; 138; 197
 एहि कारणें ओ नहि आएल। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 एहि बेर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 एहि विपरीत — 142
 एहिना — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 एहिमे — ५५-७६
 एहिमेसँ — 497
 ऐतिहासिक — 4

- ऐसा — ८२, ८३, १७६, १८४
 ऐसे — ८२, ८३, १७६, १८४
 ओ — ५५-७६
 ओ आएल आ बैसि गेल। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 ओ एकोटा पोथी नहि पढ़लक — 107
 ओ कहलक — 370
 ओ कहलक / कहलन्हि — ८७-१२४, ५०५-५१०
 ओ कहलन्हि — ८७-१२४, ५०५-५१०
 ओ काल्हि देत — 356; 408; ९०-१०८
 ओ काल्हि दैत — ९०-१०८
 ओ गाम आयल — 327
 ओ घर गेल — 345
 ओ घुरबऽ लगल — 7
 ओ घुरऽ लागल — 346; 347; 405; 507; 7; 96; ९०-१०८
 ओ घुरि आयल — 346; 348
 ओ छूलनि — 349
 ओ झार देलक — 415; ५५-७०, ४२९-४३१
 ओ ठाढ़ भऽ गेल — 364
 ओ डाँट देलक (फटकारक अर्थमे) — ५५-७०, ४२९-४३१
 ओ दैत अछि — 355
 ओ नहि आयल — 359
 ओ पढ़ि रहल अछि — 92
 ओ पोथी देत — 90
 ओ पोथी देत अछि — ९०-१०८
 ओ पोथी दैत अछि — 90; ९०-१०८
 ओ लिखैत अछि — 338
 ओ वापस जाने लगा — ९०-१०८
 ओ सभ / ओ लोकनि — ५५-७६
 ओ सभ पोथी नहि पढ़लक — 107
 ओ हमर सोझाँ आयल — 390
 ओ हमर सोझाँ ठाढ़ अछि — 189
 ओ हमरासँ कहलक जे ओ आओत। — १२५-१६०, ४३२-४३५

- ओ हरदम पढ़ैत अछि — 389
 ओकर — 372; 58; 64; ५५-७६
 ओकर पोथी — 371; 499
 ओकरा — 371; 58; ५५-७६
 ओकरा कहल गेल — 372
 ओकरा केँ — ४८-५३, ४९६-५०३
 ओकरा जर अछि। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 ओकरा लेल — 52
 ओकरा सं, गाम सं — ४८-५३, ४९६-५०३
 ओकरा संग जाउ। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 ओकराकेँ — 336; 499; ४८-५३, ४९६-५०३
 ओकरासँ — ५५-७६
 ओकरासँ पैघ — 50; 79
 ओकरासँ, गामसँ — ४८-५३, ४९६-५०३
 ओतय — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 ओतहि — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 ओतेक — ८२, ८३, १७६, १८४
 ओम्हर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 ओसारा — 184; 186; 589; १८४-२००, ४६२
 ओहि समय — 373
 ओही — 375; 438; 66
 ओही दिन — 374; 66
 ओही दिन ओ आयल — 411
 ओही पोथी — 398
 औंठा — 186; 589; १८४-२००, ४६२
 और — ८२, ८३, १७६, १८४
 औरत — १६१-२००
 क — ४८-५३, ४९६-५०३
 क / केर — ४८-५३, ४९६-५०३
 क क्रममे — ४८-५३, ४९६-५०३
 क बदला / क स्थानपर — ४८-५३, ४९६-५०३
 क ङ, भ ङ (बीचमे फाँक) — १८-१९, ४७९-४८३

- कs, कS, क5, क' — १८-१९, ४७९-४८३
- कई — ६७-७०, ४३६-४३९
- कई बार — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- कएक — ६७-७०, ४३६-४३९
- कएक बेर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- कएल — 542
- कएल / केलक / केलहुँ — ८७-१२४, ५०५-५१०
- कएल गेल — ८७-१२४, ५०५-५१०
- ककर — ५५-७६
- ककरा — 111; ५५-७६
- ककरासँ — ५५-७६
- ककरो — 439; 572; 67; 68; 69; ६७-७०, ४३६-४३९
- ककरो आएल (कर्ताक रूपमे) — ५५-७०, ४२९-४३१
- ककरो आयल — 332
- ककरो ओकरा — 67
- ककरो कहल — 397
- ककरो पोथी — 423; ५५-७०, ४२९-४३१
- ककरो बात — 331
- ककरो बात सुनू — 69
- कखनो — ६७-७०, ४३६-४३९
- कखनो-कखनो — ६७-७०, ४३६-४३९
- कठिन — ७७-८०
- कतय — 111; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- कतहु — ६७-७०, ४३६-४३९
- कतहु नहि — ६७-७०, ४३६-४३९
- कतेक — 111; 196; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३; ८२, ८३, १७६, १८४
- कथा आ कविता — 320
- कथा लिखबाक लेल — 379
- कथासभ — 386
- कनियाँ — १६१-२००
- कपड़ा — 282
- कब — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

- कभी — ६७-७०, ४३६-४३९
 कभी नहीं — ६७-७०, ४३६-४३९
 कभी-कभी — ६७-७०, ४३६-४३९
 कमरा / कोठरी — १८४-२००, ४६२
 कयल — 542
 कर चुका है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 कर रहा है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करके — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करत — 338; ८७-१२४, ५०५-५१०
 करता है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करताह / करब — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करते हैं — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करना — ९०-१०४
 करना चाहिए — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करने का — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करने के लिए — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करने से — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करब — ८७-१२४, ५०५-५१०; ९०-१०४
 करबाक — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करबाक चाही — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करबाक लेल — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करबासँ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करबैत — 91क; ९०-१०८
 करू — 112; ८७-१२४, ५०५-५१०
 करूँगा — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करेंगे — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करेगा — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करैत — 91; 91क; ९०-१०८
 करैत अछि — 505; ८७-१२४, ५०५-५१०
 करैत छथि / करैत छी — ८७-१२४, ५०५-५१०
 करो — ८७-१२४, ५०५-५१०
 कल (अगिला वा बीतल दिन) — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

- कल में आऊँगा। — १२५-१६०, ४३२-४३५
- कवि छथि — 403
- कविता अछि — 403
- कहकर — ८७-१२४, ५०५-५१०
- कहना — ९०-१०४
- कहब — ९०-१०४
- कहबैत — 91क; ९०-१०८
- कहलक — 203; 93
- कहाँ — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- कहि कऽ — ८७-१२४, ५०५-५१०
- कहि देलक — 103
- कहिया — 111; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- कहियो नहि — ६७-७०, ४३६-४३९
- कहीं — ६७-७०, ४३६-४३९
- कहीं नहीं — ६७-७०, ४३६-४३९
- कहू — ८७-१२४, ५०५-५१०
- कहैत — 91क; ९०-१०८
- कहो — ८७-१२४, ५०५-५१०
- क्रानून — १८, ४७९-४८३
- क्रिस्सा — १८, ४७९-४८३
- कऽ — 100; 19; 20; 427; 500; 557; १८-१९, ४७९-४८३; ८७-१२४, ५०५-५१०
- कऽ चुकल अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
- कऽ रहल अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
- कऽ लेल — 506
- कऽ, भऽ — १८-१९, ४७९-४८३
- का, की, के — ४८-५३, ४९६-५०३
- का, की, के (सम्बन्ध) — ४८-५३, ४९६-५०३
- कागच — १६१-२००; १८, ४७९-४८३
- कागज़, कागज़ — १६१-२००
- कागज़ — १८, ४७९-४८३
- काज — 165; 185; 187; 330
- काज पूरा भेल — 146; 329

- काठ — १६१-२००
 कानब — ९०-१०४
 कानून — १८, ४७९-४८३
 काम — 165; 185; 187; 329
 कारण — १६१-२००
 कारण / कारणसँ — ४८-५३, ४९६-५०३
 काल / समय — १६१-२००
 काल्हि — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 काल्हि हम आएब। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 कि — 84
 कि (कथन-जोड़क) — ८२, ८३, १७६, १८४
 किएक — 111; 196; 419; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 किएक तँ — 118
 किएक तँ / कारण जे — ८२, ८३, १७६, १८४
 किछु — 67; ६७-७०, ४३६-४३९
 किछु नहि — ६७-७०, ४३६-४३९
 किछु नहि भेल — 334
 किछु लोक — ६७-७०, ४३६-४३९
 किछुओ — ६७-७०, ४३६-४३९
 कितना — 196; ८२, ८३, १७६, १८४
 कितने, कितनी — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 किताब पढ़ने के बाद वह सोया। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 किधर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 किया — ८७-१२४, ५०५-५१०
 किया गया — ८७-१२४, ५०५-५१०
 कियो — 162; 331; 406; 439; 572; 67; 68; 70; ६७-७०, ४३६-४३९
 कियो आएल — ५५-७०, ४२९-४३१
 कियो आबि सकैत अछि — 422
 कियो आयल — 332; 396
 कियो उपाय — 421
 कियो उपाय (विशेषक) — ५५-७०, ४२९-४३१
 कियो कहलकि — 397

- कियो नहि देखलक। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 कियो पोथी — 423
 कियो पोथी (सम्बन्ध) — ५५-७०, ४२९-४३१
 किसका — ५५-७६
 किससे — ५५-७६
 किसी — 439
 किसी (कर्ता) — ६७-७०, ४३६-४३९
 किसी (विशेषक) — ६७-७०, ४३६-४३९
 किसी (सम्बन्ध) — ६७-७०, ४३६-४३९
 किसी की — 439
 किसी ने — 406; 439; 572; 68
 किसी ने नहीं देखा। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 किसे — ५५-७६
 किस्सा — १८, ४७९-४८३
 की — 109
 की / कोन — ५५-७६
 की ओर — ४८-५३, ४९६-५०३
 की तरह, के समान — ४८-५३, ४९६-५०३
 कीमत — १६१-२००
 कुआँ — १६१-२००
 कुछ — ६७-७०, ४३६-४३९
 कुछ नहीं — ६७-७०, ४३६-४३९
 कुछ भी — ६७-७०, ४३६-४३९
 कुछ लोग — ६७-७०, ४३६-४३९
 के / कोन — ५५-७६
 के अनुसार — ४८-५३, ४९६-५०३
 के अन्दर, के भीतर — ४८-५३, ४९६-५०३
 के ऊपर — ४८-५३, ४९६-५०३
 के कारण — ४८-५३, ४९६-५०३
 के की करैत अछि — 127
 के दौरान — ४८-५३, ४९६-५०३
 के नीचे — ४८-५३, ४९६-५०३
 के पहले — ४८-५३, ४९६-५०३

- के पास — ४८-५३, ४९६-५०३
 के बजाय — ४८-५३, ४९६-५०३
 के बाद — ४८-५३, ४९६-५०३
 के बारे में — ४८-५३, ४९६-५०३
 के बावजूद — ४८-५३, ४९६-५०३
 के बाहर — ४८-५३, ४९६-५०३
 के बिना — ४८-५३, ४९६-५०३
 के बीच — ४८-५३, ४९६-५०३
 के रूप में — ४८-५३, ४९६-५०३
 के लिए — 379; 52; ४८-५३, ४९६-५०३
 के साथ — ४८-५३, ४९६-५०३
 के सामने — ४८-५३, ४९६-५०३
 कै — 20; 496; 552; ४८-५३, ४९६-५०३
 केम्हर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 केर — 503
 केवल — 85; ८२, ८३, १७६, १८४
 केवल / मात्र — ८२, ८३, १७६, १८४
 केवल उद्धरण — 4
 केवाड़ी — 184; 186; 589; १८४-२००, ४६२
 केहन — ८२, ८३, १७६, १८४
 कैसा — ८२, ८३, १७६, १८४
 कैसे — 196; ८२, ८३, १७६, १८४
 को — 496; ४८-५३, ४९६-५०३
 को (परसर्ग) — ४८-५३, ४९६-५०३
 कोई — ६७-७०, ४३६-४३९
 कोई भी — ६७-७०, ४३६-४३९
 कोठली — 184; 186; १८४-२००, ४६२
 कोना — 111; 184; 196; ८२, ८३, १७६, १८४
 कोनो — 67; 70; ६७-७०, ४३६-४३९
 कोनो उपाय — 333; 70; ५५-७०, ४२९-४३१
 कोनो उपाय भेटत — 421
 कोनो परसर्ग नहि — ४८-५३, ४९६-५०३

- कोनो लोक — 70
 कोनो लोक आयल — 396
 कोशिश — १६१-२००
 कौन — ५५-७६
 क्या — ५५-७६
 क्यों — 196; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 क्योंकि — ८२, ८३, १७६, १८४
 क्रियान्वयनक सम्पन्नता — 146
 खड़ा होना — ९०-१०४
 खबर — १६१-२००
 खबरि — १८, ४७९-४८३
 खबरि / समाचार — १६१-२००
 खसब — ९०-१०४
 खसबाक — 401
 खसबाक कारण — 97
 खसबाक लगल — 393
 खसय — 413
 खसय लागल — 392; 401
 खबर — १८, ४७९-४८३
 खास — १८, ४७९-४८३
 खुश — १८, ४७९-४८३
 खा गेल — 506
 खाइत — ९०-१०८
 खाएब — ९०-१०४
 खाएबैत — ९०-१०८
 खाना — ९०-१०४
 खास — १८, ४७९-४८३; ७७-८०
 खुद — ५५-७६
 खुश — १८, ४७९-४८३
 खोआइल — १८४-२००, ४६२
 खोललक — 203
 गप — 199
 गप करब — 164
 गरीब — १८, ४७९-४८३

- गलत — १८, ४७९-४८३
 गलत रूप — 476
 गरीब — १८, ४७९-४८३
 गलत — १८, ४७९-४८३
 गाछ — १६१-२००
 गाम दिस गेल — 358
 गाम सँ, हाथ सँ — ४८-५३, ४९६-५०३
 गामक — 500
 गामक बाट — 53
 गामक लोक — 503
 गाममे — 368; 498
 गामसँ आयल — 50
 गामसँ, हाथसँ — ४८-५३, ४९६-५०३
 गायब — १८४-२००, ४६२
 गिरना — ९०-१०४
 गीला — ७७-८०
 गुरुजी झार देलनि — 352
 गेल — 203; 93
 घर मे, गद्य मे — ४८-५३, ४९६-५०३
 घरक कात — 394
 घरक पाछाँ — 361
 घरमे, गद्यमे — ४८-५३, ४९६-५०३
 घुर- — 99
 घुरs, घुरS — १८-१९, ४७९-४८३
 घुरब — 184
 घुरबs लगल — 347; 96
 घुरबाक इच्छा — 97
 घुरबाक कारण — 96
 घुरबाक लगल — 507
 घुरल — 99
 घुरs — 19; 348; १८-१९, ४७९-४८३
 घुरs लागल — ८७-१२४, ५०५-५१०

घुरि आयब	— 437
घुरि आयल	— 99
चढल	— 18; 480
चलना	— ९०-१०४
चलब	— ९०-१०४
चलू	— ८७-१२४, ५०५-५१०
चलैत अछि	— 474
चलो	— ८७-१२४, ५०५-५१०
चाउर	— १६१-२००
चाय	— १८४-२००, ४६२
चारिम	— ७७-८०
चावल	— १६१-२००
चाह	— 184; 186; १८४-२००, ४६२
चाहता है	— ८७-१२४, ५०५-५१०
चाहिए	— ८७-१२४, ५०५-५१०
चाही	— 104; 425; ८७-१२४, ५०५-५१०
चाहैत अछि	— ८७-१२४, ५०५-५१०
चिन्हब	— ९०-१०४
चौथा	— ७७-८०
छथि	— 318; 61
छथि / छी / अछि	— ८७-१२४, ५०५-५१०
छल	— ८७-१२४, ५०५-५१०
छल / छलाह	— ८७-१२४, ५०५-५१०
छलए	— 508
छलै	— 508
छहटा	— 504
छात्रसभ	— 44
छी	— ८७-१२४, ५०५-५१०
छूलनि	— 190
छै	— 211
छोट	— ७७-८०
छोटा	— ७७-८०
छौडा / बालक	— १६१-२००

छौड़ी / बालिका — १६१-२००

ज, फ, क, ख, ग — १८-१९, ४७९-४८३

जँ — ८२, ८३, १७६, १८४

जँ...तँ — ५५-७०, ४२९-४३१

जकर — ५५-७६

जकरा — ५५-७६

जकाँ — ४८-५३, ४९६-५०३

जखन — ८१; ८२, ८३, १७६, १८४

जखन कि — ८२, ८३, १७६, १८४

जखन धरि — ८२, ८३, १७६, १८४

जखन वर्षा थमल, तखन ओ गेल। — १२५-१६०, ४३२-४३५

जखन...तखन — ५५-७०, ४२९-४३१

जगह — १६१-२००

जतय — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

जतेक — ८२, ८३, १७६, १८४

जनकपुर धरि — ३५७

जब — ८२, ८३, १७६, १८४

जब तक — ८२, ८३, १७६, १८४

जब वर्षा थमी, तब वह गया। — १२५-१६०, ४३२-४३५

जबकि — ८२, ८३, १७६, १८४

जब...तब — ५५-७०, ४२९-४३१

जमाना — १८, ४७९-४८३

जमीन — १८, ४७९-४८३

जर — १६१-२००

जरा — १८, ४७९-४८३

जरूर — १८, ४७९-४८३

जवाब — १६१-२००

जहाँ — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

ज़, फ़, क़, ख़, ग़ (नुक्तायुक्त) — १८-१९, ४७९-४८३

ज़माना — १८, ४७९-४८३

ज़मीन — १८, ४७९-४८३

ज़रा — १८, ४७९-४८३

ज़रूर — १८, ४७९-४८३

- जरूरत — १६१-२००
 ज़िन्दगी — १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 जा कऽ — 500; ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाइत — ९०-१०८
 जाइत अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाउ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाए पड़ल — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाएगा — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाएत — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाएब — ९०-१०४
 जाएबैत — ९०-१०८
 जाओ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाकर — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाता है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाना — ९०-१०४
 जाना पड़ा — ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाहिसँ — 118; ८२, ८३, १७६, १८४
 जाहिसँ ओ बुझि सकय — 119
 जितना — ८२, ८३, १७६, १८४
 जिधर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 जिन्दगी / जीवन — १८, ४७९-४८३
 जिम्मेदारी — १६१-२००
 जिसका — ५५-७६
 जिसे — ५५-७६
 जीवन — १६१-२००
 जे — 72; ५५-७६; ८२, ८३, १७६, १८४
 जेना — ८२, ८३, १७६, १८४
 जेना कहल गेल अछि। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 जेम्हर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 जेहन — ८२, ८३, १७६, १८४
 जैसा — ८२, ८३, १७६, १८४
 जैसा कि कहा गया है। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 जैसे, जैसे कि — ८२, ८३, १७६, १८४

- जो — ५५-७६
ज्यादा — 79; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
ज्यादातर — ८२, ८३, १७६, १८४
झाड़ि — 482
झार — 185; 191; 353; 440
झार सुखि गेल (वनस्पतिक डंठल) — ५५-७०, ४२९-४३१
टा — 47
टूटल भीतक — 193
टूटल भीतक ईंट — 414
टूटी दीवार का — 414
ठाढ़ होएब — ९०-१०४
ठाम / स्थान — १६१-२००
डर — 482
डर, डाँट — १८-१९, ४७९-४८३
डरना — ९०-१०४
ड — 18; 191; 479; 482; 554
डर, डाँट (शब्दार्थमे ड) — १८-१९, ४७९-४८३
डाँट — 185; 191; 352; 415; 440; 482
डाँट सुखि गेल — 416; ५५-७०, ४२९-४३१
डेराएब — ९०-१०४
ढ — 18; 479; 480; 481; 554; 565
ढोल, ढाक, ढेकी — १८-१९, ४७९-४८३
ढाक — 18; 480
ढूँढना, खोजना — ९०-१०४
ढेकी — 18; 480
ढोल — 18; 480
ढोल, ढाक, ढेकी — १८-१९, ४७९-४८३
तँ — ८२, ८३, १७६, १८४
तक — ४८-५३, ४९६-५०३
तकर पाछाँ — 361
तकर बाद — 116; 135; 138; 142
तखन — 81; ८२, ८३, १७६, १८४

- तखन धरि — ८२, ८३, १७६, १८४
 तथा, एवं — ८२, ८३, १७६, १८४
 तथापि — 120
 तब — ८२, ८३, १७६, १८४
 तब तक — ८२, ८३, १७६, १८४
 तरहडि — 18; 186; 480; 589; १८-१९, ४७९-४८३
 तरहडि — १८-१९, ४७९-४८३
 तरीका — १६१-२००
 तहखाना — १८-१९, ४७९-४८३
 तहिना — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 ताकब — ९०-१०४
 ताकि — ८२, ८३, १७६, १८४
 तारीख — १८, ४७९-४८३
 तारीख — १८, ४७९-४८३
 तीनू — ५५-७६
 तीनों — ५५-७६
 तीसरा — ७७-८०
 तुम — ५५-७६
 तुम कहाँ जा रहे हो? — १२५-१६०, ४३२-४३५
 तुमने कहा, आपने कहा — ८७-१२४, ५०५-५१०
 तुम्हारा — ५५-७६
 तुम्हें — ५५-७६
 तुरंत, फौरन — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 तुरत — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 तैं / अतः — ८२, ८३, १७६, १८४
 तैं / ताहि लेल — ८२, ८३, १७६, १८४
 तेना — ८२, ८३, १७६, १८४
 तेसर — ७७-८०
 तेहन — ८२, ८३, १७६, १८४
 तैयो — ८२, ८३, १७६, १८४
 तैयो / क बादो — ४८-५३, ४९६-५०३
 तो (परिणामसूचक) — ८२, ८३, १७६, १८४
 था, थी — ८७-१२४, ५०५-५१०

- थे — ८७-१२४, ५०५-५१०
 थोड़ / कनेक — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 थोड़ा — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 दरवाजा — १८४-२००, ४६२
 दादा — १६१-२००
 दाम / मूल्य — १६१-२००
 दायित्व — १६१-२००
 दिअ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 दिखाना — ९०-१०४
 दियौ गेल अछि — ९०-१०८
 दिस — ४८-५३, ४९६-५०३
 दीवार — 193
 दुनू — ५५-७६
 दुपहर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 दुबारा — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 दू गोटे लोक — 47
 दूटा — 504
 दूल्हा — १६१-२००
 दूसरा — ७७-८०
 देखकर — ८७-१२४, ५०५-५१०
 देखना — ९०-१०४
 देखब — ९०-१०४
 देखलक — 203
 देखाएब — ९०-१०४
 देखाबैत — 91क
 देखि कऽ — 20; 506; ८७-१२४, ५०५-५१०
 देखि कऽ कहलक — 337
 देखि लेलक — 103
 देखू — 112; ८७-१२४, ५०५-५१०
 देखो — ८७-१२४, ५०५-५१०
 देत — 128; 355; 399; 409; 505; 542; 90; 91क
 देना — ९०-१०४
 देब — ९०-१०४
 देबैत — 91क; ९०-१०८

- देल गेल अछि — ९०-१०८
 देलक — 93
 दैत — 128; 356; 399; 408; 542; 90; 91क; ९०-१०८
 दैत अछि — 505
 दो — ८७-१२४, ५०५-५१०
 दोनों — ५५-७६
 दोपहर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 दोसर — 142; ७७-८०
 दोस्त — १६१-२००
 द्वारा — ४८-५३, ४९६-५०३
 द्वारा / सँ — ४८-५३, ४९६-५०३
 धरि — 358; ४८-५३, ४९६-५०३
 धान — 262
 धूप — १६१-२००
 न करू, मत करू — ९०-१०८
 नया — ७७-८०
 नव — ७७-८०
 नह — १६१-२००
 नहि — 105; 106; 107; 183; 261; 360
 नहि करू — ८७-१२४, ५०५-५१०; ९०-१०८
 नहि जाउ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 नाखून — १६१-२००
 निर्णय — १६१-२००
 निर्णय कएल गेल — 126
 निर्णय लेब — 164
 नीक — ७७-८०
 नीचाँ — ४८-५३, ४९६-५०३; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 नीचे — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 ने — 106
 ने (कर्ता-चिह्न) — ४८-५३, ४९६-५०३
 नै — 105; 183; 211; 359
 पएर — १६१-२००
 पठाएब — ९०-१०४
 पडल, मोड, झाडि — १८-१९, ४७९-४८३

- पड़त — 104
- पड़ल — 18; 482
- पड़ल, मोड़, झाड़ि — १८-१९, ४७९-४८३
- पढल, बढल, चढल, गढल — १८-१९, ४७९-४८३
- पढ़ना — ९०-१०४
- पढ़ब — ९०-१०४
- पढ़बाक लेल — 119; 426; 52; 97
- पढ़ल — 18; 480
- पढ़ल, बढल, चढल, गढल — १८-१९, ४७९-४८३
- पतला — ७७-८०
- पत्ता — १६१-२००
- पत्थर — १६१-२००
- पत्नी — १६१-२००
- पदबंध — १५, ४८४-४८६
- पदबन्ध — १५, ४८४-४८६
- पन्ना — 263
- पर — 368; 496; 51; ४८-५३, ४९६-५०३
- पर / मे — ४८-५३, ४९६-५०३
- परन्तु, परंतु, किन्तु — ८२, ८३, १७६, १८४
- परसू — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- परसों — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- पहचानना — ९०-१०४
- पहनना — ९०-१०४
- पहला — ७७-८०
- पहली बार — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- पहले — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- पहिने — 142; ४८-५३, ४९६-५०३; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- पहिरब — ९०-१०४
- पहिल — ७७-८०
- पहिल बेर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- पाँचम — ७७-८०
- पाँचवाँ — ७७-८०
- पाछाँ — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- पात — १६१-२००

- पातक डाँट — 353
 पातर — ७७-८०
 पाथर — १६१-२००
 पानि — 15; 184; 186; 589; १६१-२००
 पानि खसब — 164
 पानी — १६१-२००
 पास (निकट) — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 पाहुन — १६१-२००
 पिण्ड — ९०-१०४
 पित्तारि — 186; 589; १८४-२००, ४६२
 पीछे — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 पीढी — 18; 480
 पीतल — १८४-२००, ४६२
 पीना — ९०-१०४
 पुछब — ९०-१०४
 पुनर्जाँच — 266; 314; 4; 478; 551
 पुरान — ७७-८०
 पुराना — ७७-८०
 पूछना — ९०-१०४
 पूरा वाक्यमे एक सम्मानरूप — ५५-७०, ४२९-४३१
 पेड — १६१-२००
 पैघ — ७७-८०
 पैर — १६१-२००
 पोथी — 200
 पोथी क पन्ना — ४८-५३, ४९६-५०३
 पोथी छथि — 319; 510
 पोथी पढलाक बाद ओ सुतल। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 पोथी पढि कऽ ओ लिखलक — 100
 पोथीक पन्ना — 53; ४८-५३, ४९६-५०३
 पोथीमे — 368; 498
 पोथीसभ — 44
 प्रतीक्षा — १६१-२००
 प्रत्येक — 46
 प्रत्येक / सभ — ६७-७०, ४३६-४३९

- प्रत्येक / हरेक — ६७-७०, ४३६-४३९
 प्रत्येक पीढ़ी — 407
 प्रत्येक बेर / सभ बेर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 प्रमाण — १६१-२००
 प्रयास — १६१-२००
 प्रयोग / उपयोग — १६१-२००
 प्रश्न — १६१-२००
 प्रायः / बेर-बेर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 फर्क — १८, ४७९-४८३
 फर्की — १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 फ़ैसला — १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 फिर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 फिर भी, तब भी — ८२, ८३, १७६, १८४
 फिर से — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 फेर — 138; 198; 81; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 फेर / दोबारा — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 फेर ओ आयल — 362
 फेरसँ — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 फ़ैसला — १८, ४७९-४८३
 फ्रन्ट — 395
 बच्चा सभ — १६१-२००
 बच्चे — १६१-२००
 बजाएब — ९०-१०४
 बजार — १८, ४७९-४८३
 बजैत — 91
 बड़ा — ७७-८०
 बढल — 18; 480
 बनाएब — ९०-१०४
 बनाना — ९०-१०४
 बनाबैत — 91क
 बरख / वर्ष — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 बरखा — १६१-२००
 बरामदा — १८४-२००, ४६२
 बरियाति — १६१-२००

- बल्कि — ८२, ८३, १७६, १८४
 बहन — १६१-२००
 बहिन — १६१-२००
 बाजब — ९०-१०४
 बाज़ार — १८, ४७९-४८३
 बाजू — ८७-१२४, ५०५-५१०
 बाट — १६१-२००
 बाढ़ि, पीढ़ी — १८-१९, ४७९-४८३
 बाढ़ि, पीढ़ी — १८-१९, ४७९-४८३
 बात — 199; 344
 बाद / पाछाँ — ४८-५३, ४९६-५०३
 बाद में — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 बादमे / पाछाँ — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 बाबा — १६१-२००
 बार-बार — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 बारात — १६१-२००
 बारिश — १६१-२००
 बारी-बारी — 194; 363; १८४-२००, ४६२
 बारेमे / विषयमे — ४८-५३, ४९६-५०३
 बाहर — ४८-५३, ४९६-५०३
 बाहेक / अतिरिक्त — ८२, ८३, १७६, १८४
 बिना — ४८-५३, ४९६-५०३
 बिलायल — 186; 589; १८४-२००, ४६२
 बिल्कुल — ८२, ८३, १७६, १८४
 बिसरब — ९०-१०४
 बिसरल — 186; १८४-२००, ४६२
 बीचमे — ४८-५३, ४९६-५०३
 बुखार — १६१-२००
 बुझब — ९०-१०४
 बुरा — ७७-८०
 बुलाना — ९०-१०४
 बेर-बेर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 बेराबेरी — 186; 194; १८४-२००, ४६२
 बेसी — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

- बैठना — ९०-१०४
 बैठो — ८७-१२४, ५०५-५१०
 बैसब — ९०-१०४
 बैसल — 203
 बैसू — 112; ८७-१२४, ५०५-५१०
 बोलचाल — 4
 बोलना — ९०-१०४
 बोलो — ८७-१२४, ५०५-५१०
 भऽ, भऽ, भ' — १८-१९, ४७९-४८३
 भऽ — 101; 19; 427; १८-१९, ४७९-४८३
 भऽ कऽ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 भऽ गेल — ८७-१२४, ५०५-५१०
 भऽ चुकल अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
 भऽ रहल अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
 भऽ सकैत अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
 भाई — १६१-२००
 भाय — १६१-२००
 भाषापाक — 2; 470
 भिजल — ७७-८०
 भी — ८२, ८३, १७६, १८४
 भीत — 193
 भीतर — 366; ४८-५३, ४९६-५०३; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 भूलना — ९०-१०४
 भूलल — १८४-२००, ४६२
 भेजना — ९०-१०४
 भेटब — ९०-१०४
 भेल — 93; ८७-१२४, ५०५-५१०
 भोर / भिनसर — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 मगर — ८२, ८३, १७६, १८४
 मजदूर — १८, ४७९-४८३
 मज़दूर — १८, ४७९-४८३
 मत — 108
 मत करो — ८७-१२४, ५०५-५१०

- मत जाओ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 मतलब (अर्थ) — ८२, ८३, १७६, १८४
 मदद — १६१-२००
 मनक बात — 53
 मसौदा — 308
 महंगा — ७७-८०
 महग — ७७-८०
 माँ — १६१-२००
 माटि — १६१-२००
 मात्र — 85
 मात्र / टा — ८२, ८३, १७६, १८४
 माथ — 188; 367; १६१-२००
 माने — ८२, ८३, १७६, १८४
 माय — १६१-२००
 मायक संग — 385
 मिट्टी — १६१-२००
 मित्र / संगी — १६१-२००
 मिलना (भेंट होना) — ९०-१०४
 मुझसे — ५५-७६
 मुझे — ५५-७६
 मुझे जाना है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 मुझे जाना है। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 मुझे पानी चाहिए। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 मुदा — 120; 138; 184; 197; 432; 83; ८२, ८३, १७६, १८४
 मुश्किल — ७७-८०
 मे — 20; 496; 498; 51; ४८-५३, ४९६-५०३
 मे सँ — ४८-५३, ४९६-५०३
 में — 498; ४८-५३, ४९६-५०३
 में से — ४८-५३, ४९६-५०३
 मेरा, मेरी, मेरे — ५५-७६
 मेरे पास किताब है। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 मेरे लिए यह काम कठिन है। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 मेहमान — १६१-२००
 मैं — ५५-७६

मैं घर जा रहा हूँ। — १२५-१६०, ४३२-४३५

मैंने कहा — ८७-१२४, ५०५-५१०

मैथिली आधार पाठ्यक्रम — 2

मोड़ — 482

मोन पड़ब — ९०-१०४

मोन पाड़ब — ९०-१०४

मौका — १६१-२००

यद्यपि — 120

यह — ५५-७६

यह क्या है? — १२५-१६०, ४३२-४३५

यहाँ — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

यहाँ कोई नहीं है। — १२५-१६०, ४३२-४३५

यहीं — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

या — ८२, ८३, १७६, १८४

याद आना — ९०-१०४

याद करना — ९०-१०४

यानी — ८२, ८३, १७६, १८४

ये — ५५-७६

रंग — १५, ४८४-४८६

रखना — ९०-१०४

रङ्ग — १५, ४८४-४८६

रहए — 508

रहते हैं — ८७-१२४, ५०५-५१०

रहना — ९०-१०४

रहब — ९०-१०४

रहल — 383; 424; 92

रहल अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०

रहा है, रही है — ८७-१२४, ५०५-५१०

रहै — 508

रहैत — 383

रहैत छथि / रहैत छी — ८७-१२४, ५०५-५१०

राखब — ९०-१०४

रात — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

राति — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

- रास्ता — १६१-२००
 रूपमे — ४८-५३, ४९६-५०३
 रोना — ९०-१०४
 रौद — १६१-२००
 लंबा — ७७-८०
 लकड़ी — १६१-२००
 लग — 394; 496; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 लग / लगमे — ४८-५३, ४९६-५०३
 लगब — 382
 लगैत — 98
 लइका — १६१-२००
 लइकी — १६१-२००
 लऽ जाएब — ९०-१०४
 लागल — 382; 393; 557; 95; 96; 97; 98
 लाना — ९०-१०४
 लाम — ७७-८०
 लिअ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 लिखना — ९०-१०४
 लिखब — ९०-१०४
 लिखबाक चाही — 474
 ले जाना — ९०-१०४
 लेकिन — 432; 464; 83; ८२, ८३, १७६, १८४
 लेखक उपस्थित छथि — 61
 लेखक उपस्थित छथि। — 319
 लेना — ९०-१०४
 लेब — ९०-१०४
 लेबैत — 91क; ९०-१०८
 लेल — 52; ४८-५३, ४९६-५०३
 लैत — 91क; ९०-१०८
 लो — ८७-१२४, ५०५-५१०
 लोक — १६१-२००
 लोकसभ — 44
 लोग — १६१-२००
 वएह — 374; 438; 66
 वएह दिन — 411

- वक्त — १८, ४७९-४८३
 वक्त — १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 वगैरह — ८२, ८३, १७६, १८४
 वजह — १६१-२००
 वर — १६१-२००
 वरन् / प्रत्युत — ८२, ८३, १७६, १८४
 वला / निहार — ८७-१२४, ५०५-५१०
 वस्तुतः — ८२, ८३, १७६, १८४
 वह — ५५-७६
 वह आया और बैठ गया। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 वहाँ — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 वही — 438; 66
 वहीं — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 वा — 84; ८२, ८३, १७६, १८४
 वाक्यान्तमे '।' वा '।' — ४८-५३, ४९६-५०३
 वापस — 326; 402; 437; 464; 99
 वापस जाने लगा — 405; ८७-१२४, ५०५-५१०
 वापस लौटना — 437
 वाला (कर्तृवाचक) — ८७-१२४, ५०५-५१०
 वास्तव में — ८२, ८३, १७६, १८४
 विदेहक प्राथमिक रूप — 4
 विधि / ढंग — १६१-२००
 विवाह / बियाह — १६१-२००
 विशेष — ७७-८०
 विशेषज्ञ — 4
 वे — ५५-७६
 वैकल्पिक — 474
 वैसा — ८२, ८३, १७६, १८४
 वैसे — ८२, ८३, १७६, १८४
 शादी — १६१-२००
 शाम — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 शीर्ष — 188
 शृङ्खला — १५, ४८४-४८६

- शृंखला, शृंखला — १५, ४८४-४८६
 सँ — 20; 49; 496; 50; 501; 79; ४८-५३, ४९६-५०३
 सँ पहिने — ४८-५३, ४९६-५०३
 संग — ४८-५३, ४९६-५०३; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 संदर्भ — १५, ४८४-४८६
 संधि — १५, ४८४-४८६
 संपादक, संपादकीय — १५, ४८४-४८६
 संबंध — १५, ४८४-४८६
 संभव — १५, ४८४-४८६
 सकता है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 सकते हैं — ८७-१२४, ५०५-५१०
 सकैत — 104
 सकैत अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
 सकैत छथि / सकैत छी — ८७-१२४, ५०५-५१०
 सच्चा — ७७-८०
 सत्य — ७७-८०
 सदिखन / सदा — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 सन्दर्भ — १५, ४८४-४८६
 सन्धि — १५, ४८४-४८६
 सप्ताह — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 सफर — १८, ४७९-४८३
 सफर — १८, ४७९-४८३
 सब — 45; ६७-७०, ४३६-४३९
 सब कुछ — ६७-७०, ४३६-४३९
 सब लोग आ गए। — १२५-१६०, ४३२-४३५
 सब लोग, सभी लोग — ६७-७०, ४३६-४३९
 सबका — ६७-७०, ४३६-४३९
 सबको — ६७-७०, ४३६-४३९
 सबसे — ८२, ८३, १७६, १८४
 सबूत — १६१-२००
 सभ — 44; 45; ६७-७०, ४३६-४३९
 सभ / समस्त — ६७-७०, ४३६-४३९

- सभ काल — 46
- सभ किछु — ६७-७०, ४३६-४३९
- सभ कियो / प्रत्येक लोक — ६७-७०, ४३६-४३९
- सभ पीढ़ी — 407; 46
- सभ बेराबेरी पढ़ू — 363
- सभ लोक — 386; ६७-७०, ४३६-४३९
- सभ लोक आवि गेल। — १२५-१६०, ४३२-४३५
- सभक — ६७-७०, ४३६-४३९
- सभकँ — ६७-७०, ४३६-४३९
- सभसँ — ८२, ८३, १७६, १८४
- सभी — ६७-७०, ४३६-४३९
- समझना — ९०-१०४
- समितिने निर्णय कएलक — 126; 434
- सम्पादक, सम्पादकीय — १५, ४८४-४८६
- सम्बन्ध — १५, ४८४-४८६
- सम्भव — १५, ४८४-४८६
- सवाल — १६१-२००
- सहज — ७७-८०
- सहायकक निर्देश — 308
- सहायता / मदति — १६१-२००
- सऽ — 501
- साँझ — 15; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- साँझ धरि — 357
- साँझक — 78
- साँझक इजोत — 384; 78
- साँझक समय — 53; 78
- साँझमे अन्हार खसय लागल — 328
- साँझिक — 384; 78
- साथ — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- साधारण वर्तमान वा आवृत्तिरूप — ९०-१०८
- सामने — 189; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- सामान्य — ७७-८०
- सामान्य गद्यमे अंग्रेजी अङ्क 12 — ४८-५३, ४९६-५०३

- सारे — ६७-७०, ४३६-४३९
 साल — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 सास — १६१-२००
 सासु — १६१-२००
 साहित्यिक — 4
 सिद्ध — 551
 सिर — 367; १६१-२००
 सिर्फ — ८२, ८३, १७६, १८४
 सुतब — ९०-१०४
 सुधार — 296
 सुनकर — ८७-१२४, ५०५-५१०
 सुनना — ९०-१०४
 सुनब — ९०-१०४
 सुनि कऽ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 सुनू — ८७-१२४, ५०५-५१०
 सुनो — ८७-१२४, ५०५-५१०
 सुन्दर फोटो — 231
 सुबह — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 से — 49; 72
 से (परसर्ग) — ४८-५३, ४९६-५०३
 से (स्रोत, साधन, तुलना) — ४८-५३, ४९६-५०३
 से पहले — ४८-५३, ४९६-५०३
 सेहो — 85; ८२, ८३, १७६, १८४
 सोझाँ — 15; 184; 189; 325; 395; ४८-५३, ४९६-५०३; ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 सोझाँ ठाढ़ — 164
 सोना — ९०-१०४
 स्त्री / जनानी — १६१-२००
 स्थानीय — 551
 स्थिति — १६१-२००
 स्वतंत्र, नियंत्रण — १५, ४८४-४८६
 स्वतन्त्र, नियन्त्रण — १५, ४८४-४८६
 स्वयं / अपने — ५५-७६
 स्वीकार्य विकल्प — 4; 551

- हँसना — ९०-१०४
हँसब — ९०-१०४
हएत — 104
हफता — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
हम — 56; ५५-७६
हम (बहुवचन) — ५५-७६
हम कहलहुँ — ८७-१२४, ५०५-५१०
हम घर जाइत छी। — १२५-१६०, ४३२-४३५
हम सब, सब लोग — ५५-७०, ४२९-४३१
हम सभ / हमरालोकनि — ५५-७६
हम सभ कहलहुँ — ८७-१२४, ५०५-५१०
हम सभ, सभ लोक — ५५-७०, ४२९-४३१
हमने कहा — ८७-१२४, ५०५-५१०
हमर — 56; ५५-७६
हमर / हमरा लोकनिक — ५५-७६
हमरा — 56; ५५-७६
हमरा जएबाक अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
हमरा जएबाक अछि। — १२५-१६०, ४३२-४३५
हमरा पानि चाही। — १२५-१६०, ४३२-४३५
हमरा लग पोथी अछि — 380
हमरा लग पोथी अछि। — १२५-१६०, ४३२-४३५
हमरा लेल ई काज कठिन अछि। — १२५-१६०, ४३२-४३५
हमरा सभकेँ — ५५-७६
हमरासँ — ५५-७६
हमरासँ गप करू — 344
हमारा — ५५-७६
हमे — ५५-७६
हमेशा — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
हर — 389; 436; 46; 464; ६७-७०, ४३६-४३९
हर कोई — ६७-७०, ४३६-४३९
हर पीढ़ी — 388; 407
हर बार — ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
हरदम — 387; 407; 436; 46

- हरेक — ६७-७०, ४३६-४३९
 हलुक — ७७-८०
 हल्का — ७७-८०
 हाथसँ लिखल — 50
 हालत — १६१-२००
 हिनकर — ५५-७६
 हुआ, हुई, हुए — ८७-१२४, ५०५-५१०
 हुनक — 59
 हुनकर — ५५-७६
 हुनका — 59; ५५-७६
 हूँ — ८७-१२४, ५०५-५१०
 हेरायल — 186; १८४-२००, ४६२
 है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 हैं — ८७-१२४, ५०५-५१०
 हो गया — ८७-१२४, ५०५-५१०
 हो चुका है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 हो रहा है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 हो सकता है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होंगे — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होइत — 91
 होइत अछि — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होइत छल — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होएत — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होएताह / होएत — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होएब — ९०-१०४
 होकर — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होगा, होगी — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होता था — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होता है — ८७-१२४, ५०५-५१०
 होना — ९०-१०४
 । — ४८-५३, ४९६-५०३
 १२ — ४८-५३, ४९६-५०३
 ‘!!’, ‘???’ — ४८-५३, ४९६-५०३

‘!’, ‘?’ — ४८-५३, ४९६-५०३

‘...’ (तीन बिन्दु) — ४८-५३, ४९६-५०३

‘...’ — ४८-५३, ४९६-५०३

“...” आ ‘...’ — ४८-५३, ४९६-५०३

हिन्दी आ बाहरी रूपक उलटा-सूचकांक

एहि सूचीमे केवल मूल प्रतिस्थापन-पञ्जीक बाम स्तम्भक रूप अछि; एहि मे प्रवेशकें प्रमाणित अशुद्धि नहि मानू ।

ASCII उद्धरण "... वा '...' → ४८-५३, ४९६-५०३

अंक → १५, ४८४-४८६

अंग → १५, ४८४-४८६

अंग्रेजी चलैत क्रियाक सभ उदाहरणमे 'रहल' → ९०-१०८

अंतिम, अंतराल → १५, ४८४-४८६

अंदर → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अकेला → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अक्सर → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अगर, यदि → ८२, ८३, १७६, १८४

अगर...तो → ५५-७०, ४२९-४३१

अङ्गूठा → १८४-२००, ४६२

अचानक → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अच्छा → ७७-८०

अतः → ८२, ८३, १७६, १८४

अथवा → ८२, ८३, १७६, १८४

अन्हार खसयक डर → ९०-१०८

अपना → ५५-७६

अपने आप → ४८-५३, ४९६-५०३

अब → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अब तक → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अब मैं जा रहा हूँ। → १२५-१६०, ४३२-४३५

अभी → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

अर्थात् → ८२, ८३, १७६, १८४

अलावा → ८२, ८३, १७६, १८४

अहाँ संग साधारण/अशिष्ट क्रिया → ५५-७०, ४२९-४३१

आँख → १६१-२००

आंचलिक → १५, ४८४-४८६

आईना → १८४-२००, ४६२

आओ → ८७-१२४, ५०५-५१०

- आकर → ८७-१२४, ५०५-५१०
 आग → १६१-२००
 आगे → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 आचार्य उपस्थित अछि → ५५-७०, ४२९-४३१
 आज → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 आना → ९०-१०४
 आप → ५५-७६
 आप कब आएँगे? → १२५-१६०, ४३२-४३५
 आप लोग → ५५-७६
 आपका → ५५-७६
 आपको → ५५-७६
 आपस में → ४८-५३, ४९६-५०३
 आम → ७७-८०
 आवाज़ → १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 आसान → ७७-८०
 इंतज़ार → १६१-२००
 इतना → ८२, ८३, १७६, १८४
 इधर → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 इनका → ५५-७६
 इस कारण से वह नहीं आया। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 इस बार → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 इसका → ५५-७६
 इसके अलावा कुछ नहीं बचा। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 इसमें → ५५-७६
 इसलिए → ८२, ८३, १७६, १८४
 इससे → ५५-७६
 इसी तरह → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 इसे → ५५-७६
 इस्तेमाल → १६१-२००
 ई पोथी छथि → ५५-७०, ४२९-४३१
 उँगली → १६१-२००
 उठना → ९०-१०४
 उतना → ८२, ८३, १७६, १८४
 उधर → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 उनका → ५५-७६

- उन्हें → ५५-७६
 उन्होंने कहा → ८७-१२४, ५०५-५१०
 उसका → ५५-७६
 उसके साथ जाओ। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 उसने कहा → ८७-१२४, ५०५-५१०
 उसने मुझसे कहा कि वह आएगा। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 उससे → ५५-७६
 उसी तरह → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 उसे → ५५-७६
 उसे बुखार है। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 ऊँचा → ७७-८०
 एक दूसरे → ४८-५३, ४९६-५०३
 एक बार → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 ऐसा → ८२, ८३, १७६, १८४
 ऐसे → ८२, ८३, १७६, १८४
 ओ काल्हि दैत → ९०-१०८
 ओ डाँट देलक (फटकारक अर्थमे) → ५५-७०, ४२९-४३१
 ओ पोथी देत अछि → ९०-१०८
 ओ वापस जाने लगा → ९०-१०८
 ओकरा केँ → ४८-५३, ४९६-५०३
 ओकरा सं, गाम सं → ४८-५३, ४९६-५०३
 और → ८२, ८३, १७६, १८४
 औरत → १६१-२००
 क ऽ, भ ऽ (बीचमे फाँक) → १८-१९, ४७९-४८३
 कs, कS, क5, क' → १८-१९, ४७९-४८३
 कई → ६७-७०, ४३६-४३९
 कई बार → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 ककरो आएल (कर्ताक रूपमे) → ५५-७०, ४२९-४३१
 कब → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 कभी → ६७-७०, ४३६-४३९
 कभी नहीं → ६७-७०, ४३६-४३९
 कभी-कभी → ६७-७०, ४३६-४३९
 कमरा / कोठरी → १८४-२००, ४६२

- कर चुका है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 कर रहा है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करके → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करता है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करते हैं → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करना → ९०-१०४
 करना चाहिए → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करने का → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करने के लिए → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करने से → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करबैत → ९०-१०८
 करूँगा → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करेंगे → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करेगा → ८७-१२४, ५०५-५१०
 करो → ८७-१२४, ५०५-५१०
 कल (अगिला वा बीतल दिन) → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 कल में आऊँगा। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 कहकर → ८७-१२४, ५०५-५१०
 कहना → ९०-१०४
 कहबैत → ९०-१०८
 कहाँ → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 कहीं → ६७-७०, ४३६-४३९
 कहीं नहीं → ६७-७०, ४३६-४३९
 कहो → ८७-१२४, ५०५-५१०
 कानून → १८, ४७९-४८३
 क्रिस्ता → १८, ४७९-४८३
 का, की, के → ४८-५३, ४९६-५०३
 का, की, के (सम्बन्ध) → ४८-५३, ४९६-५०३
 कागज़, कागज़ → १६१-२००
 काग़ज़ → १८, ४७९-४८३
 कि (कथन-जोड़क) → ८२, ८३, १७६, १८४
 कितना → ८२, ८३, १७६, १८४

- कितने, कितनी → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 किताब पढ़ने के बाद वह सोया। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 किधर → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 किया → ८७-१२४, ५०५-५१०
 किया गया → ८७-१२४, ५०५-५१०
 कियो उपाय (विशेषक) → ५५-७०, ४२९-४३१
 कियो पोथी (सम्बन्ध) → ५५-७०, ४२९-४३१
 किसका → ५५-७६
 किससे → ५५-७६
 किसी (कर्ता) → ६७-७०, ४३६-४३९
 किसी (विशेषक) → ६७-७०, ४३६-४३९
 किसी (सम्बन्ध) → ६७-७०, ४३६-४३९
 किसी ने नहीं देखा। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 किसे → ५५-७६
 की ओर → ४८-५३, ४९६-५०३
 की तरह, के समान → ४८-५३, ४९६-५०३
 कीमत → १६१-२००
 कुआँ → १६१-२००
 कुछ → ६७-७०, ४३६-४३९
 कुछ नहीं → ६७-७०, ४३६-४३९
 कुछ भी → ६७-७०, ४३६-४३९
 कुछ लोग → ६७-७०, ४३६-४३९
 के अनुसार → ४८-५३, ४९६-५०३
 के अन्दर, के भीतर → ४८-५३, ४९६-५०३
 के ऊपर → ४८-५३, ४९६-५०३
 के कारण → ४८-५३, ४९६-५०३
 के दौरान → ४८-५३, ४९६-५०३
 के नीचे → ४८-५३, ४९६-५०३
 के पहले → ४८-५३, ४९६-५०३
 के पास → ४८-५३, ४९६-५०३
 के बजाय → ४८-५३, ४९६-५०३
 के बाद → ४८-५३, ४९६-५०३
 के बारे में → ४८-५३, ४९६-५०३

- के बावजूद → ४८-५३, ४९६-५०३
 के बाहर → ४८-५३, ४९६-५०३
 के बिना → ४८-५३, ४९६-५०३
 के बीच → ४८-५३, ४९६-५०३
 के रूप में → ४८-५३, ४९६-५०३
 के लिए → ४८-५३, ४९६-५०३
 के साथ → ४८-५३, ४९६-५०३
 के सामने → ४८-५३, ४९६-५०३
 केवल → ८२, ८३, १७६, १८४
 कैसा → ८२, ८३, १७६, १८४
 कैसे → ८२, ८३, १७६, १८४
 को → ४८-५३, ४९६-५०३
 को (परसर्ग) → ४८-५३, ४९६-५०३
 कोई → ६७-७०, ४३६-४३९
 कोई भी → ६७-७०, ४३६-४३९
 कोशिश → १६१-२००
 कौन → ५५-७६
 क्या → ५५-७६
 क्यों → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 क्योंकि → ८२, ८३, १७६, १८४
 खड़ा होना → ९०-१०४
 खबर → १६१-२००
 खबर → १८, ४७९-४८३
 खास → १८, ४७९-४८३
 खुश → १८, ४७९-४८३
 खाएबैत → ९०-१०८
 खाना → ९०-१०४
 खास → ७७-८०
 खुद → ५५-७६
 खोआइल → १८४-२००, ४६२
 गरीब → १८, ४७९-४८३
 गलत → १८, ४७९-४८३
 गाम सँ, हाथ सँ → ४८-५३, ४९६-५०३

- गायब → १८४-२००, ४६२
 गिरना → ९०-१०४
 गीला → ७७-८०
 घर मे, गद्य मे → ४८-५३, ४९६-५०३
 घुरऽ, घुरऽ → १८-१९, ४७९-४८३
 चलना → ९०-१०४
 चलो → ८७-१२४, ५०५-५१०
 चाय → १८४-२००, ४६२
 चावल → १६१-२००
 चाहता है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 चाहिए → ८७-१२४, ५०५-५१०
 चौथा → ७७-८०
 छोटा → ७७-८०
 जगह → १६१-२००
 जब → ८२, ८३, १७६, १८४
 जब तक → ८२, ८३, १७६, १८४
 जब वर्षा थमी, तब वह गया। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 जबकि → ८२, ८३, १७६, १८४
 जब...तब → ५५-७०, ४२९-४३१
 जवाब → १६१-२००
 जहाँ → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 ज, फ, क, ख, ग (नुक्तायुक्त) → १८-१९, ४७९-४८३
 ज़माना → १८, ४७९-४८३
 ज़मीन → १८, ४७९-४८३
 ज़रा → १८, ४७९-४८३
 ज़रूर → १८, ४७९-४८३
 ज़रूरत → १६१-२००
 ज़िन्दगी → १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 जाएगा → ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाएबैत → ९०-१०८
 जाओ → ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाकर → ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाता है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 जाना → ९०-१०४

- जाना पडा → ८७-१२४, ५०५-५१०
जितना → ८२, ८३, १७६, १८४
जिधर → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
जिम्मेदारी → १६१-२००
जिसका → ५५-७६
जिसे → ५५-७६
जैसा → ८२, ८३, १७६, १८४
जैसा कि कहा गया है। → १२५-१६०, ४३२-४३५
जैसे, जैसे कि → ८२, ८३, १७६, १८४
जो → ५५-७६
ज्यादा → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
ज्यादातर → ८२, ८३, १७६, १८४
झार सुखि गेल (वनस्पतिक डंठल) → ५५-७०, ४२९-४३१
डरना → ९०-१०४
डर, डाँट (शब्दार्म्भमे ड) → १८-१९, ४७९-४८३
ढोल, ढाक, ढेकी → १८-१९, ४७९-४८३
ढूँढना, खोजना → ९०-१०४
तक → ४८-५३, ४९६-५०३
तथा, एवं → ८२, ८३, १७६, १८४
तब → ८२, ८३, १७६, १८४
तब तक → ८२, ८३, १७६, १८४
तरहडि → १८-१९, ४७९-४८३
तरीका → १६१-२००
तहखाना → १८-१९, ४७९-४८३
ताकि → ८२, ८३, १७६, १८४
तारीख → १८, ४७९-४८३
तीनों → ५५-७६
तीसरा → ७७-८०
तुम → ५५-७६
तुम कहाँ जा रहे हो? → १२५-१६०, ४३२-४३५
तुमने कहा, आपने कहा → ८७-१२४, ५०५-५१०
तुम्हारा → ५५-७६
तुम्हें → ५५-७६
तुरंत, फौरन → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

तो (परिणामसूचक)	→ ८२, ८३, १७६, १८४
था, थी	→ ८७-१२४, ५०५-५१०
थे	→ ८७-१२४, ५०५-५१०
थोडा	→ ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
दरवाजा	→ १८४-२००, ४६२
दादा	→ १६१-२००
दिखाना	→ ९०-१०४
दियौ गेल अछि	→ ९०-१०८
दुबारा	→ ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
दूल्हा	→ १६१-२००
दूसरा	→ ७७-८०
देखकर	→ ८७-१२४, ५०५-५१०
देखना	→ ९०-१०४
देखो	→ ८७-१२४, ५०५-५१०
देना	→ ९०-१०४
देवैत	→ ९०-१०८
दो	→ ८७-१२४, ५०५-५१०
दोनों	→ ५५-७६
दोपहर	→ ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
दोस्त	→ १६१-२००
द्वारा	→ ४८-५३, ४९६-५०३
धूप	→ १६१-२००
न करू, मत करू	→ ९०-१०८
नया	→ ७७-८०
नाखून	→ १६१-२००
नीचे	→ ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
ने (कर्ता-चिह्न)	→ ४८-५३, ४९६-५०३
पडल, मोड, झाडि	→ १८-१९, ४७९-४८३
पढल, बढल, चढल, गढल	→ १८-१९, ४७९-४८३
पढना	→ ९०-१०४
पतला	→ ७७-८०
पत्ता	→ १६१-२००
पत्थर	→ १६१-२००
पत्नी	→ १६१-२००
पदबंध	→ १५, ४८४-४८६

- पर → ४८-५३, ४९६-५०३
 परन्तु, परंतु, किन्तु → ८२, ८३, १७६, १८४
 परसों → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 पहचानना → ९०-१०४
 पहनना → ९०-१०४
 पहला → ७७-८०
 पहली बार → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 पहले → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 पाँचवाँ → ७७-८०
 पानी → १६१-२००
 पास (निकट) → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 पीछे → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 पीतल → १८४-२००, ४६२
 पीना → ९०-१०४
 पुराना → ७७-८०
 पूछना → ९०-१०४
 पेड़ → १६१-२००
 पैर → १६१-२००
 पोथी क पन्ना → ४८-५३, ४९६-५०३
 फ़र्क → १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 फ़ैसला → १६१-२००; १८, ४७९-४८३
 फिर → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 फिर भी, तब भी → ८२, ८३, १७६, १८४
 फिर से → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 बच्चे → १६१-२००
 बड़ा → ७७-८०
 बनाना → ९०-१०४
 बरामदा → १८४-२००, ४६२
 बल्कि → ८२, ८३, १७६, १८४
 बहन → १६१-२००
 बाज़ार → १८, ४७९-४८३
 बाढ़ि, पीढ़ी → १८-१९, ४७९-४८३
 बाद में → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 बार-बार → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

- बारात → १६१-२००
 बारिश → १६१-२००
 बारी-बारी → १८४-२००, ४६२
 बिल्कुल → ८२, ८३, १७६, १८४
 बुखार → १६१-२००
 बुरा → ७७-८०
 बुलाना → ९०-१०४
 बैठना → ९०-१०४
 बैठो → ८७-१२४, ५०५-५१०
 बोलना → ९०-१०४
 बोलो → ८७-१२४, ५०५-५१०
 भऽ, भऽ, भ' → १८-१९, ४७९-४८३
 भाई → १६१-२००
 भी → ८२, ८३, १७६, १८४
 भूलना → ९०-१०४
 भूलल → १८४-२००, ४६२
 भेजना → ९०-१०४
 मगर → ८२, ८३, १७६, १८४
 मज़दूर → १८, ४७९-४८३
 मत करो → ८७-१२४, ५०५-५१०
 मत जाओ → ८७-१२४, ५०५-५१०
 मतलब (अर्थ) → ८२, ८३, १७६, १८४
 मदद → १६१-२००
 महँगा → ७७-८०
 माँ → १६१-२००
 मिट्टी → १६१-२००
 मिलना (भेंट होना) → ९०-१०४
 मुझसे → ५५-७६
 मुझे → ५५-७६
 मुझे जाना है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 मुझे जाना है। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 मुझे पानी चाहिए। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 मुश्किल → ७७-८०
 में → ४८-५३, ४९६-५०३
 में से → ४८-५३, ४९६-५०३

- मेरा, मेरी, मेरे → ५५-७६
 मेरे पास किताब है। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 मेरे लिए यह काम कठिन है। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 मेहमान → १६१-२००
 मैं → ५५-७६
 मैं घर जा रहा हूँ। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 मैंने कहा → ८७-१२४, ५०५-५१०
 मौका → १६१-२००
 यह → ५५-७६
 यह क्या है? → १२५-१६०, ४३२-४३५
 यहाँ → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 यहाँ कोई नहीं है। → १२५-१६०, ४३२-४३५
 यहीं → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 या → ८२, ८३, १७६, १८४
 याद आना → ९०-१०४
 याद करना → ९०-१०४
 यानी → ८२, ८३, १७६, १८४
 ये → ५५-७६
 रंग → १५, ४८४-४८६
 रखना → ९०-१०४
 रहते हैं → ८७-१२४, ५०५-५१०
 रहना → ९०-१०४
 रहा है, रही है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 रात → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 रास्ता → १६१-२००
 रोना → ९०-१०४
 लंबा → ७७-८०
 लकड़ी → १६१-२००
 लड़का → १६१-२००
 लड़की → १६१-२००
 लाना → ९०-१०४
 लिखना → ९०-१०४
 ले जाना → ९०-१०४
 लेकिन → ८२, ८३, १७६, १८४
 लेना → ९०-१०४

- लेबैत → ९०-१०८
लो → ८७-१२४, ५०५-५१०
लोग → १६१-२००
वक्रत → १८, ४७९-४८३
वक्त → १६१-२००
वगैरह → ८२, ८३, १७६, १८४
वजह → १६१-२००
वह → ५५-७६
वह आया और बैठ गया। → १२५-१६०, ४३२-४३५
वहाँ → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
वहीं → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
वाक्यान्तमे '।' वा '।' → ४८-५३, ४९६-५०३
वापस जाने लगा → ८७-१२४, ५०५-५१०
वाला (कर्तृवाचक) → ८७-१२४, ५०५-५१०
वास्तव में → ८२, ८३, १७६, १८४
वे → ५५-७६
वैसा → ८२, ८३, १७६, १८४
वैसे → ८२, ८३, १७६, १८४
शादी → १६१-२००
शाम → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
शृंखला, शृंखला → १५, ४८४-४८६
संदर्भ → १५, ४८४-४८६
संधि → १५, ४८४-४८६
संपादक, संपादकीय → १५, ४८४-४८६
संबंध → १५, ४८४-४८६
संभव → १५, ४८४-४८६
सकता है → ८७-१२४, ५०५-५१०
सकते हैं → ८७-१२४, ५०५-५१०
सच्चा → ७७-८०
सफ़र → १८, ४७९-४८३
सब → ६७-७०, ४३६-४३९
सब कुछ → ६७-७०, ४३६-४३९
सब लोग आ गए। → १२५-१६०, ४३२-४३५

- सब लोग, सभी लोग → ६७-७०, ४३६-४३९
- सबका → ६७-७०, ४३६-४३९
- सबको → ६७-७०, ४३६-४३९
- सबसे → ८२, ८३, १७६, १८४
- सबूत → १६१-२००
- सभी → ६७-७०, ४३६-४३९
- समझना → ९०-१०४
- सवाल → १६१-२००
- साथ → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- सामने → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- सामान्य गद्यमे अंग्रेजी अङ्क 12 → ४८-५३, ४९६-५०३
- सारे → ६७-७०, ४३६-४३९
- साल → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- सास → १६१-२००
- सिर → १६१-२००
- सिर्फ → ८२, ८३, १७६, १८४
- सुनकर → ८७-१२४, ५०५-५१०
- सुनना → ९०-१०४
- सुनो → ८७-१२४, ५०५-५१०
- सुबह → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- से (परसर्ग) → ४८-५३, ४९६-५०३
- से (स्रोत, साधन, तुलना) → ४८-५३, ४९६-५०३
- से पहले → ४८-५३, ४९६-५०३
- सोना → ९०-१०४
- स्वतंत्र, नियंत्रण → १५, ४८४-४८६
- हँसना → ९०-१०४
- हफ्ता → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
- हम (बहुवचन) → ५५-७६
- हम सब, सब लोग → ५५-७०, ४२९-४३१
- हमने कहा → ८७-१२४, ५०५-५१०
- हमारा → ५५-७६
- हमें → ५५-७६
- हमेशा → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३

- हर → ६७-७०, ४३६-४३९
 हर कोई → ६७-७०, ४३६-४३९
 हर बार → ८१, १९५-१९६, ३३९-३४३
 हरेक → ६७-७०, ४३६-४३९
 हल्का → ७७-८०
 हालत → १६१-२००
 हुआ, हुई, हुए → ८७-१२४, ५०५-५१०
 हूँ → ८७-१२४, ५०५-५१०
 है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 हैं → ८७-१२४, ५०५-५१०
 हो गया → ८७-१२४, ५०५-५१०
 हो चुका है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 हो रहा है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 हो सकता है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 होंगे → ८७-१२४, ५०५-५१०
 होकर → ८७-१२४, ५०५-५१०
 होगा, होगी → ८७-१२४, ५०५-५१०
 होता था → ८७-१२४, ५०५-५१०
 होता है → ८७-१२४, ५०५-५१०
 होना → ९०-१०४
 '!!', '???' → ४८-५३, ४९६-५०३
 '...' (तीन बिन्दु) → ४८-५३, ४९६-५०३

विधा-अनुसार टिप्पणी सहित मूल आ सुधारल पाठ

कथा

मूल उदाहरण वह कमरे में बैठा था। बरामदे में पानी रखा था।

सम्पादित ओ कोठलीमे बैसल छल। ओसारामे पानि राखल छल।

टिप्पणी कमरा → कोठली, बरामदा → ओसारा, पानी → पानि; कालक संगति सुरक्षित।

संवाद

मूल उदाहरण “तुम कब आओगे? मुझे कुछ नहीं चाहिए।”

सम्पादित “अहाँ कहिया आएब? हमरा किछु नहि चाही।”

टिप्पणी सम्मान, प्रश्न आ नकार एकहि स्तरमे; मूल उद्धरण अछैत तँ मूल पाठ नहि बदलू।

पत्रकारिता

मूल उदाहरण आज गाँव के पास एक पुराना कुआँ मिला।

सम्पादित आइ गामक लग एकटा पुरान इनार भेटल।

टिप्पणी समय, कारक, शब्दवर्ग; प्रत्यक्ष तथ्य रिपोर्टिंगमे अलग सत्यापन आवश्यक।

शोधगद्य

मूल उदाहरण इस कारण से शब्द का अर्थ अलग है।

सम्पादित एहि कारणसँ शब्दक अर्थ फराक अछि।

टिप्पणी कारणसूचक संरचना आ सम्बन्ध-चिह्न, स्रोत-सन्दर्भ अलग राखू।

नाटक

मूल उदाहरण “अभी जाओ, दरवाजा खोलो।”

सम्पादित “एखन जाउ, केवाड़ी खोलू।”

टिप्पणी पात्र-भाषा आ आदेशक रूप; नाटकक मूल संवाद संशोधनसँ सुरक्षित।

परीक्षण-वाक्य : प्रतिगमन जाँच

163 सम्पादकीय उदाहरण पृथक जेसन फाइलमे पूर्णतः उपलब्ध छथि। एहि उदाहरणमे से पहिल ३० नीचे देल अछि; परीक्षणक उद्देश्य नियम बदलबापर पुरान स्वीकृत परिणाम नहि टूटय, से जाँचब। मूल उपन्यासक उद्धरण नहि।

T-001 · पूर्व मुझे पानी चाहिए।

पश्चात् हमरा पानि चाही।

T-002 · पूर्व गाँव में बात हुई। मुझे पानी चाहिए।

पश्चात् गाममे गप भेल। हमरा पानि चाही।

T-003 · पूर्व आज चर्चा हुई। मुझे पानी चाहिए।

पश्चात् आइ चर्चा भेल। हमरा पानि चाही।

T-004 · पूर्व इस पर विचार करो। मुझे पानी चाहिए।

पश्चात् एहि पर विचार करू। हमरा पानि चाही।

T-005 · पूर्व यह मेरा घर है।

पश्चात् ई हमर घर अछि।

T-006 · पूर्व गाँव में बात हुई। यह मेरा घर है।

पश्चात् गाममे गप भेल। ई हमर घर अछि।

T-007 · पूर्व आज चर्चा हुई। यह मेरा घर है।

पश्चात् आइ चर्चा भेल। ई हमर घर अछि।

T-008 · पूर्व इस पर विचार करो। यह मेरा घर है।

पश्चात् एहि पर विचार करू। ई हमर घर अछि।

T-009 · पूर्व वह अब यहाँ है।

पश्चात् ओ आब एतय अछि।

T-010 · पूर्व गाँव में बात हुई। वह अब यहाँ है।

पश्चात् गाममे गप भेल। ओ आब एतय अछि।

T-011 · पूर्व आज चर्चा हुई। वह अब यहाँ है।

पश्चात् आइ चर्चा भेल। ओ आब एतय अछि।

T-012 · पूर्व इस पर विचार करो। वह अब यहाँ है।

पश्चात् एहि पर विचार करू। ओ आब एतय अछि।

T-013 · पूर्व यह किताब अच्छी है।

पश्चात् ई पोथी नीक अछि।

T-014 · पूर्व गाँव में बात हुई। यह किताब अच्छी है।

पश्चात् गाममे गप भेल। ई पोथी नीक अछि।

T-015 · पूर्व आज चर्चा हुई। यह किताब अच्छी है।

पश्चात् आइ चर्चा भेल । ई पोथी नीक अछि ।

T-016 · पूर्व इस पर विचार करो । यह किताब अच्छी है ।

पश्चात् एहि पर विचार करू । ई पोथी नीक अछि ।

T-017 · पूर्व वह वहाँ जाएगा ।

पश्चात् ओ ओतय जाएत ।

T-018 · पूर्व गाँव में बात हुई । वह वहाँ जाएगा ।

पश्चात् गाममे गप भेल । ओ ओतय जाएत ।

T-019 · पूर्व आज चर्चा हुई । वह वहाँ जाएगा ।

पश्चात् आइ चर्चा भेल । ओ ओतय जाएत ।

T-020 · पूर्व इस पर विचार करो । वह वहाँ जाएगा ।

पश्चात् एहि पर विचार करू । ओ ओतय जाएत ।

T-021 · पूर्व आज बारिश हुई ।

पश्चात् आइ बरखा भेल ।

T-022 · पूर्व गाँव में बात हुई । आज बारिश हुई ।

पश्चात् गाममे गप भेल । आइ बरखा भेल ।

T-023 · पूर्व आज चर्चा हुई । आज बारिश हुई ।

पश्चात् आइ चर्चा भेल । आइ बरखा भेल ।

T-024 · पूर्व इस पर विचार करो । आज बारिश हुई ।

पश्चात् एहि पर विचार करू । आइ बरखा भेल ।

T-025 · पूर्व कुआँ घर के पास है ।

पश्चात् इनार घरक लग अछि ।

T-026 · पूर्व गाँव में बात हुई । कुआँ घर के पास है ।

पश्चात् गाममे गप भेल । इनार घरक लग अछि ।

T-027 · पूर्व आज चर्चा हुई । कुआँ घर के पास है ।

पश्चात् आइ चर्चा भेल । इनार घरक लग अछि ।

T-028 · पूर्व इस पर विचार करो । कुआँ घर के पास है ।

पश्चात् एहि पर विचार करू । इनार घरक लग अछि ।

T-029 · पूर्व मैं कल वापस आऊँगा ।

पश्चात् हम काल्हि घुरि आएब ।

T-030 · पूर्व गाँव में बात हुई । मैं कल वापस आऊँगा ।

पश्चात् गाममे गप भेल । हम काल्हि घुरि आएब ।

सहस्रशीर्षाक पाठ-साक्ष्य : पूर्व सम्पादकीय अध्याय

एहि अध्यायसभकेँ मूल निर्देशिकाक साक्ष्य-अध्ययनक ऐतिहासिक अभिलेखक रूपमे संरक्षित कएल गेल अछि। एहि उदाहरणसँ सम्पूर्ण सहस्रशीर्षाक शब्द-आवृत्ति प्रमाणित भेल, से दावा नहि।

१. प्रामाणिकता, प्रकाशन-स्थिति आ सम्पादकीय पदानुक्रम

ई नव खण्ड मूल २०२६ संस्करणक पाठ-साक्ष्याधारित अध्ययनक नव मैथिली प्रस्तुति अछि; स्रोतगत मान्य भेद सुरक्षित अछि। नियमक क्रम स्पष्ट अछि : (१) सम्पादकक नवतम स्पष्ट स्वीकृत सुधार; (२) विदेहक स्वीकृत निर्देशिका; (३) मूल पाण्डुलिपिक प्रमाणित पाठ; (४) क्षेत्रीय गीत, लोकचरित आ पात्र-विशेषक भाषिक रूप। 'सहस्रशीर्षा'क पाठक उपस्थित रूपकेँ मात्र अधिक आवृत्तिक कारण घरक अनिवार्य मानक घोषित नहि कएल जाएत।

२. पाठ-संग्रहक सीमाबोध

लेखकीय शैली-अध्ययनक प्रत्यक्ष आधार 'सहस्रशीर्षा (प्रसिद्ध गढ़ नारिकेल)'क चौंतीस कल्लोल अछि। मूल वर्ड अनुच्छेद-संख्या शून्यसँ गनल गेल अछि; ई मुद्रित पृष्ठ-संख्या नहि। कल्लोलक पल्लव, गीत, उद्धरण, राजनीतिक पात्रक वक्तव्य आ कथावाचकक प्रश्न अलग दर्ज होइत अछि। ककरो काल्पनिक भाषिक व्यवहार पर नव शब्द वा नव नियम नहि बनाओल जाएत।

३. गद्यक चारि रजिस्टर

पहिल, मानक सम्पादकीय अथवा शोधात्मक गद्य; दोसर, उपन्यासक कथावाचकक स्मृतिमूलक भाषिक लय; तेसर, पात्रक स्थानीय/जातीय/पीढ़िगत बोलचाल; चारिम, लोकगीत, व्रतकथा आ मन्त्रक स्रोतगत भाषा। सम्पादकीय सुधार पहिल रजिस्टरपर पूर्ण लागू, दोसरपर अर्थरक्षा संग विवेकपूर्ण लागू, तेसर आ चारिमपर मूल वाणी राखि आवश्यकता अनुसार टिप्पणी। स्रोतक गीतमे शब्द बदलब सामान्य 'भाषाशुद्धि' नहि, पाठभेद अछि।

४. समय आ क्रियाक रूप : देत / दैत

विदेहक स्वीकृत निर्देशिकाक अनिवार्य विभेद कायम अछि : ‘देत’ भविष्यकाल — ‘ओ देत’; ‘दैत’ वर्तमान-आवृत्तिपरक/कृदन्त — ‘ओ दैत अछि’। ‘घुरैत अछि’, ‘कहलन्हि’, ‘कहै छथि’, ‘बजैए’ आदिक प्रयोग पात्र, काल आ कथन-स्तर अनुसार परखल जाएत। गीतक अनियत क्रियारूप अपन वाचिक साक्ष्यक रूपमे सुरक्षित।

५. व्यक्ति आ निर्जीवक सम्मानसूचक सीमा

‘छथि’ सम्मानसूचक मानवीय कर्ता लेल; पोथी, नदीक सामान्य वस्तुरूप, घटना, नियम आदिक लेल अर्थानुकूल ‘अछि/छै’। ध्यान रहे : धार्मिक गीतमे नदी ‘माय’ वा देवीरूपेँ मानवीकृत छथि तँ धार्मिक सम्बोधनक मूल रूप नष्ट नहि हो। सम्पादकीय समीक्षामे घटनाक वर्णन करैत सम्मानसूचक निर्जीवपर आरोपित नहि कएल जाएत।

६. नै, नहि, ने : नकारक रजिस्टर

दुनू उपन्यासक Word पाठसाक्ष्यसँ ‘नहि’ आ ‘नै’ दुनू लेखकीय मान्य रूप स्पष्ट अछि। कथा, शोधगद्य, पात्र-वाणी आ सम्पादकीय गद्यक एकहि स्वरमे लेखक जे रूप अपनाबथि, ओकर निरन्तरता राखथि; ‘ने’ प्रश्नात्मक/बलाघातक अथवा विशिष्ट अर्थमे पृथक अछि।

७. विरोधी सम्बन्धक धुरी : मुदा

‘मुदा’ उपन्यासमे कथनक दिशा पलटबाक प्रमुख अवयव अछि। लोकविश्वासक दावा पाछाँ भिन्न यथार्थ; लोकदेवताक महिमा पाछाँ श्रमक असुरक्षा; आजादीक घोषणा पाछाँ बाँकीपुर जेल—ई बदलाव ‘मुदा’सँ जीवित होइत अछि। मानक सम्पादकीय गद्यमे ‘लेकिन’क बदला ‘मुदा’ स्वीकृत प्राथमिकता अछि; प्रत्येक वाक्यमे अनावश्यक भरने नहि।

८. प्रश्नक शृङ्खला आ तर्कक जाँच

कथावाचक एक प्रश्नक उत्तर पुनः दोसर प्रश्नसँ करैत छथि : बान्ह धारकें बचाबैत अछि कि निकासकें रोकैत? मतदाता-सूचीसँ गाम बनैत अछि की? मजदूरक हकक लेखा ककरा लग? ई शृङ्खला लेखकक वैचारिक विधि अछि।

पाठाधारित आलोचनामे प्रश्नक क्रम, पात्र-वक्ता आ जतय उत्तर अनिर्णीत रहैत अछि ताहि स्थलकें चिन्हित करू; उत्तर अनुमानसँ बनाउ नहि।

१. आकि, कि, जँ-तँ आ परिकल्पनाक सीमा

‘आकि’ विकल्पक सन्देह देखबैत अछि; ‘कि’ उद्धरण/प्रश्नक संघटक सेहो भऽ सकैत अछि; ‘जँ...तँ’ शर्त-परिणामक विशिष्ट ढाँचा अछि। राजनैतिक पात्रक ‘हएत’ कखनो आशा अछि, निश्चित भावी घटना नहि। अनिश्चितता दर्शाबयवला व्याकरणकें सम्पादकीय सारमे प्रमाणित तथ्य बना देब अनुचित।

१०. फेर, तकर बाद आ स्मृतिरूप काल-उलटफेर

‘फेर’ क्रमक जोड़ मात्र नहि; मिथकीय कथासँ कारावासक वर्तमान आ वर्तमानसँ पूर्वघटनाक स्मृतिमे मुडबाक पथ अछि। सहस्रशीर्षामे एके खण्डमे पीढ़ी, नदी, राजनीतिक युग बदलैत अछि। सम्पादक स्रोतकालक संक्रमण विलोपित नहि करू। कल्लोलक वर्तमान पाठ-वाचक कखन बोलैत अछि आ लोकगाथा कखन शुरू होइत अछि, से पाठक सोझाँ रखू।

११. लोकगीतक उद्धरण : पाँति, पुनरावृत्ति आ छन्द

जट-जटिन (कल्लोल १५), चेथरूक शोकगीत (१८), कोसी/कमला गान (२८), गांगोदेवीक गीत (२५, ३३) मूल पाँतिक स्थान, पुनरुक्ति आ सम्बोधन सहित रखल जाय। दूनू संस्करणक पाठान्तर बिना प्रमाण ‘शुद्ध’ करबाक प्रयत्न नहि। स्वरमूलक दीर्घ ध्वनि, नकलात्मक ‘रे’, ‘हे’ आ लोकभाषाक पाँति सजावट नहि, मूल स्रोत-सत्य।

१२. कथनमे देह आ श्रमक सूक्ष्म वस्तु

‘ताना, भरनी, खट्टा, पेटलरदी’ (कल्लोल २६); ‘भौरी जाल, भिरखा, अन्ता जाल’ (३४); ‘इनारक जगत’ (२२); ‘चाभीक प्रतिकृति’ (३४)—ई पेशागत शब्दावली मैथिलीक ज्ञान-क्षेत्र अछि। अर्थ निश्चित नहि भेलासँ मनगढ़न्त परिभाषा नहि लिखू। अर्थ मूल क्रिया आ क्षेत्रीय प्रामाणिक शब्द-स्रोत देखिकऽ निर्धारित करू।

१३. जल-भूगोल आ नदी-संरचना

‘धार’, ‘बाहा’, ‘बान्ह’, ‘लचका पुल’, ‘रिग-बान्ह’, ‘मोइन’, ‘निकास’ अलग-अलग वस्तु/प्रक्रिया दर्शाबैत अछि। एहन रूपसभकेँ एक हिन्दी ‘बाँध’ वा ‘नाला’ शब्दमे समेटब अर्थहानि अछि। भूगोलक वैज्ञानिक व्याख्याक लेल क्षेत्रीय नक्शा आ प्रामाणिक जलसंसाधन अभिलेख अलग स्रोत बनत; उपन्यासक लोकवाणी स्वयं अभिलेखीय सत्य नहि।

१४. कृषि, बीज आ स्वादक पञ्जी

कल्लोल ३४मे धानक अनेक जाति, चैत-वैशाखक ‘गरमा’ खेती, गहूमक लागत, दालि-तेल प्रश्न आ मछरीक नामक सूची अछि। सूचीमे स्थानीय नाम दुरुस्त रख, समानार्थी मानि मिलाउ नहि। छाँटि देबाक सम्पादकीय सुविधा लोक-अभिलेखक नाश बनि सकैत अछि। एक रूपक अलग जकाँ भरपूर शब्दार्थ प्रमाण उपलब्ध नहि, ओकरा ‘क्षेत्रीय—अर्थ पुनर्जाँच’ ठहराउ।

१५. उत्पत्तिक लोककथा बनाम सामाजिक इतिहास

दीना-भदरीक लोकनायक, चंगेज-मुसहर सम्बन्धक प्रश्न (१३), बौद्ध मठ-भुमिहारक उत्पत्तिक चर्चा (१४), लोकदेवता लालमैन (१२) आ जातिक चारि-भाइक आख्यान (११) समान प्रमाण-श्रेणी नहि। उपन्यास पौराणिक, दन्तकथा, पात्रक अनुमान आ प्रत्यक्ष कार्य-वर्णन मिलाबैत अछि। सम्पादकीय तर्कमे प्रत्येक दावा ‘पाठमे कहल गेल’ बनाम ‘स्वतन्त्र जाँचमे सिद्ध’ अलग रही।

१६. स्त्री-स्वर आ कथनक स्वायत्तता

ममतोड़क विदाइ (८), कुसुमावतीक पाठशाला (९), भुरकुरीक प्रशिक्षण (१३), लुकेसरीक गीत (१२) आ घेंघीक विद्यालय लेल भूमि-दान (३२) स्त्रीक अनुभवक भिन्न क्षेत्र अछि। कथनमे स्त्री-विरोधी पात्रक अपमानजनक कथन दर्ज अछि (३१), ओकरा लेखकक अधिकृत मूल्यबोध बनि उद्धृत नहि करू। स्त्रीक सार्वजनिक श्रम आ निर्णयकेँ पतिक भूमिका धरि सीमित करब अनुचित।

१७. सम्बोधन आ आदरसूचक क्रियाक सांगीतिकता

‘कहलखिन्ह’, ‘कहलन्हि’, ‘बाजल’, ‘बजै छथि’ आदि रूप व्यक्ति आ वक्ता-सम्बन्ध पर निर्भर अछि। पुरान स्रोतमे आकस्मिक असंगति भेटलापर उद्धरणकेँ

नहि छूऊ, मुदा कथावाचकक स्वरमे सम्पादकीय एकरूपता अपनाउ। निर्जीव पर सम्मानसूचक प्रयोग हटाउ; व्यक्ति पर असंगत साधारण क्रियाक कारण पूछू।

१८. उपसर्ग-सम्बन्ध, कारक आ विषयक गुमाव

‘सँ’, ‘कै’, ‘पर’, ‘लग’, ‘कात’, ‘सोझाँ’, ‘भीतर’क अर्थानुसार प्रयोग करू। ‘गामक लोक’ आ ‘गाममे लोक’क कारक भिन्न अछि; हिन्दी वाक्यक सतही शब्द-प्रतिस्थापनसँ मैथिली वाक्य नहि बनैत। ‘सोझाँ’ ‘सामने’क मानक विकल्प अछि; मूल उद्धरणमे आज्ञाचलिक रूप बचल रहत।

१९. लेखकक लघु वाक्य आ दीर्घ नामावली

‘लोक बिसरि गेल... लोक नै बिसरल’ (२२), ‘गुम्म अछि स्वतन्त्रता’ (२५), ‘चिन्नी सेहो कम मीठ’ (३१) छोट वाक्यक धार अछि। एकरे संग ३४म कल्लोलक पेशागत दीर्घ पञ्जी अछि। सम्पादक एकरे लम्बाइ घटेबाक नामपर सार नहि बनाऊ; लघु वाक्यक विराम आ नामावलीक विस्तार दुनू भिन्न शिल्प-कार्य करैत अछि।

२०. शहरी आधुनिकता आ स्थानीय अनुभव

किशनगढक गैराज, खुलल सैलून, चाभी बनाब डवला कारीगर, सफाइक ठेका, अस्पताल आ मॉल (३४) नगरक व्यवहारिक शब्दावली अछि। वैश्विक नाम आ तकनीकी शब्द जखन रचनाक पहचानक अभिन्न भाग, स्रोत-निष्ठ रहत। नव सम्पादकीय टिप्पणीमे आवश्यक विदेशी पदक मैथिली अर्थ स्पष्ट करू; अनावश्यक अंग्रेजी भरमार नहि।

२१. बातमी, गप्प, उकबा आ प्रमाण

धीरेन्द्रक योगी बनेबाक गामक ‘उकबा’ (३०) बाद गाममे हुनकर प्रत्यक्ष आगमन (३१) अलग साक्ष्य-स्तर अछि। साहित्यिक समीक्षा कथक कोन जानकारी कतयसँ पबैत छथि, से दर्शाउ; संदेहक रूपकें पुष्टि बना नहि दिअ। नव्य न्यायमे प्रत्यक्ष-अनुमान-शब्दप्रमाणक फराक व्यवहारिक रूपसँ लागू करू।

२२. लेखकीय कल्पना आ नीतिगत सत्यापन

बान्ह, वर्षा, कोसी-कमला नदी, कीटनाशक, जैव विविधता, इतिहास आ उद्योगसम्बन्धी दावाक साहित्यिक मूल्य आ तथ्यगत सत्यापन अलग प्रश्न अछि। मूल पाठमे राजनीतिक पात्रक भाषण इतिहासकारक सत्यापित टिप्पणी नहि। रचना-समीक्षामे ‘उपन्यासक अनुसार’ कहबाक मर्यादा बचल रहत; बाह्य सत्यापन भेलापर ओकर स्रोत अलग स्पष्ट रहत।

२३. स्पष्ट स्वीकृत शब्द-सुधार : बाध्यकारी

अहाँक स्वीकृत सम्पादकीय शब्दरूप : पानि (पानी नहि), इनार (कुआँ नहि), हेरायल (खोआइल नहि), औंठा (अङ्गूठा नहि), तरहडि (तहखाना नहि), विलायल (गायब नहि), बिसरल (भूलल नहि), केवाडी (दरवाजा नहि), ओसारा (बरामदा नहि), अएना (आईना नहि), पित्तरि (पीतल नहि), चाह (चाय नहि), कोठली (कमरा/कोठरी नहि)। ई रूप सामान्य नव सम्पादकीय गद्यक लेल अछि। ऐतिहासिक मूल शीर्षक, गीत आ उद्धरणमे मूल रूप सम्पादकीय टिप्पणीसहित सुरक्षित रहत।

२४. पुनरुक्ति, विरामचिह्न आ उद्धरण-शैली

स्मृति-आवर्तन, गीतक ध्वन्यात्मक आवृत्ति आ करुण भावक ‘...’ उपयोग मूल रचनामे शिल्पसंगत होइ सकैत अछि। वैज्ञानिक शोध-वाक्यमे ओहि अनिश्चयक अनावश्यक नकल नहि हो। प्रश्नक शृङ्खला पढ़बामे स्पष्ट विराम चाही; मूल उद्धरणक मौखिकता छानबीनक बादे सम्पादित करू।

२५. शोध-समीक्षाक प्रमाण-सूत्र

प्रत्येक मुख्य दावाक संग कल्लोलक नाम, उपलब्ध स्रोत-संस्करण, मूल पल्लव अथवा मूल वर्ड अनुच्छेद-संकेत दियौ। शून्यसँ शुरू अनुच्छेदक संख्याकें छापाक पृष्ठ नहि बनाउ। कथा वा गीतक पहिल आ अन्तिम पाँति देखल बिना समग्र निष्कर्ष नहि। एकहि नामक पात्रसभकें जाति, गाम वा पीढ़ी देखिकऽ भिन्न पात्र बुझू।

२६. शुद्धता-परीक्षणक क्रम

पहिल चरण—स्रोतक सटीक पाठ, उद्धरण, पात्र आ क्रम मिलान; दोसर—प्रत्यक्ष आ अनुमानक भेद; तेसर—कारक, काल, सम्मानसूचक, नकार, वाच्य आ शब्दरूप; चारिम—गीत, लोकनाटक आ तकनीकी शब्दक सुरक्षित रूप; पाँचम—पूफ, पृष्ठ, तालिका, मार्जिन आ अनुक्रमा; छठम—पुरान संचयी सामग्रीक अक्षुण्णता। जे प्रश्न अनिर्णीत, ओकरा स्पष्ट चिह्नित करू।

२७. समीक्षात्मक निष्कर्ष आ अगिला संशोधनक अधिकार

‘सहस्रशीर्षा’ लेखकीय गद्यक ठेठ जीवन-सम्पदा देखबैत अछि; एकर भाषा सामान्य मानकक केवल उदाहरण-पोथी नहि, दर्जनभर भिन्न सामाजिक आवाजक सृजनात्मक संयोजन अछि। विदेहक मूल अधिकृत नियमसभक बल अबाधित अछि; एहि परिवर्धनमे कएल प्रेक्षण स्पष्ट सम्पादकीय सुधारसँ अलग श्रेणीमे राखल गेल अछि। अगिला कृति-पाठ भेटलापर नव प्रमाण सहित पुनर्मूल्याङ्कन सम्भव, मुदा पुरान स्रोत नष्ट नहि।

बाहरी समीक्षा, परिवर्तन-इतिहास आ शुद्धिपत्र

दू अथवा तीन स्वतंत्र मैथिली विद्वानक लिखित आलोचनात्मक समीक्षा नियत अछि—विशेषतः प्रतिस्थापन-पञ्जी आ मूल भाग १५-२२। ई समीक्षा एखन सम्पन्न नहि भेल अछि। विद्वानक नाम वा अनुमोदनक कल्पित अभिलेख एहि संस्करणमे नहि देल गेल अछि।

समीक्षाक चरण : (१) त्रुटि/मान्य प्रयोगक स्वतंत्र चिन्हांकन; (२) प्रत्येक विवादित रूपक साहित्यिक प्रसंग; (३) प्रमाणसहित निर्णय; (४) दोगोट समीक्षकक असहमति एखन विवादित रूपमे अभिलेखित; (५) संशोधित परीक्षण-वाक्य फेर चलाउ।

संशोधन-चक्र : प्रति छह मास सामान्य जाँच; प्रत्येक वर्ष एकटा औपचारिक संस्करण; तात्कालिक मुद्रण-त्रुटि लेल दिनाङ्कित शुद्धिपत्र। नवा स्वीकृत पाबिसँ पहिने मूल उद्धरणक रक्षा आ प्रतिगमन-परीक्षण अनिवार्य।

परिवर्तन-इतिहास

दिनाङ्क	परिवर्तन	सत्यापन-स्थिति
पूर्व संशोधन	५९२ मूल नियम आ ९१क, युनिकोड अध्याय, समेकित कोश आ प्रारम्भिक परीक्षण-वाक्य	प्रकाशनपूर्व सम्पादकीय समीक्षा
११ अक्टूबर २०२६	सहस्रशीर्षा : मूल DOCX पाठक सम्पूर्ण शब्द-आवृत्ति पुनर्गणना	वर्ड-पाठ परीक्षण सम्पन्न; साहित्यिक प्रसंग-समीक्षा निरन्तर
११ अक्टूबर २०२६	सहस्रबाढ़नि : मूल DOC केँ DOCX मे रूपान्तरित कऽ सम्पूर्ण पाठक पुनर्गणना	मूल DOC सुरक्षित; रूपान्तरित पाठक यान्त्रिक शब्द-जाँच सम्पन्न
आगाँक संशोधन चक्र	दू-तीन बाहरी मैथिली विद्वानसँ समीक्षा,	बाँकी; सम्पन्न कहि

	सन्दिग्ध प्रविष्टिक ऐतिहासिक/सन्दर्भगत परीक्षण	प्रकाशित नहि करब
११ अक्टूबर २०२६	आएल/आयल, नहि/नै, कएल/कयल, होयत/होएत/हएत सभ मान्य; लेखक-आधारित एकरूपता	लेखकक नव सम्पादकीय निर्णय; स्रोत-पाठ समर्थन उपलब्ध

शुद्धिपत्र आ निर्णय-पञ्जी

वर्तमान संशोधनमे नियम २९क उद्धरण/शब्द-उल्लेख, नियम ४८९क ए/य, नियम १०५/५०९क नहि/नै आ नियम ४८४क पञ्चमाक्षर/अनुस्वारक भेद स्पष्ट कएल गेल । सम्पादनक प्रत्येक अगिला सुधार लेल नियम-क्रमाङ्क, पुरान रूप, सुधारल रूप, कारण, पाठ-साक्ष्य आ स्वीकृतिक दिनाङ्क अनिवार्य ।

मशीन-पठनीय कोषक प्रयोग

एहि संस्करणक मशीन-पठनीय संगत फाइल तीनटा अछि—(१)

‘VIDEHA_MAITHILI_EDITORIAL_DICTIONARY_WORD_VERIFIED_2026.json’: ४९४ कोश-प्रविष्टि, मूल वर्ड-स्रोतक प्रति-रूप आवृत्ति, प्रसंग आ साक्ष्य-स्थिति; (२)

‘VIDEHA_MAITHILI_REGRESSION_TESTS_WORD_VERIFIED_2026.json’: १७७ परीक्षण-वाक्य; (३)

‘VIDEHA_MAITHILI_RULES_WORD_VERIFIED_2026.json’: ५९२ नियम आ ९१क सहित कुल ५९३ क्रमाङ्कित नियम-प्रविष्टि । शब्दक मूल उद्धरण अपन रूपमे सुरक्षित अछि ।

स्वचालित संशोधन केवल नियमक सङ्केत देत; अन्तिम पाठ-संशोधन मानवीय सम्पादक करथिन । नहि तऽ कर्ता/सम्बन्ध, नकार, बोली, नाम, उच्चारण, अलंकार आ मूल उद्धरण बिगड़ि सकैत अछि । विश्वास-स्तर “प्रसंगाधीन” वा “सन्दिग्ध” हो तँ स्वचालित प्रतिस्थापन वर्जित ।

मुद्रण आ सुलभता जाँच

एहि संस्करणक मुख्य पाठ बामसँ संरेखित राखल गेल अछि; ६ × ९ इंचमे पूर्णतः समरेखित अनुच्छेदक असमान अन्तरालसँ बचबाक उद्देश्य अछि। मूल अक्षररूप नोटो सेरिफ देवनागरी; दोसर जाँच-अक्षर नोटो सान्स देवनागरी। कमसँ कम सोरह पृष्ठक एकटा मुद्रण-खण्ड निकासि भौतिक प्रूफ-परीक्षण आवश्यक अछि; भौतिक मुद्रण एहि दस्तावेजक डिजिटल निर्माणसँ स्वतः सम्पन्न नहि होइत। पीडीएफमे शीर्षक-क्रम, पाठ-निकास, उचित फ्रॉन्ट-समावेशन, आ सम्भव हो तँ चिह्नित दस्तावेज-वृक्ष जाँचू। इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकमे प्रत्येक शीर्षकक नेविगेशन, देवनागरी अक्षरक अखण्डता, तालिकाक पठनीयता आ भाषा-चिह्न सुनिश्चित करू। PDF/UA जाँचक बिना मात्र “टैग्ड” कहि पूर्ण सुलभता प्रमाणित नहि करब।

स्रोत अभिलेख

गजेन्द्र ठाकुर, सहस्रशीर्षा, उपलब्ध विदेह पीडीएफ (३३८ पृष्ठ)। <https://videha-ejournal.github.io/videha-ejournal/sahasrashirsha.pdf>

गजेन्द्र ठाकुर, सहस्रबाद्धनि, उपलब्ध विदेह पीडीएफ (७९ पृष्ठ)। <https://videha-ejournal.github.io/videha-ejournal/sahasrabadhani.pdf>

आधार निर्देशिका: विदेह शुद्ध मैथिली लेखन-शैली निर्देशिका, पूर्व संशोधित २०२६ संस्करण। एहि दुनू उपन्यासक अतिरिक्त कोनो कथा-संग्रह आवृत्ति-जाँचक पाठाधार नहि।

विदेह

शुद्ध मैथिली लेखन-शैली निर्देशिका

मैथिली वर्तनी, व्याकरण, शब्दप्रयोग,
पाठ-सम्पादन आ प्रकाशनक मानक निर्णय

५९२ नियम

पूर्ण नियम-क्रम यथावत्

नियम १-८६

भाषा आ वर्तनी

नियम ८७-२००

क्रिया, वाक्य आ शब्दार्थ

नियम २०१-३१७

विधा आ सम्पादन

नियम ३१८-४६६

प्रयोग-कोश आ उदाहरण

नियम ४६७-५९२

स्रोत-परीक्षण आ विशिष्ट निर्णय

द्वुत-सन्दर्भ : आएल/आयल, नहि/नै, कएल/कयल, होयत/होएत/हएत—सभ मान्य; एकहि
लेखकीय गद्यस्वरमे चयन स्थिर राखू।



विदेह वेबसाइट

<https://www.videha.co.in/>



विदेह ई-जर्नल

<https://videha-ejournal.github.io/videha/>

गजेन्द्र ठाकुर

विदेह · प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका · आईएसएसएन २२२९-५४७९एक्स